तत्त्वार्थसूत्रम्

Tattvārthasūtram

परिशिष्ट : तृतीय

Appendix No. 3

तत्त्वार्थसूत्र विषयक साहित्य

Literature of Tattvārthasūtra

संकलन

मुनि अभयसागर महाराज

Collection

Muni Abhaya Sāgara Mahārāja

(अ) मुद्रित साहित्य

Printed Literature

1. ***अर्थ प्रकाशिका*** (श्री तत्त्वार्थसूत्र की भाषा टीका) - पं. सदासुखदास कासलीवाल, प्रकाशक - (1) भारतीय जैन सिद्धान्त प्रकाशिनी संस्था, कलकत्ता, सन् 1916; (2) मूलचन्द किसनदास कापड़िया, सूरत, गुजरात, सन् 1940; (3) जैन संस्कृति संरक्षक संघ, सोलापुर, महाराष्ट्र, प्रथमावृत्ति-सन् 1982, पृष्ठ-386; (4) अनेकान्त विद्वत् परिषद्, सोनागिरि, दतिया, मध्यप्रदेश, प्रथम संस्करण-सन् 1990, पृष्ठ-382; (5) सम्पादक एवं अनुवादक - एड. मन्नूलाल जैन, प्रकाशक-जैन संस्कृति संरक्षक संघ, जीवराज जैन ग्रन्थमाला, 410-दक्षिण कसवा, सोलापुर, महाराष्ट्र; प्र. सं.-सन् 2003, पृष्ठ-58+462।
2. ***गन्धहस्ति महाभाष्य*** (96 हजार श्लोक प्रमाण)- (अ) आचार्य समन्तभद्र स्वामी (120-185 ई. सन्/द्वितीय शताब्दी ईसवी), सन्दर्भ - (1) जैनेन्द्र सिद्धान्त कोश - संकलन एवं सम्पादन-क्षुल्लक जिनेन्द्र वर्णी, प्रथम भाग, आठवाँ संस्करण-सन् 2003, क्रमांक 74, पृष्ठ-328, एवं क्रमांक 16,

पृष्ठ-340; (2) जैनेन्द्र सिद्धान्त कोश - संकलन एवं सम्पादन-क्षुल्लक जिनेन्द्र वर्णी, द्वितीय भाग, सातवाँ संस्करण-सन् 2004, पृष्ठ-211, 356 एवं 638-639; प्रकाशक-भारतीय ज्ञानपीठ, 18-इन्स्टीट्यूशनल एरिया, लोदी रोड, नई दिल्ली-110 003।

3. ***चालो स्वाध्याय करीए*** (गुजराती, भाग-1) - चन्द्रशेखर विजय, प्रका.-कमल प्रकाशन ट्रस्ट, अहमदाबाद, गुजरात, वि.सं. 2050, पृष्ठ-232।
4. ***जीवविचार नवतत्त्व दण्डक चैत्यवन्दनादि त्रण भाष्य अने तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (गुजराती) - प्रकाशक-जशवंतलाल गिरधरलाल शाह, अहमदाबाद, पृष्ठ-436।
5. ***जीवविचार नवतत्त्व दण्डक लघु संग्रहणी, चैत्यवन्दनादि त्रण भाष्य अने तत्त्वार्थाधिगमसूत्र सार्थ*** (गुजराती)- प्रकाशक-अमृतलाल पुरुषोत्तमदास, अहमदाबाद, वि.सं.-2006, पृष्ठ-372।
6. ***जैन नित्य स्मरण स्तोत्र संग्रह अने जैन वार्षिक उत्तम पर्वो*** (संस्कृत/परिशिष्ट) - आनन्दसागर सूरि, उमेदचन्द रायचन्द मास्तर, अहमदाबाद, वि.सं. 1978, पृष्ठ-595।
7. ***तत्त्व प्रकाशिका*** (प्राकृत टीका) – योगेन्दु देव। (ईसवी 6वीं शताब्दी उत्तरार्द्ध), संदर्भ - (1) जैनेन्द्र सिद्धान्त कोश, प्रथम भाग, आठवाँ संस्करण-सन् 2003, क्रमांक 101, पृष्ठ-329 एवं क्रमांक-63; पृष्ठ-341; (2) जैनेन्द्र सिद्धान्त कोश, द्वितीय भाग, सातवाँ संस्करण-सन् 2004, पृष्ठ-356 एवं 638-639, शेष विवरण पूर्ववत्।
8. ***तत्त्वार्थ उषा*** (गुजराती सूत्रार्थ) - भुवनभानु सूरि अर्हत् तत्त्वदान प्रेम ग्रन्थ, विसनगर, गुजरात, वि.सं. 2003, पृष्ठ-132।
9. ***तत्त्वार्थ टीका –*** आचार्य बिबुधसेन, सन्दर्भ - जैनेन्द्र सिद्धान्त कोश, द्वितीय भाग, सातवाँ संस्करण-सन् 2004, पृष्ठ-356 एवं 638-639।
10. ***तत्त्वार्थत्रिसूत्री प्रकाशिका*** (संस्कृत टीका) - लावण्य सूरि, प्रकाशक-जैन ग्रन्थ प्रकाशक सभा, अहमदाबाद, वि.सं.-2001, पृष्ठ-141।
11. ***तत्त्वार्थ दीपिका*** (हिन्दी)- बटेश्वरदयाल बकेरिया शास्त्री, उदयराज जैन ग्रन्थमाला कार्यालय, भिण्ड, सन्-1937, पृष्ठ-275।

12. ***तत्त्वार्थ परिशिष्ट मूल अने भाषान्तर*** (गुजराती) - संपादक-मुनि मानसागर, प्रकाशक-श्राविका वर्ग, सूरत, वि.सं. 1989, पृष्ठ-247।
13. ***तत्त्वार्थ प्रश्नोत्तर माला*** ('तत्त्वार्थसूत्र' के दश अध्याय सम्बन्धी 770 प्रश्न एवं पाँच भाव, ऋद्धि, मार्गणा तथा अढाई द्वीप विषयक 308 प्रश्नों के उत्तर) – ब्र. राजेश जैन 'चैतन्य', प्रकाशक-वीर विद्या संघ, गुजरात, शिरीषभाई कांतिलाल बखारिया, बखारिया कॉलोनी, उस्मानपुरा, अहमदाबाद-380 013, गुजरात, चतुर्थावृत्ति, पृष्ठ-6+134।
14. ***तत्त्वार्थ बोध*** (तत्त्वार्थ विषयक पद्य छन्दबद्ध/हिन्दी) - पं. बुधजन (ईसवी सन् 1814) सन्दर्भ - (1) जैनेन्द्र सिद्धान्त कोश, प्रथम भाग, आठवाँ संस्करण-सन् 2003, क्रमांक-604, पृष्ठ-334 एवं क्रमांक-644; पृष्ठ-348, (2) जैनेन्द्र सिद्धान्त कोश, द्वितीय भाग, सातवाँ संस्करण-सन् 2004, पृष्ठ-356, शेष विवरण पूर्ववत्।
15. ***तत्त्वार्थमणिप्रदीप*** – टीकाकार - डॉ. हुकमचन्द भारिल्ल, प्रकाशक-पं. टोडरमल सर्वोदय ट्रस्ट, ए-4, बापू नगर, जयपुर-302 015, राजस्थान, प्रथम संस्करण - सन् 2014, पृष्ठ-8+416।
16. ***तत्त्वार्थ मंजूषा*** (तत्त्वार्थसूत्रम् अपरनाम मोक्षशास्त्रम् पर भाषा प्रश्नोत्तर टीका - प्रथम खण्ड), संकलनकर्ती - आर्यिका विज्ञानमती, सम्पादन - डॉ. चेतनप्रकाश पाटनी, प्रकाशक - श्री दिगम्बर जैन समाज, आरौन, गुना, मध्यप्रदेश, प्रथम संस्करण-सन् 2005; द्वितीय संस्करण-सन् 2010, पृष्ठ-24+656।
17. ***तत्त्वार्थ मंजूषा*** (द्वितीय खण्ड) - संकलनकर्ती - आर्यिका विज्ञानमती, सम्पादन - डॉ. चेतनप्रकाश पाटनी, प्रकाशक - श्री दिगम्बर जैन समाज, पाण्डिचेरी, प्रथम संस्करण-सन् 2007, पृष्ठ-22+892।
18. ***तत्त्वार्थ रत्नप्रभाकर*** – आचार्य प्रभाचन्द्र (नं. 8) - (ईसवी 1432), सन्दर्भ - (1) जैनेन्द्र सिद्धान्त कोश, प्रथम भाग, आठवाँ संस्करण-सन् 2003, क्रमांक-471, पृष्ठ-346; (2) जैनेन्द्र सिद्धान्त कोश, द्वितीय भाग, सातवाँ संस्करण-सन् 2004, पृष्ठ-356 एवं पृष्ठ 638-639, शेष विवरण पूर्ववत्।

19. ***तत्त्वार्थ राजवार्तिक (तत्त्वार्थराजकौस्तुभ)*** (भाग-1, दो अध्याय) - पं. पन्नालाल दूनीवाले, संपादक-सतीशचन्द्र व कस्तूरचन्द्र जैन, प्रकाशक-दुलीचन्द पन्नालाल परवार, देवरी, जिनवाणी प्रचारक कार्यालय, कलकत्ता, सन् 1924, पृष्ठ-416 ।
20. ***तत्त्वार्थवार्तिकम्*** (राजवार्तिक) (भाग-1, हिन्दी सार सहित) - आचार्य अकलंकदेव (7वीं सदी), सम्पादक-प्रो. (डॉ.) महेन्द्रकुमार जैन न्यायाचार्य, प्रकाशक - (1) भारतीय ज्ञानपीठ, काशी सन् 1953; (2) भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली-110 003, आठवाँ संस्करण-सन् 2008, पृष्ठ-20+430 ।
21. ***तत्त्वार्थवार्तिकम्*** (राजवार्तिक) (भाग-2, हिन्दी सार सहित) - आचार्य अकलंकदेव, सम्पादक-प्रो. (डॉ.) महेन्द्रकुमार जैन न्यायाचार्य, प्रकाशक-भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली-110 003, आठवाँ संस्करण-सन् 2009, पृष्ठ-18+466 ।
22. ***तत्त्वार्थवार्तिकम्*** (राजवार्तिक) (भाग 1 एवं 2) - आचार्य भट्टाकलंकदेव, अनुवादिका - गणिनी आर्यिका सुपार्श्वमती, सम्पादक-डॉ. चेतनप्रकाश पाटनी, प्रकाशक-दुलीचन्द प्रदीपकुमार बाकलीवाल, यूनीवर्सल एजेन्सीज, देरगाँव-785 614, आसाम, प्रथम संस्करण-सन् 1989, द्वितीय संस्करण-सन् 2007 पृष्ठ- (भाग-1) 48+742, (भाग 2) 32+734; प्राप्ति स्थल-चूड़ीवाल कृषि फार्म हाऊस, बड़का बालाजी, अजमेर रोड, ओमेक्स सिटी के सामने, जयपुर, राजस्थान।
23. ***तत्त्वार्थवृत्ति –*** अभयनन्दी देव (सन् 943-993, 10-11वीं शताब्दी), संदर्भ- (1) जैनेन्द्र सिद्धान्त कोश, प्रथम भाग, आठवाँ संस्करण-सन् 2003, क्रमांक-208, पृष्ठ-330 एवं क्रमांक 180; पृष्ठ-342; (2) जैनेन्द्र सिद्धान्त कोश, द्वितीय भाग, सातवाँ संस्करण-सन् 2004, पृष्ठ-356 एवं पृष्ठ 638-369, शेष विवरण पूर्ववत् ।
24. ***तत्त्वार्थवृत्ति*** (सुखबोध टीका) - आचार्य भास्करनन्दी (ईसवी 13वीं शताब्दी), संदर्भ - (1) जैनेन्द्र सिद्धान्त कोश, प्रथम भाग, आठवाँ संस्करण-2003, क्रमांक-408, पृष्ठ-332, क्रमांक-407/409,

पृष्ठ-345, (2) जैनेन्द्र सिद्धान्त कोश, द्वितीय भाग, सातवाँ संस्करण-सन् 2004, पृष्ठ-356 एवं पृष्ठ-638-639, शेष विवरण पूर्ववत्।

25. ***तत्त्वार्थवृत्ति*** – आचार्य भास्करनन्दी, संपादक - पं. शान्तिराज शास्त्री, प्रकाशक - ओरियंटल लाइब्रेरी, मैसूर, कर्नाटक, प्रथम संस्करण-सन् 1944, पृष्ठ-48+256।

26. ***तत्त्वार्थवृत्ति*** – आचार्य भास्करनन्दी, अनुवादिका - आर्यिका जिनमती, प्रकाशक - हंसकुमार जैन, मुजफ्फरनगर, उ.प्र., प्रथम संस्करण, पृष्ठ-32+578+4।

27. ***तत्त्वार्थवृत्ति*** (सुखबोधवृत्ति) - भट्टारक पं. योगदेव (ईसवी 1570), संदर्भ - (1) जैनेन्द्र सिद्धान्त कोश, प्रथम भाग, आठवाँ संस्करण-सन् 2003, क्रमांक-506, पृष्ठ-333 एवं क्र.-558, पृष्ठ-347; (2) जैनेन्द्र सिद्धान्त कोश, द्वितीय भाग, सातवाँ संस्करण-सन् 2004, पृष्ठ-356 एवं पृष्ठ-638-639, शेष विवरण पूर्ववत्।

28. ***तत्त्वार्थवृत्ति*** – श्रुतसागर सूरि, संपादक - प्रो. (डॉ.) महेन्द्रकुमार जैन न्यायाचार्य, प्रकाशक - भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली-110 003, प्रथमावृत्ति-1949, द्वितीयावृत्ति-सन् 1999, तृतीयावृत्ति - सन् 2002, पृष्ठ-106+548।

29. ***तत्त्वार्थवृत्ति*** – श्रुतसागर सूरि, संपादक - प्रो. (डॉ.) महेन्द्रकुमार जैन न्यायाचार्य, अनुवादिका - आर्यिका सुपार्श्वमती, प्रकाशक - गुलाबचन्द्र पाटनी, 15-बी, कलाकार स्ट्रीट, द्वितीय तल्ला, कलकत्ता, प्रथम संस्करण-वि. सं. 2049, पृष्ठ-36+708।

30. ***तत्त्वार्थवृत्तिपदम्*** (संस्कृत) – आचार्य प्रभाचन्द्र (वि.सं.11 शताब्दी), सन्दर्भ- (1) आचार्य प्रभाचन्द्र (क्र.5), (सन् 950 से 1020), जैनेन्द्र सिद्धान्त कोश, प्रथम भाग, आठवाँ संस्करण-2003, क्रमांक-241, पृष्ठ-330 एवं क्रमांक-199, पृष्ठ-342; (2) जैनेन्द्र सिद्धान्त कोश, द्वितीय भाग, सातवाँ संस्करण-सन् 2004, पृष्ठ-356 एवं पृष्ठ-638-639, शेष विवरण पूर्ववत्; (3) सर्वार्थसिद्धि, सम्पादक-पं. फूलचन्द्र सिद्धान्तशास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, सत्रहवाँ संस्करण-सन् 2013, परिशिष्ट 2 के रूप में प्रकाशित, पृष्ठ क्र. 389 से 430 तक।

31. ***तत्त्वार्थश्लोकवार्तिकम्*** **–** आचार्य विद्यानन्द (8वीं सदी), सम्पादक - पं. मनोहरलाल शास्त्री, प्रकाशक - नाथारंग जैन ग्रन्थमाला निर्णयसागर प्रेस, मुम्बई, प्रथमावृत्ति-सन् 1918, पृष्ठ-8+512; (2) सरस्वती पुस्तक भण्डार, 112-हाथीखाना, रतनपोल, अहमदाबाद-1, गुजरात, सन् 2002, पृष्ठ-600।

32. ***तत्त्वार्थश्लोकवार्तिकालंकार*** (तत्त्वार्थ चिन्तामणि हिन्दी टीका/सात भाग)-आचार्य विद्यानन्द, अनुवादक-पं. माणिकचन्द कौन्देय, सम्पादक-पं. वर्द्धमान पार्श्वनाथ शास्त्री, प्रकाशक-आचार्य कुंथुसागर ग्रन्थमाला, सोलापुर, महाराष्ट्र, प्रथम संस्करण-सन् 1949 से 1984 तक, प्रकाशन वर्ष - भाग-I, सन् 1949, पृष्ठ-6+632, II - सन् 1951, पृष्ठ-8+660; III - सन् 1953, पृष्ठ-8+686, IV - सन् 1956, पृष्ठ-6+584; V - सन् 1964, पृष्ठ-4+688; VI - सन् 1969, पृष्ठ-16+670; VII - सन् 1984, पृष्ठ-20+471; द्वितीय संस्करण-सन् 2004 एवं 2005।

33. ***तत्त्वार्थश्लोकवार्तिकालंकार*** (कुल 6 खण्ड) - आचार्य विद्यानन्द स्वामी, अनुवादिका - गणिनी आर्यिका सुपार्श्वमती, सम्पादक - डॉ. चेतन प्रकाश पाटनी, प्रथमावृत्ति - खण्ड-I, प्रकाशक-गुलाचन्द चन्दादेवी पाटनी, 15-बी, कलाकार स्ट्रीट, द्वितीय तल्ला, कलकत्ता-700 007, प. बंगाल, प्रथम संस्करण-वि. सं. 2057, पृष्ठ-28+416; द्वितीय संस्करण - सन् 2007, प्रकाशन सहयोग - डूँगरमल सुरेशकुमार पाण्ड्या, जयपुर; खण्ड -II, प्रकाशन सहयोग - गुलाबचन्द सुरेशकुमार पाटनी, गुवाहाटी, आसाम, वि.सं. 2066, पृष्ठ-8+392; खण्ड-III, प्रकाशन सहयोग - श्रीमती सरोज पन्नालाल पाटनी, कोलकाता, पं. बंगाल, वि. सं. 2066, पृष्ठ-432; खण्ड-IV, प्रकाशन सहयोग - श्रीमती सरोज पन्नालाल पाटनी, कोलकाता, पं. बंगाल, वि. सं. 2067, पृष्ठ-344; खण्ड-V, सन् 2011, पृष्ठ-352; खण्ड-VI, सन् 2012, पृष्ठ-14+525+12, प्राप्तिस्थान - चूड़ीवाल कृषि फार्म हाउस, ओमेक्स सिटी के सामने, बड़का बालाजी, अजमेर रोड, जयपुर, राजस्थान।

34. ***तत्त्वार्थसार***- आचार्य अमृतचन्द्र (मराठी अनुवाद) - पं. नरेन्द्रकुमार भिसीकर शास्त्री, प्रकाशक-जीवराज जैन ग्रन्थमाला, जैन संस्कृति संरक्षक संघ, 410 - दक्षिण कस्बा, सोलापुर - 413 007, महाराष्ट्र, प्रथम संस्करण-सन् 1987, पृष्ठ-356।
35. **तत्त्वार्थसार –** आचार्य अमृतचन्द्र, सम्पादक - पं. पन्नालाल जैन साहित्याचार्य, प्रकाशक - श्री गणेशप्रसाद वर्णी ग्रन्थमाला, वाराणसी, उत्तरप्रदेश, प्रथम संस्करण - सन् 1970, पृष्ठ-52+238।
36. **तत्त्वार्थसार –** आचार्य अमृतचन्द्र, हिन्दी टिका एवं सम्पादन - मुनि अमितसागर, प्रकाशक - भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, द्वितीय संस्करण-सन् 2010, पृष्ठ-56+350।
37. ***तत्त्वार्थसार*** **–** आचार्य अमृतचन्द्र, सम्पादक - मुनि निर्णयसागर, अनुवादक - पं. पन्नालाल जैन साहित्याचार्य, प्रकाशक-अनिलकुमार जैन, आगरा, उत्तरप्रदेश, प्रथम संस्करण-सन् 2002, पृष्ठ-212।
38. ***तत्त्वार्थ सुखबोधिनी*** **–** आचार्य श्रुतसागर (द्वितीय), सन्दर्भ - जैनेन्द्र सिद्धान्त कोश, द्वितीय भाग, सातवाँ संस्करण-सन् 2004, पृष्ठ-357, शेष विवरण पूर्ववत्।
39. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (आचार्य उमास्वामी कृत/हिन्दी) - अमोलकचन्द्र, सन्मति ज्ञानपीठ, आगरा, उ.प्र., सन् 2001, पृष्ठ-99।
40. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (कन्नड टीका) **–** आचार्य बालचन्द्र (ईसवी 13वीं शताब्दी), संदर्भ - जैनेन्द्र सिद्धान्त कोश, द्वितीय भाग, सातवाँ संस्करण-सन् 2004, पृष्ठ-336 एवं पृष्ठ-638-639, शेष विवरण पूर्ववत्।
41. तत्त्वार्थसूत्र (संस्कृत, भाग 1)- ईश्वरचन्द शास्त्री शर्मा, भारती जैन परिषद्, कलकत्ता, वि.सं.-2001, पृष्ठ-159।
42. ***तत्त्वार्थसूत्र,*** व्याख्याकार-उपाध्याय श्रुतसागर मुनि, सम्पादक-डॉ. सुदीप जैन, प्रकाशक-श्री श्रुत विद्या प्रकाशन, द्वारा - पी.के. जैन, सी-1/230, वसन्त कुंज, नई दिल्ली, छठवाँ संस्करण-सन् 2011-12, पृष्ठ-20+346।
43. **तत्त्वार्थसूत्र** (गुजराती सूत्रार्थ) - कपिलभाई तलकचन्द कोटडिया, गुजरात शान्ति वीर दिगम्बर जैन सि.सं. सभा, अहमदाबाद-गुजरात, वी.नि.सं.-2493, पृष्ठ-24।

44. ***तत्त्वार्थसूत्र*** – सम्पादन एवं विवेचन - क्षुल्लक धर्मानन्द, प्रकाशक - सुरेश सी. जैन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण-सन् 1986, पृष्ठ-7+19 +119।

45. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (हिन्दी अर्थ/महामुनि क्षीरसागर प्रणीत तत्त्वार्थसूत्र का संशोधित रूप/'सत्य की खोज-तत्त्वचर्चा' के अन्तर्गत) संकलन एवं संपादक - क्षुल्लक वीरसागर, पृष्ठ-54।

46. ***तत्त्वार्थसूत्र*** – संपादक-क्षुल्लक सहजानन्द वर्णी, प्रकाशक-सहजानन्द शास्त्रमाला, 185-ए, रणजीतपुरी, सदर, मेरठ, उ.प्र., आवृत्ति-सन् 1991, पृष्ठ-100।

47. ***तत्त्वार्थसूत्र*** – (आचार्य प्रभाचन्द्र कृत/संस्कृत) हिन्दी अनुवाद एवं संपादन - डॉ. जयकुमार जलज, प्रकाशक-हिन्दी ग्रन्थ कार्यालय, 9-हीराबाग, सी.पी. टैंक, मुम्बई-400 004, महाराष्ट्र, प्रथम संस्करण-सन् 2012, पृष्ठ-64।

48. ***तत्त्वार्थसूत्र*** – (आचार्य प्रभाचन्द्र कृत/संस्कृत) हिन्दी अनुवाद - डॉ. जयकुमार जलज, अंग्रेजी अनुवाद - अनीश शाह, प्रकाशक-हिन्दी ग्रन्थ कार्यालय, 9-हीरा बाग, सी.पी. टैंक, मुम्बई-400 004, महाराष्ट्र, सन् 2012, पृष्ठ-64।

49. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (हिन्दी टीका) - डॉ. पन्नालाल जैन साहित्याचार्य, प्रकाशक-दिगम्बर जैन पुस्तकालय, सूरत, वी.नि.सं. 2476, पृष्ठ-322।

50. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (आचार्य प्रभाचन्द्र/संस्कृत) - अनुवादक एवं सम्पादक - डॉ. योगेशकुमार जैन, लाडनूँ, नागौर, राजस्थान (अप्रकाशित)।

51. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (आचार्य उमास्वामी प्रणीत पर प्रश्नोत्तर रूप व्याख्या)-व्याख्याकार-डॉ. शेखरचन्द्र जैन, (1) तीर्थंकर वाणी त्रिभाषिक-मासिक) के अंकों में धारावाहिक रूप में स्व. श्री मनोहर स्मृति शीर्षक के अन्तर्गत 'बाल जगत : आओ बच्चो तुम्हें पढ़ायें' पाठ के रूप में प्रश्नोत्तर तरीके से एक-एक सूत्र की व्याख्या; (2) इसी पत्रिका के गुजराती भाषा खण्ड में 'बाल-जगत' (गुजराती) शीर्षक के अन्तर्गत श्रीमती इन्दुमति वी. शाह द्वारा उक्त प्रश्नोत्तरों का गुजराती अनुवाद प्रकाशित; (3) इसी पत्रिका के

अंग्रेजी खण्ड में 'Yong Learner's Corner' शीर्षकगत उक्त प्रश्नोत्तरों का हरेश भाई पटेल द्वारा अंग्रेजी रूप में अनुवादित करके क्रमशः प्रकाशित; प्रकाशक-25, शिरोमणि बंगलोज, बड़ोदरा एक्सप्रेस हाइवे के सामने, सीटीएम चार रास्ता के पास, हाइवे, अहमदाबाद-300 026, गुजरात के वर्ष 19, सन् 2012 तक के विविध अंकों में अविकल रूप से प्रकाशित।

52. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (हिन्दी अनुवाद एवं संक्षिप्त व्याख्या सहित) - संपादक-धवललाल वैद्य, प्रकाशक-श्री महावीर दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ, 400-जतीजी की हवेली, रास्ता मनिहारान, जयपुर-302 003, राजस्थान, संस्करण-सन् 1992, पृष्ठ-92।

53. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (पद्य रूपान्तर) - नन्दकिशोर जैन, लखनऊ, उ.प्र., पृष्ठ-185।

54. ***तत्त्वार्थसूत्र*** – पं. कैलाशचन्द्र सिद्धान्ताचार्य शास्त्री, प्रकाशक-(1) श्रीमती कनक जैन, श्री महावीर जैन पुस्तकालय, सरावगी मुहल्ला, अजमेर एवं दिगम्बर जैन समाज, अजमेर, राजस्थान, प्रथमावृत्ति-सन् 1991, पृष्ठ-28+256; (2) सम्पादन-ब्र. राजेश, टड़ा एवं सुदेश जैन (पूर्व प्राचार्य) खुरई, प्रकाशक - श्री दिगम्बर जैन युवक संघ, इन्दौर, मध्यप्रदेश, तृतीय संस्करण-सन् 2013, पृष्ठ-192।

55. ***तत्त्वार्थसूत्र*** – (आचार्य प्रभाचन्द्र कृत/संस्कृत), संपादक-पं. जुगलकिशोर मुख्तार, प्रकाशक-वीर सेवा मंदिर, सरसावा, उ.प्र., प्रथमावृत्ति-सन् 1994, पृष्ठ-52।

56. ***तत्त्वार्थसूत्र*** – पं. पन्नालाल बाकलीवाल, जैन ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई, चतुर्थ आवृत्ति-सन् 1916, पृष्ठ-100।

57. ***तत्त्वार्थसूत्र*** – हिन्दी टीकाकार - पं. फूलचन्द सिद्धान्ताचार्य, प्रकाशक-(1) वर्णी ग्रन्थमाला, वाराणसी, प्र. संस्करण-सन् 1949; (2) श्री गणेशवर्णी दिगम्बर जैन (शोध) संस्थान, नरिया, वाराणसी- 221 005, उ.प्र., द्वितीय संस्करण-सन् 1991, पृष्ठ-48+316; (3) दिगम्बर जैन पुस्तकालय, सूरत, गुजरात, वी.नि.सं.-2527, पृष्ठ-288।

58. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (सरलार्थ) - हिन्दी टीकाकार, पं. भागचन्द जैन 'इन्दु', गुलगंज, छतरपुर, संपादक-ब्र. सुरेन्द्र 'सरस', प्रकाशक-डॉ. देवकुमार जैन सिंघई, लार्डगंज जैन मन्दिर के पास, जबलपुर, म.प्र., प्रथम संस्करण-सन् 2000, पृष्ठ-22+280।

59. तत्त्वार्थसूत्र (हिन्दी), संपादक-पंन्यास बसंतविजय, प्रकाशक-श्रुतज्ञान प्रचारक संघ, पूना, महाराष्ट्र वी.नि.सं.-2515, पृष्ठ-336।

60. ***तत्त्वार्थसूत्र*** – सम्पादन - पं. लालबहादुर शास्त्री, प्रकाशक-भारतवर्षीय दिगम्बर जैन संघ, मथुरा, उ.प्र., वी.नि. सं. 2474, पृष्ठ-252।

61. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (विवेचन सहित) – पं. सुखलाल संघवी, संपादक-पं. कृष्णचन्द्र शास्त्री, प्रकाशक- (1) आत्मानन्द जन्म स्मारक शताब्दी समिति, बम्बई, वि.सं. 1996, पृष्ठ-664; (2) भारत जैन महामण्डल, वर्धा; जैन संस्कृति संशोधन मण्डल, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, सन् 1952; (3) पार्श्वनाथ विद्यापीठ, आई.टी.आई. रोड, करौंदी, वाराणसी-221 005, उ.प्र., सप्तम संस्करण-सन् 2009, पृष्ठ-166+278। **नोट** : श्वेताम्बर परम्परा में तत्त्वार्थभाष्य पर दिन्न गणी के शिष्य सिंहसूरि गणी के क्षमाश्रमण के प्रशिष्य तथा वृद्धवादी/भास्वामी के शिष्य सिद्धसेन द्वारा 'गन्धहस्ती', (प्रस्तावना पृ.35), आचार्य मलयगिरि वि.सं. 12-13वीं शताब्दी की व्याख्या (अनुपलब्ध), चिरन्तन मुनि कृत साधारण टिप्पण (वि.सं. 14वीं शताब्दी, वाचक यशोविजय (वि.सं. 17-18वीं शताब्दी) कृत अपूर्ण रूप वृत्ति (प्रथम अध्याय संबंधी), गणी यशोविजय (वि.सं. 17-18वीं शताब्दी) कृत गुजराती टबा टिप्पण का भी उल्लेख इस ग्रन्थ की प्रस्तावनागत पृष्ठ 38-40 में प्राप्त होता है। साथ ही 'अनेकान्त' (वर्ष 3, किरण-1, सन् 1939) में पं. जुगलकिशोर मुख्तार के द्वारा तत्त्वार्थाधिगमसूत्र पर श्वेताम्बर रत्नसिंह द्वारा लिखित सटिप्पण प्रति का भी उल्लेख प्राप्त होता है (देखें, प्रस्तावना, पृष्ठ-71)।

62. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (गुजराती) – पं. सुखलाल संघवी, प्रकाशक-श्री जैन साहित्य प्रकाशन समिति, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद, गुजरात, चतुर्थावृत्ति-

सन् 1977, पृष्ठ-666, प्रथमावृत्ति - सन् 1930, प्राप्ति स्थान-नवजीवन कार्यालय, अहमदाबाद-380 014, गुजरात।

63. ***तत्त्वार्थसूत्र*** – (पॉकेट साइज), संपादक-बा.ब्र. राजेश जैन, प्रकाशक-वीर विद्या संघ, गुजरात, प्राप्तिस्थान-शिरीषभाई कांतिलाल बखारिया, बखारिया कॉलोनी, उस्मानपुरा, अहमदाबाद-380 013, गुजरात, प्रथमावृत्ति-सन् 1993, पृष्ठ-7+129।
64. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (मराठी टीका) - टीकाकार - ब्र. जीवराज गौतमचन्द, प्रकाशक - जीवराज ग्रन्थमाला, जैन संस्कृति संरक्षक संघ, फलटण गली, सोलापुर, महाराष्ट्र, द्वितीय संस्करण-सन् 1990, पृष्ठ-52।
65. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (हिन्दी टीका) - सम्पादक-ब्रह्मचारी प्रद्युम्न जैन, प्रकाशक-गजेन्द्र पब्लिकेशन, 2578-पीपलवाली गली, धर्मपुरा, दिल्ली-110 006, प्रथम संस्करण-सन् 1997, पृष्ठ-8+194; अष्टम आवृत्ति-सन् 2013, पृष्ठ-400।
66. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (बांग्ला भाषा, भाग-1), प्रकाशक-भारती जैन परिषद्, कलकत्ता, वि.सं. 1980, पृष्ठ-159।
67. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (आचार्य प्रभाचन्द्र/संस्कृत/भाग 1) भारती जैन परिषद्, कलकत्ता, वि.सं. 2001, पृष्ठ-159।
68. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (हिन्दी अनुवाद) - भीमराज भगवानचन्द्र धारीवाल, संशोधक-संपादक-मुनि जिनेन्द्रविजय, प्रकाशक-भीमराज भगवानचन्द धारीवाल, सिवानागढ़, वि.सं. 2037, पृष्ठ-144।
69. ***तत्त्वार्थसूत्र*** – मुनि सुनीलसागर, सम्पादक-डॉ. महेन्द्रकुमार 'मनुज', जैन संस्कृति शोध संस्थान, 22/2 रामगंज, जिंसी, इन्दौर, म.प्र., प्रथम संस्करण-सन् 2005, पृष्ठ-317।
70. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (हिन्दी अर्थ) - मेघराज मुणोत, प्रकाशक-रत्नप्रभाकर ज्ञान पुष्पमाला, फलोदी, वि.सं. 1989, पृष्ठ-388।
71. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (गुजराती)- संपादक-मौलिना शिरीषभाई बखारिया, प्रकाशक-वीर विद्या संघ गुजरात, सुशील डाह्याभाई बखारिया, अहमदाबाद, सन् 1991, पृष्ठ-205।

72. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (रेखाचित्र एवं तालिकाओं में)- संपादक-श्रीमती पूजा छाबड़ा एवं प्रकाश छाबड़ा, प्रकाशक-(1) श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर, छाबड़ाजी की नसिया, गांधीनगर, इन्दौर, म.प्र., द्वितीय संस्करण-सन् 2010, पृष्ठ-18+228; (2) श्री कपूरीदेवी आनन्दीलाल जैन पारमार्थिक ट्रस्ट, 28-धेनु मार्केट, इन्दौर, मध्यप्रदेश; (3) जैन संस्कृति संरक्षक संघ, टी.पी. 4, प्लॉट नं.-56/10, बुधवार पेठ, जूना पुणे नाका, सोलापुर-413 002, महाराष्ट्र, चतुर्थ संस्करण-सन् 2011, पृष्ठ-230।
73. तत्त्वार्थसूत्र (भाषा टीका) सदासुखदास, संपादक-नाना रामचन्द्र नाग, फलटण, प्रकाशक-निर्णयसागर प्रेस, मुम्बई, वि.सं.-1953, पृष्ठ-66।
74. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (गुजराती/भाग 1-2), संतबाल (स्थानकवासी), प्रकाशक-महावीर साहित्य प्रकाशन मन्दिर, अहमदाबाद, वि.सं. 2037, पृष्ठ-207।
75. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (गुजराती पद्यानुवाद/भाग 1-2), सन्तबाल (स्थानकवासी), प्रकाशक-महावीर साहित्य प्रकाशन मन्दिर, अहमदाबाद, वि.सं. 2037, पृष्ठ-212।
76. ***तत्त्वार्थसूत्र और तत्त्वार्थसूत्रम्; तत्त्वार्थसूत्र दोहावली और वस्तुस्थिति,*** **Tattvārthasūtra** (महामुनि क्षीरसागर प्रणीत)-महामुनि क्षीरसागर, प्रकाशक-श्री महामुनि क्षीरसागर दिगम्बर जैन ग्रन्थमाला, माधोगंज, लश्कर, ग्वालियर।
77. ***तत्त्वार्थसूत्र और लघु तत्त्वार्थसूत्र –*** (महामुनि क्षीरसागर द्वारा रचित प्रथमतः 'तत्त्वार्थसूत्र' के दश अध्यायों के कुल 386 हिन्दी सूत्र एवं द्वितीय 'लघु तत्त्वार्थसूत्र' के दशों अध्याय के कुल 125 हिन्दी सूत्र)-महामुनि क्षीरसागर, प्रकाशक-(1) सर्राफ भैयालाल छबीलचन्द्र जैन, बीना, सागर, प्रथमावृत्ति - वी.नि.सं. 2478, पृष्ठ-48; (2) लाला जियालाल प्रकाशचन्द जैन हलवाई, खतौली, मुजफ्फरनगर, चतुर्थ आवृत्ति-वी.नि.सं. 2487, पृष्ठ-28।
78. ***तत्त्वार्थसूत्र, लघु तत्त्वार्थसूत्र और ऋषभस्तोत्र*** (महामुनि क्षीरसागर प्रणीत)-महामुनि क्षीरसागर, प्रकाशक-श्री महामुनि क्षीरसागर दिगम्बर जैन ग्रन्थमाला, माधोगंज, लश्कर, ग्वालियर, चतुर्थावृत्ति, वीर नि. सं. 2496, पृष्ठ-32।

79. ***तत्त्वार्थसूत्र की संक्षिप्त टीका*** (अन्वयार्थ एवं तात्पयार्थ सहित टीका) – टीकाकार - क्षुल्लक मनोहर वर्णी सहजानन्द, प्रकाशक-सहजानन्द शास्त्रमाला, मेरठ, उ.प्र.; (1) प्रथमावृत्ति-सन् 1974, पृष्ठ-2+112, (2) सन् 1991, पृष्ठ-100।

80. ***तत्त्वार्थसूत्र – टीकागत प्रश्नोत्तर संग्रह*** – सिद्धान्ताचार्य पं. कैलाशचन्द्र शास्त्री, सम्पादक-नीरज जैन, सतना, प्रकाशक-निज ज्ञानसागर शिक्षा कोश, श्री महावीर दिगम्बर जैन उदासीन आश्रम, कुण्डलपुर-470 773, दमोह, म.प्र., प्र. सं.-सन् 2009, पृष्ठ-40+176।

81. ***तत्त्वार्थसूत्र दोहावली*** (हिन्दी) – ब्र. मुक्त्यानन्द सिंह, प्रेरणा प्रिन्टर्स, मोतीनगर, सागर, म.प्र., प्रथम संस्करण, पृष्ठ-18-39।

82. ***तत्त्वार्थसूत्र पद्यांजलि*** – पद्यानुवादक-सिंघई पं. धन्नालाल जैन शास्त्री, प्रकाशक-कानपुर जैन मिलन, 118/179-कौशलपुरी, कानपुर, उ.प्र., प्रथम संस्करण-सन् 1993, पृष्ठ-140।

83. ***तत्त्वार्थसूत्र पद्यानुवाद*** (मराठी) - मनोहर मारवडकर, 17-बी, महावीर नगर, नागपुर, महाराष्ट्र।

84. ***तत्त्वार्थसूत्र प्रदीपिका*** – डॉ. वीरसागर जैन, प्रकाशक-अहिंसा प्रसारक ट्रस्ट, यूनिक हाउस, 25-एस.ए. ब्रेल्वी मार्ग, फोर्ट, मुम्बई-400 001, महाराष्ट्र।

85. ***तत्त्वार्थसूत्र प्रदीपिका*** (मराठी) - डॉ. वीरसागर जैन, प्रकाशक-अहिंसा प्रसारक ट्रस्ट, यूनिक हाउस, 25-एस.ए. ब्रेल्वी मार्ग, फोर्ट, मुम्बई- 400 001, महाराष्ट्र।

86. ***तत्त्वार्थसूत्र प्रश्नोत्तर दीपिका*** (गुजराती)-सम्पादक एवं प्रकाशक-शंकरलाल डाह्याभाई कापड़िया, मुम्बई, सन् 1952, पृष्ठ-277।

87. ***तत्त्वार्थसूत्र प्रश्नोत्तर माला*** – बा. ब्र. राजेश जैन 'चैतन्य', अकलंक विद्यापीठ, अहमदाबाद, गुजरात।

88. ***तत्त्वार्थसूत्र प्रश्नोत्तरी टीका*** – टीकाकार-ऐलाचार्य श्रुतसागर, प्रकाशक-कुन्दकुन्द भारती, 18-बी, स्पेशल इंस्टीट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली-110 067, प्रथमावृत्ति।

89. ***तत्त्वार्थसूत्र प्रश्नोत्तरी टीका*** (आचार्य प्रभाचन्द्र कृत) - सम्पादक - मुनि विनिश्चयसागर, प्रकाशक-श्री विराग विनिश्चय ग्रन्थ प्रकाशन समिति, टीकमगढ़, म.प्र., द्वितीयावृत्ति-सन् 2009, पृष्ठ-196।

90. ***तत्त्वार्थसूत्र भाषा –*** अनुवादक-ब्र. भगवानसागर, प्रकाशक - (1) स्वयं, सन् 1933; (2) श्रीमती किरण जैन, हेमचन्द्र जैन, इलाहाबाद, उ.प्र., पृष्ठ-28।

91. ***तत्त्वार्थसूत्र में 'च' पद का प्रयोग –*** आनन्दकुमार जैन, प्रकाशक-भगवान् ऋषभदेव ग्रन्थमाला, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी, सांगानेर-302 029, जयपुर, राजस्थान, सन् 2009, पृष्ठ-48।

92. ***तत्त्वार्थसूत्र में प्रयुक्त 'च' शब्द का विश्लेषणात्मक विवेचन –*** पं. महेशकुमार जैन, उत्तम निकेतन, व्याख्याता - श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर, जयपुर, राजस्थान, निवास - पुरानी आबकारी, हनुमान चौक, सतना, मध्यप्रदेश, मो. 094258, प्रकाशक - भगवान् ऋषभदेव ग्रन्थमाला, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी, सांगानेर-302 029, जयपुर, राजस्थान, सन् 2012, पृष्ठ-64 एवं 'जिनभाषित' (मासिक), भोपाल में सन् 2009 से 2011 तक के अनेक अंकों में भी क्रमशः प्रकाशित।

93. ***तत्त्वार्थसूत्र मोक्षमण्डल विधान*** (तत्त्वार्थसूत्र पर आधारित गीतिकाव्य) रचनाकार-सिंघई धन्नालाल जैन शास्त्री, केमिकल इंजीनियर-उप उद्योग निदेशक (से.नि.-उत्तरप्रदेश), प्रकाशक-प्रज्ञश्री संघ, कानपुर उ.प्र., प्र.सं.- सन् 2000, पृष्ठ-144।

94. ***तत्त्वार्थसूत्र (मोक्षशास्त्र) –*** सम्पादक - ब्र. प्रदीप जैन 'पीयूष', प्रकाशक - (1) साहित्याचार्य डॉ. पन्नालाल जैन ग्रन्थमाला, श्री वर्णी दिगम्बर जैन गुरुकुल, पिसनहारी की मढ़िया, जबलपुर म.प्र., तृतीय सं., पृष्ठ-6+194; (2) श्री दिगम्बर साहित्य प्रकाशन समिति, बरेला, जबलपुर, म.प्र., दशम संस्करण-सन् 2010, पृष्ठ-198।

95. ***तत्त्वार्थसूत्र (मोक्षशास्त्र) –*** टीकाकार एवं प्रकाशक - ब्र. मूलशंकर देसाई, जैनदर्शन विद्यालय, चाकसू का चौक, जयपुर, राजस्थान, प्रथमावृत्ति-सन् 1956, पृष्ठ-239।

96. ***तत्त्वार्थसूत्र/मोक्षशास्त्र (वचनिका)*** ('तत्त्वार्थसार' नामक भाषा टीका/दो खण्ड) – चेतनदास, हिन्दी अनुवाद एवं सम्पादन-कल्पना जैन, सागर, प्रकाशक-मनोहरलाल जैन, दीप प्रिन्टर्स, 70-ए, रामा रोड इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण-सन् 2009, प्रथम खण्ड, पृष्ठ-40+290, द्वितीय खण्ड-पृष्ठ-40+262; द्वितीय संस्करण-सन् 2010, प्रथम खण्ड-पृष्ठ-40+494, द्वितीय खण्ड-पृष्ठ-40+362।

97. ***तत्त्वार्थसूत्र – मोक्षशास्त्र –*** बृहत्प्रभाचन्द्र, प्रकाशक-समीचीन धर्मप्रबोध संरक्षण संस्थान, कोटा, राजस्थान।

98. ***तत्त्वार्थसूत्र मोक्षशास्त्र*** -आचार्य मेरुभूषण महाराज, सम्पादक-डॉ. अजितकुमार जैन आगरा, प्रकाशक - श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर, ज्योति नगर, खेरिया रोड, आगरा-282 001, उत्तरप्रदेश, पृष्ठ-120।

99. ***तत्त्वार्थसूत्र – मोक्षशास्त्र : आध्यात्मिक सुख और शांति का मार्गप्रदर्शक*** - संकलनकर्त्ता-चक्रेशकुमार जैन, 4382-आर्यपुरा, सब्जी मण्डी, दिल्ली-110 007, पृष्ठ-10+212।

100. ***तत्त्वार्थसूत्र विधान –*** आर्यिका विज्ञानमती, प्रकाशक - अमर ग्रन्थालय, श्री दिगम्बर जैन उदासीन आश्रम, 584-महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर, मध्यप्रदेश, सन् 2007।

101. ***तत्त्वार्थसूत्र विधान*** (हिन्दी) - रचयिता - पं. राजमल पवैया, प्रकाशक-तारादेवी पवैया ग्रन्थमाला, 44-इब्राहीमपुरा, भोपाल, म.प्र., प्रथम संस्करण-सन् 1994, पृष्ठ-6+256।

102. ***तत्त्वार्थसूत्र विवेचन –*** उपाध्याय केवल मुनि, प्रकाशक-(1) श्री जैन दिवाकर पीठ, महावीर भवन, 156-इमली बाजार, इन्दौर, म.प्र., प्रथम संस्करण-सन् 1987; (2) जैन दिवाकर दिव्य ज्योति कार्यालय, ब्यावर, अजमेर, राजस्थान, पृष्ठ-27+474+100।

103. ***तत्त्वार्थसूत्र विशेषार्थ सहित –*** पं. कैलाशचन्द्र शास्त्री, प्रकाशक-दिगम्बर जैन संघ, चौरासी, मथुरा, उ.प्र., तृतीय संस्करण-सन् 1999, पृष्ठ-160।

104. ***तत्त्वार्थसूत्र सार्थ*** (पॉकेट साइज) – (1) सम्पादक - ब्र. प्रदीप जैन 'पीयूष', प्रकाशक - श्री दिगम्बर साहित्य प्रकाशन समिति, बरेला, जबलपुर, मध्यप्रदेश, पृष्ठ-96; (2) संपादक-प्रकाशक-धर्मोदय साहित्य प्रकाशन,बाहुबली कॉलोनी, सागर, म.प्र., सन् 2001।

105. ***तत्त्वार्थसूत्र सार्थ*** - कामताप्रसाद जैन, अखिल विश्व जैन मिशन, अलीगंज, एटा, उत्तरप्रदेश, सन् 1957।

106. ***तत्त्वार्थसूत्र सार्थ*** - ब्र. राजेश जैन 'चैतन्य', अकलंक विद्यापीठ, अहमदाबाद, गुजरात।

107. ***तत्त्वार्थसूत्र सौरभ*** - मुनि सौरभसागर, श्री पुष्प वर्षायोग समिति, लखनऊ, उत्तरप्रदेश।

108. ***तत्त्वार्थाधिगमभाष्य*** - (स्वोपज्ञ भाष्य/उमास्वाति), जैन पुस्तकोद्धारक फण्ड, बम्बई, महाराष्ट्र, सन् 1982 व 1986।

109. ***तत्त्वार्थाधिगमभाष्य वृत्ति*** - सिद्धसेन गणी, जैन पुस्तकोद्धारक फण्ड, बम्बई, महाराष्ट्र, सन् 1982 व 1986।

110. ***तत्त्वार्थाधिगम सार्थ*** (गुजराती) - राजशेखर सूरि, संपादक-डॉ. जितेन्द्र वी. शाह, प्रकाशक-श्रुतज्ञान प्रसारक सभा, अहमदाबाद, पृष्ठ-108।

111. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (गुजराती), वि.सं. 1980, पृष्ठ-171।

112. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (गुजराती), प्रकाशक-हितसत्क. ज्ञानमंदिर, घाणेराव, राजस्थान, वि.सं. 2019, पृष्ठ-302।

113. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (संस्कृत, टीकाकार-देवगुप्त सूरि एवं सिद्धसेन, भाग-1), संपादक-पंन्यास भव्यदर्शन विजय, प्रकाशक-श्रीपालनगर जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक देरासर ट्रस्ट, मुम्बई, वि.सं. 2049, पृष्ठ-517।

114. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (संस्कृत, टीका-देवगुप्त सूरि, भाग 1 एवं 2), संपादक-हीरालाल रसिकलाल कापड़िया, प्रकाशक-देवचन्द लालभाई जैन पुस्तकोद्धारक संस्था, सूरत, वि.सं.-1982, पृष्ठ-538।

115. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (संस्कृत टीका/सिद्धसेन), संपादक-पंन्यास उदयप्रभ विजय, प्रकाशक-केशरचन्द्र सूरीश्वरजी फाउण्डेशन, पालीताना, वि.सं. 2061, पृष्ठ-456।

116. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (स्वोपज्ञ भाष्य, संस्कृत, भाग 1-2, टीका-सिद्धसेन), प्रकाशक-मनसुखभाई भगुभाई, अहमदाबाद, वि.सं. 1977, पृष्ठ-311।

117. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (गुजराती), संशोधक-आचार्य आनन्दसागर सूरि, म. कर्पूर विजय जैन श्रेयस्कर मण्डल, महेसाना, वि.सं. 1980, पृष्ठ-32+136।

118. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (हिन्दी, भाग 1-2), संपादक-आचार्य सुशीलसूरि, प्रकाशक-सुशील साहित्य प्रकाशन समिति, जोधपुर, वि.सं. 2048, पृष्ठ-147।

119. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (हिन्दी पद्यानुवाद, भाग 9-10), संपादक-आचार्य सुशील सूरि, प्रकाशक-सुशील साहित्य प्रकाशन समिति, जोधपुर, वि.सं. 2064, पृष्ठ-110।

120. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (संस्कृत, भाग-2), संपादक-आचार्य सुशील सूरि, प्रकाशक-सुशील साहित्य प्रकाशन समिति, जोधपुर, राजस्थान, वि.सं. 2048, पृष्ठ-124।

121. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (गुजराती), चिमनलाल दलसुखभाई शाह, जैन साहित्यवर्धक सभा, अहमदाबाद, वि.सं. 2004, पृष्ठ-322।

122. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (गुजराती), प्रकाशक-जशवंत गिरधरलाल शाह, अहमदाबाद, पृष्ठ-120।

123. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (संस्कृत), दर्शन सूरि, प्रकाशक-प्रकाशचन्द ताराचंद, महुवा, वि.सं. 2011, पृष्ठ-470।

124. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (हिन्दी सूत्रार्थ), धीरजलाल केशवलाल तुरखीय, प्रकाशक-आत्म जागृति कार्यालय, ब्यावर, अजमेर, वी.नि.सं. 2458, पृष्ठ-48।

125. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (गुजराती भावार्थ), धीरजलाल डाह्याभाई महेता, प्रकाशक-जिनशासन आराधना ट्रस्ट, वि.सं. 2058, पृष्ठ-352।

126. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (गुजराती), प्रकाशक-पुरुषोत्तम जयमलदास महेता, सूरत, गुजरात, वि.सं. 1977, पृष्ठ-260।

127. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (गुजराती, भाग-1, हेमप्रभ सूरि), संपादक-पंन्यास उदयप्रभ विजय, प्रकाशक-केशरचन्द्र सूरीश्वरजी फाउण्डेशन गिरिविहार ट्रस्ट, पालीताना, गुजरात, वि.सं. 2061, पृष्ठ-456।

128. ***तत्त्वार्थाधिगम सूत्र*** (संस्कृत टीका - हेमचन्द्र सूरि/गुजराती, संपादक - पं. धीरजलाल डी. मेहता, प्रकाशक-जिनशासन आराधना ट्रस्ट, सन् 2002।

129. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (गुजराती), संपादक एवं प्रकाशक-पं. शांतिलाल केशवलाल, अहमदाबाद, वि.सं. 2044, पृष्ठ-263।

130. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (गुजराती भाग-3), प्रवीणचन्द्र खीमजी मोता, संपादक-मयंकभाई रमणीकभाई शाह, प्रकाशक-गीतार्थ गंगा, अहमदाबाद, वि.सं. 2034, पृष्ठ-140।

131. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र भूमिका*** (गुजराती), सम्पादक-बेचरदास प्रभुदास पारेख, प्रकाशक-(1) केशरबाई ज्ञान भंडार, पाटण, वि.सं. 1993, पृष्ठ-160; (2) जैन श्रेयस्कर मण्डल, महेसाना, सन् 1960, पृष्ठ-283; (3) जैन श्रेयस्कर मण्डल, महेसाना, वि.सं. 2053, पृष्ठ-808।

132. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (संस्कृत, स्वोपज्ञ भाष्य, भाग 3), संकलन-मयंक भाई रमणीक भाई शाह, प्रकाशक-गीतार्थ गंगा, अहमदाबाद, वि.सं. 2034, पृष्ठ-240।

133. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (सभाष्य-सानुवाद, गुजराती अनुवाद) - मुनि अक्षयचन्द्रसागर (शिष्य-हेमचन्द्रसागर), प्रकाशक-जितेन्द्र बी. शाह, शारदाबेन चिमनभाई एजूकेशनल रिसर्च सेण्टर, 'दर्शन', शाहीबाग, अहमदाबाद-380 004, गुजरात, प्रथमावृत्ति-1994, पृष्ठ-306।

134. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (गुजराती भावानुवाद), संपादक-मुनि कनकविजय, प्रकाशक-जयन्तीलाल बहेचरदास दोशी, सावरकुंडला, वि.सं. 1999, पृष्ठ-130।

135. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (संस्कृत विवरण/यशोविजय गणी), संयोजक-आचार्य उदयसूरि, प्रकाशक-माणेकलाल मनसुखभाई, अहमदाबाद, गुजरात, सन् 1924, पृष्ठ-85।

136. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (संस्कृत स्वोपज्ञ/यशोविजय गणी), प्रकाशक-श्रुतज्ञान प्रसारक सभा, अहमदाबाद, वि.सं. 2051, पृष्ठ-149।

137. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (गुजराती पद्यानुवाद), रामसूरि/रामविजय, प्रकाशक-जैन साहित्यवर्धक सभा, अहमदाबाद, वि.सं. 2004, पृष्ठ-322।

138. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (गुजराती टीका), विक्रमसूरि, प्रेरक - आचार्य राजयश सूरि, प्रकाशक-शारदाबेन चिमनभाई एजूकेशनल रिसर्च सेण्टर, अहमदाबाद, गुजरात, वि.सं. 2059, पृष्ठ-604।

139. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (गुजराती विवेचन) - विक्रम सूरि, संकलन-साध्वी नयपद्माश्री, प्रकाशक - लब्धि विक्रमसूरि स्मारक संस्कृति केन्द्र, अहमदाबाद, गुजरात, वि.सं. 2042, पृष्ठ-160।

140. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (गुजराती), शुभंकर विजय, संपादक- ग. सूर्योदय विजय, पृष्ठ-192।

141. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (गुजराती विवेचन सहित), विवेचक-सिद्धान्त पाक्षिक पण्डित शान्तिलाल केशवलाल, प्रकाशक-पालड़ी जैन मर्चेण्ट सोसायटी के सामने, वर्धमान फ्लेट नं. 44, अहमदाबाद-380 007, गुजरात, वी.नि.सं. 2514, प्राप्तिस्थान-पं. मफतलाल झवेरचन्द गांधी, नमन प्रिंटिंग प्रेस, गांधी रोड पुल के नीचे, ढींकवावाडी, अहमदाबाद-380 007, गुजरात, पृष्ठ-260।

131. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्रम्*** (स्वोपज्ञभाष्य सम्बन्धकारिका समेत-श्री देवगुप्तसूरि कृत सम्बन्धकारिका विभूषित एवं सिद्धसेन गणी कृत तत्त्वार्थभाष्यवृत्ति,

सहित/वृत्तिकार - देवगुप्त सूरि-सिद्धसेन गणी), संशोधक एवं भाषान्तरकर्ता-हीरालाल रसिकलाल कापड़िया, प्रकाशक - जीवनचन्द शाकेरचन्द जवेरी, प्रथम भाग-शाके 1926, मुम्बई, पृष्ठ-546; द्वितीय भाग-सन् 1930, सूरत, पृष्ठ-472।

143. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्राणि*** - विवेचक-पं. सुखलाल संघवी, प्रकाशक-गोपालदास जीवाभाई पटेल, मंत्री-श्री जैन साहित्य प्रकाशन समिति गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद-380 014, गुजरात, प्राप्तिस्थान-नवजीवन कार्यालय, अहमदाबाद एवं मुम्बई-2, महाराष्ट्र, प्रथमावृत्ति-सन् 1930; द्वितीयावृत्ति-सन् 1940; चतुर्थावृत्ति-सन् 1977, पृष्ठ-588।

144. ***पूज्यपाद की परिभाषाएँ*** (आचार्य पूज्यपाद विरचित 'सर्वार्थसिद्धि' का पारिभाषिक शब्दकोश), संकलन-संपादन- ऐलक उदारसागर, प्रकाशक-ज्ञानोदय विद्यापीठ, 30-निशान कॉलोनी, भोपाल, म.प्र., प्राप्तिस्थान-के.एस. गारमेन्ट्स, 25-खजूरी बाजार, इन्दौर, म.प्र., प्रथम संस्करण-1998, पृष्ठ-144।

145. ***प्रश्नोत्तर – श्री सर्वार्थसिद्धि,*** सम्पादक-एडवोकेट नेमीदास जैन, सहारनपुर, प्र.सं.-सन् 1914, पृष्ठ-30+314।

146. ***मैं भी समझूँ तत्त्वार्थसूत्र*** (सरल अर्थ सहित प्रश्नोत्तर) – पं. भागचन्द्र जैन 'इन्दु', संकलन एवं सम्पादन-विधानाचार्य ब्र. विनोदसागर शास्त्री, प्रकाशक-ज्ञानामृत साहित्य केन्द्र, ज्ञान कुटी, पुरवा-गढ़ा, जबलपुर, मध्यप्रदेश, प्रथम संस्करण, पृष्ठ-12+234।

147. ***मोक्षशास्त्र*** (गुजराती अर्थ), नाथालाल सोभागचन्द दोशी, प्रकाशक-मूलचन्द किसनदास कापड़िया, सूरत, वि.सं. 1971, पृष्ठ-196।

148. ***मोक्षशास्त्र*** (बालबोधिनी भाषा टीका) - पं. पन्नालाल बाकलीवाल, (1) जैन ग्रन्थ रत्नाकर का 11वाँ रत्न, पृष्ठ-190; (2) सम्पादक एवं प्रकाशक-अज्ञात, पृष्ठ-98।

149. ***मोक्षशास्त्र*** - पं. लालाराम शास्त्री, प्रकाशक- सेठ गणेशीलाल, उदयपुर, वी.नि.सं. 2467, पृष्ठ-228।

150. ***मोक्षशास्त्र*** - अनुवादक एवं सम्पादक - बनवारीलाल स्याद्वादी, प्रकाशक-सस्ता साहित्य भण्डार, देहली।

151. ***मोक्षशास्त्र*** – बिमलकुमार जैन शास्त्री, प्रकाशक-जैन पुस्तक भवन, 161/1, हरीसन रोड, कलकत्ता, पश्चिम बंगाल, प्रथम संस्करण - वीर निर्वाण संवत् 2477, पृष्ठ-1+3+108।

152. ***मोक्षशास्त्र*** (प्रश्नोत्तर संकलन) – मुनि कुमुदनन्दी, प्रकाशक-श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, मण्डी सोनीपत-130 001, हरियाणा, प्रथमावृत्ति-सन् 1993, पृष्ठ-1+10+148।

153. ***मोक्षशास्त्र*** (बालबोध, तमिल), सन्मति जैन, प्रकाशक-केपाडी अनन्थय्या छोबटा, मूडबिद्री, सन् 2000, पृष्ठ-168।

154. ***मोक्षशास्त्र*** - प्रकाशक - हीरालाल पन्नालाल देहली, सन् 1933।

155. ***मोक्षशास्त्र अर्थात् तत्त्वार्थसूत्र*** (सटीक) - गुजराती टीका संग्राहक - पं. रामजी माणेकचन्द्र दोशी, हिन्दी अनुवादक - पं. परमेष्ठीदास न्यायतीर्थ, प्रकाशक-(1) श्री दिगम्बर जैन स्वाध्याय मन्दिर ट्रस्ट, सोनगढ़, सौराष्ट्र, गुजरात, पाँचवीं आवृत्ति-वी.नि.सं. 2502, पृष्ठ-66+672; (2) श्री कुन्दकुन्द कहान दिगम्बर जैन तीर्थ सुरक्षा ट्रस्ट, ए-4, बापूनगर, जयपुर-302 015, राजस्थान, पंचमावृत्ति-सन् 1985, पृष्ठ-60+672; (3) कल्याणमल राजमल पाटनी, सिद्ध चेतना ट्रस्ट, कोलकाता एवं पं. टोडरमल स्मारक ट्रस्ट, जयपुर राज., सातवीं आवृत्ति-सन् 1963, पृष्ठ-672।

156. ***मोक्षशास्त्र (तत्त्वार्थसूत्र)*** (श्री विमल प्रश्नोत्तरी टीका) - टीकाकर्त्री - गणिनी आर्यिका स्याद्वादमती, प्रकाशक-भारतवर्षीय अनेकान्त विद्वत् परिषद्, सोनागिरि, दतिया, म.प्र., दशम संस्करण-सन् 2008, पृष्ठ-18+452।

157. ***मोक्षशास्त्र*** (तत्त्वार्थसूत्र/सचित्र, सटीक और पं. फूलचन्द सिद्धान्तशास्त्री कृत 50 प्रश्नोत्तर सहित) - सम्पादक-पं. पन्नालाल जैन 'बसंत' साहित्याचार्य, प्रकाशक-मूलचन्द किसनदास कापड़िया, दिगम्बर जैन पुस्तकालय, जैन विजय लेसर प्रिन्टर्स, गांधी चौक, सूरत, गुजरात,

तृतीयावृत्ति-वी.नि.सं. 2471, सन् 1945, पृष्ठ-272, ग्यारहवाँ संस्करण-वी.नि. सं. 2520, पृष्ठ-32+256।

158. ***मोक्षशास्त्र (तत्त्वार्थसूत्र)*** अनुवादक-पं. बालचन्द शास्त्री, नवापारा राजिम, रायपुर, म.प्र., सम्पादक एवं प्रकाशक – पं. मोहनलाल शास्त्री, सरल जैन ग्रन्थ भण्डार, जवाहरगंज, जबलपुर, मध्यप्रदेश, बसंतपंचमी, वि.सं.- 2024, पृष्ठ-248, नवम संस्करण - वी.नि.सं. 2517, पृष्ठ-242।

159. ***मोक्षशास्त्र का माहात्म्य*** (तत्त्वार्थसूत्र की हिन्दी व्याख्या) - विद्यावाचस्पति प्रो. डॉ. आदित्य जैन प्रचण्डिया (डी.लिट्), जैन गजट (साप्ताहिक), श्री नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, मिल रोड, ऐश बाग, लखनऊ-226 004, उ.प्र. के 18 अक्टूबर, 2010 में दूसरी किस्त से लेकर 18 जुलाई 2011 में 26वीं किस्त आदि अनेक अंकों में धारावाहिक रूप में क्रमशः प्रकाशित।

160. ***मोक्षशास्त्र कौमुदी*** (हिन्दी पद्यानुवाद) - मुक्त्यानन्द जैन, संशोधक-हुकमचन्द सलावा, प्रकाशक-सिंह जैन ग्रन्थमाला मुजफ्फरनगर, वी.नि.सं. 2484, पृष्ठ-378।

161. ***मोक्षशास्त्र प्रवचन*** (प्रथम एवं द्वितीय भाग), प्रवक्ता - मनोहर वर्णी सहजानन्द, सम्पादक-सुमेरचन्द जैन, प्रकाशक-सुनीलकुमार जैन, 185-ए, रणजीतपुरी, सदर, मेरठ, उ.प्र., द्वितीय संस्करण-सन् 1999, पृष्ठ- 4+582।

162. ***मोक्षशास्त्र प्रवचन*** (तृतीय से चतुर्विंशति भाग तक) प्रवक्ता - मनोहर वर्णी सहजानन्द, सम्पादक-सुमेरचन्द जैन, प्रकाशक- सुनीलकुमार जैन, श्री सहजानन्द शास्त्रमाला, 185-ए, रणजीतपुरी, सदर, मेरठ, उ.प्र., भाग-III, द्वितीय संस्करण-सन् 1988, पृष्ठ-284; भाग-V से X तक, प्रथम संस्करण-सन् 1976, पृष्ठ-476; भाग-XI एवं XII प्रथम संस्करण-सन् 1976, पृष्ठ-4+408; भाग-XIII से XVIII तक, द्वितीय

संस्करण-सन् 1978, पृष्ठ-226; भाग-XIX से XXI तक, प्रथम संस्करण-सन् 1978, पृष्ठ-226; भाग-XXII से XXIV तक, प्रथम संस्करण-सन् 1978, पृष्ठ-144।

163. ***पंच-अमृत*** (तत्त्वार्थसूत्रम्-मोक्षशास्त्रम् सार्थ) – सम्पादक एवं संकलनकर्ता - ब्र. प्रदीप जैन 'पीयूष', प्रकाशक-श्री दिगम्बर साहित्य प्रकाशन समिति, बरेला, जबलपुर, मध्यप्रदेश, दशम संस्करण-सन् 2010, पृष्ठ-198।

164. ***मोक्षशास्त्र सार्थ*** (हिन्दी) – प्रकाशक-दिगम्बर जैन पुस्तकालय, सूरत, गुजरात, पृष्ठ-96।

165. ***रत्नमाला*** – आचार्य शिवकोटि (ईसवी 11वीं शताब्दी), सन्दर्भ - जैनेन्द्र सिद्धान्त कोश, द्वितीय भाग, सातवाँ संस्करण-2004, पृष्ठ-356 एवं पृष्ठ-638-639, शेष विवरण पूर्ववत्।

166. ***राजवार्तिक*** (संस्कृत) - अकलंक, प्रकाशक-सनातन जैन ग्रन्थमाला, नं. 4, बनारस, सन् 1915।

167. ***श्रीतत्त्वार्थराजवार्तिकालंकार*** (पूर्वार्ध व उत्तरार्ध) - आचार्य भट्टाकलंक, अनुवादक - पं. गजाधरलाल न्यायतीर्थ, जटौआ (आगरा), संशोधक एवं परिवर्धक-पं. मक्खनलाल न्यायालंकार वादीभकेशरी, चावली (आगरा), प्रकाशक-पं. पन्नालाल बाकलीवाल, प्रकाशक-भारतीय जैन सिद्धान्त प्रकाशिनी संस्था, 9-विश्वकोष लेन, बाघ बाजार, कलकत्ता, प्रथमावृत्ति-सन्-1929, पृष्ठ-1229।

168. ***श्री तत्त्वार्थसूत्र महाशास्त्र की तत्त्वार्थ दीपिका*** (हिन्दी टीका) – टीकाकार-क्षुल्लक ज्ञानभूषण (आचार्य ज्ञानसागर) प्रकाशक-(1) श्री दिगम्बर जैन समाज, हिसार, प्र. सं.-वी.नि.सं. 2484, पृष्ठ-193; (2) श्री दिगम्बर जैन समिति एवं सकल दिगम्बर जैन समाज, अजमेर, राजस्थान, द्वितीय संस्करण-सन् 1994, पृष्ठ-24+184।

169. ***तत्त्वार्थसूत्रम्*** – (तत्त्वार्थभाष्यवृत्ति/हरिभद्रीयवृत्ति सहित/संस्कृत/हरिभद्र सूरि), प्रकाशक-(1) मोहनलाल मगनलाल बादामी, श्री ऋषभदेव केशरीमल जैन श्वेताम्बर संस्था, रतलाम, सन् 1901; (2) संशोधक-आचार्य आनन्दसागर सूरि, जिन शासन आराधना ट्रस्ट, मुम्बई, वि.सं. 2067, पृ.-576। **नोट** : हरिभद्रीय लघुवृत्ति रूप तत्त्वार्थभाष्य के कर्त्ता श्वेताम्बर आचार्य हरिभद्र याकिनीसुनु थे। इन्होंने साढ़े पाँच अध्यायों की वृत्ति लिखी। शेष भाग के वृत्तिकार श्वेताम्बराचार्य यशोभद्र हैं। केवल दसवें अध्याय के अन्तिम सूत्र के भाष्य पर वृत्ति यशोभद्र सूरि के किन्हीं शिष्य ने पूर्ण की है। सन्दर्भ - 'तत्त्वार्थसूत्र' - पं. सुखलाल संघवी, 'प्रस्तावना', पृ.37-38, सप्तम संस्करण, शेष विवरण क्रमांक 61 के समान।

170. ***श्रीतत्त्वार्थाधिगमसूत्र*** (गुजराती विवेचन), विवेचनकार - मुनि राजशेखर विजय (आचार्य श्री विजय राजशेखर सूरि), संशोधनकार - पं. पुखराज, अमीचंद कोठारी, प्रकाशक-श्रीमद् यशोविजयजी जैन संस्कृत पाठशाला और जैन श्रेयस्कर मण्डल, महेसाना, गुजरात, प्रथमावृत्ति-वि.सं. 2032, पृष्ठ-66+688; पंचमावृत्ति वि.सं. 2065, पृष्ठ-42+516।

171. ***श्रीतत्त्वार्थाधिगमसूत्रम्*** (विजयदर्शन सूरि कृत गूढ़ार्थदीपिका विवृत्ति, महामहोपाध्याय यशोविजयगणि प्रणीत प्रथमाध्याय विवरण तथा आचार्य उमास्वाति कृत स्वोपज्ञ भाष्य सहित), प्रकाशक-मोतीजी, सुपुत्र-कपूरचन्द ताराचन्द, जावाल, प्राप्तिस्थान-शामजीभाई माधवजी, जिनदास धर्मदास पेढी, महुवा, सौराष्ट्र, प्रथमावृत्ति-सन् 1955, पृष्ठ-472।

172. ***सत्यार्थ दर्शन*** (तत्त्वार्थसूत्र की व्याख्या/प्रथम भाग) – मुनि प्रबुद्धसागर, प्रकाशक-सकल दिगम्बर जैन समाज, जबलपुर, मध्यप्रदेश, प्राप्ति स्थान-मुकेश विद्यार्थी, विद्याश्री ग्राफिक्स, 179-लार्डगंज, कछियाना चौक, जबलपुर, म.प्र., प्रथम संस्करण-सन् 2005, पृष्ठ-28+222+22।

173. ***सत्यार्थ दर्शन*** (सर्वार्थसिद्धि शब्दार्थ कोष/द्वितीय भाग) – मुनि प्रबुद्धसागर, प्रकाशक-सकल दिगम्बर जैन समाज, सिवनी, म.प्र., प्राप्तिस्थान-विद्याश्री ग्राफिक्स, 179-लार्डगंज, कछियाना चौक, जबलपुर, म.प्र., प्रथम संस्करण-सन् 2006, पृष्ठ-10+276।

174. ***सत्यार्थ दर्शन*** (राजवार्तिक शब्दार्थ कोष/पूर्वार्द्ध, तृतीय भाग, 'अ' से 'न' तक) - मुनि प्रबुद्धसागर, प्रकाशक-सकल दिगम्बर जैन समाज, जबलपुर, म.प्र., प्राप्तिस्थान-विद्याश्री ग्राफिक्स, 179-लार्डगंज, कछियाना चौक, जबलपुर, म.प्र., प्रथम संस्करण-सन् 2010, पृष्ठ-24+292।

175. ***सभाष्य तत्त्वार्थाधिगम सूत्र –*** सम्पादक एवं अनुवादक - विद्यावारिधि पं. खूबचन्द सिद्धान्तशास्त्री, प्रकाशक - श्रीमद् राजचन्द्र जैन शास्त्रमाला, श्री परमश्रुत प्रभावक मण्डल, जौहरी बाजार, खारा कुआँ, मुम्बई-2, महाराष्ट्र, प्रथम संस्करण- सन् 1932, पृष्ठ-24+472।

176. ***सभाष्य तत्त्वार्थाधिगम सूत्र*** (भाष्य सहित) – सम्पादक- विद्यावारिधि पं. खूबचन्द सिद्धान्तशास्त्री, परमश्रुत प्रभावक मण्डल, श्रीमद् राजचन्द्र आश्रम, अगास, वाया-आणन्द, पोस्ट-बोरिया-388 130, गुजरात, तृतीय संस्करण- सन् 1992, पृष्ठ-21+483।

177. ***सभाष्य–तत्त्वार्थाधिगमसूत्रम्*** (हिन्दी भाषानुवाद) – व्याकरणाचार्य - पं. ठाकुरप्रसाद, प्रकाशक-श्री परमश्रुत प्रभावक मण्डल, मुम्बापुरी, सन् 1906, पृष्ठ-276।

178. ***सर्वज्ञ वाणी – अर्हत् गीता–मास्टर की –*** मुनि पुलकसागर, (1) संपादक-रमेशचन्द जैन मनया, भोपाल, प्राप्तिस्थल-अ.भा. पुलक जन चेतना मंच, पी-75, गली नं.5, बिहारी कॉलोनी एक्स., शाहदरा, दिल्ली-110 032, प्रथम संस्करण-सन् 2007, पृष्ठ-302, दसवाँ संस्करण-

सन् 2013, पृष्ठ-304; (2) अर्हत् गीता, सम्पादक-प्रो. टीकमचन्द जैन, प्राप्तिस्थान-उपरिलिखितवत्, प्र.सं.-सन् 2003, पृष्ठ-191।

179. ***सर्वार्थसिद्धि*** (पदच्छेद, विभक्त्यर्थयुक्त, शब्दशः हिन्दी अनुवाद सहित/तीन खण्ड/आचार्य पूज्यपाद), सम्पादन एवं अनुवाद - एडवोकेट पं. जगरूपसहाय, एटा, प्रकाशक-महेशचन्द्र जैन, द्वारा - एड. जगरूपसहाय, श्री उमास्वामी ऑफिस, मेन गंज, एटा, संयुक्त प्रान्त, प्रथम संस्करण-वीर नि.सं. 2455, वि.सं. 1985, प्रथम खण्ड, पृष्ठ-560; द्वितीय खण्ड, पृष्ठ-517; तृतीय खण्ड, पृष्ठ-513।

180. ***सर्वार्थसिद्धि*** (मात्र संस्कृत मूल रूप में/आचार्य पूज्यपाद), संपादक एवं मुद्रक-कल्लप्पा भरमप्पा निटवे, जैनेन्द्र मुद्रणालय, कोल्हापुर, द्वितीय संस्करण-शक संवत्-1839, सन् 1917, पृष्ठ-28+280; (2) संकलन- पं. जिनदास शास्त्री, प्रकाशक-रावजी सखाराम दोशी, मंत्री-माणिकचन्द्र दिगम्बर जैन परीक्षालय, तृतीय संस्करण-सन् 1939, पृष्ठ-35+4+3+39+322; (3) भारतवर्षीय अनेकान्त विद्वत् परिषद्, सोनागिरि, दतिया, म.प्र., प्रथमावृत्ति-सन् 1995, पृष्ठ-28+232।

181. ***सर्वार्थसिद्धि*** (आचार्य पूज्यपाद स्वामी/5वीं सदी), सम्पादक - सिद्धान्ताचार्य पं. फूलचन्द शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली, सोलहवाँ संस्करण-सन् 2010, पृष्ठ-110+446।

182. ***सर्वार्थसिद्धि वचनिका –*** वचनिकाकार-पं. जयचन्द छाबड़ा, प्रकाशक-(1) परमपूज्य चारित्र चक्रवर्ती श्री 108 आचार्य शान्तिसागर दिगम्बर जैन जिनवाणी जीर्णोद्धारक संस्था, श्रुत भण्डार व ग्रन्थ प्रकाशन समिति, फलटण, उत्तर सतारा, महाराष्ट्र, प्रथमावृत्ति-वी.नि. सं. 2481, पृष्ठ-4+12+416। (2) भाषा रूपान्तरकर्त्ता-धनकुमार जैन, सूरत, गुज., सम्पादक-पं. संजीवकुमार गोधा, प्रकाशक-श्री अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन विद्वत्परिषद् ट्रस्ट, 129-जादौननगर-बी, जयपुर-302018, राजस्थान, प्र.सं.-सन् 2001, पृष्ठ-10+416।

183. ***सार्थ तत्त्वार्थसूत्र –*** (महामुनि क्षीरसागर प्रणीत संस्कृत एवं हिन्दी अर्थ सहित) - महामुनि क्षीरसागर, प्रकाशक-श्री महामुनि क्षीरसागर दिगम्बर

जैन ग्रन्थमाला, माधोगंज, लश्कर, ग्वालियर, म.प्र., वीर नि.सं. 2502, पृष्ठ-18+192।

184. ***सिद्धान्तसार संग्रह*** (संस्कृत/तत्त्वार्थसूत्र का सार) – आचार्य नरेन्द्रसेन (ईसवी शताब्दी 11वीं का अंत पाद), संदर्भ - जैनेन्द्र सिद्धान्त कोश, प्रथम भाग, आठवाँ संस्करण-सन् 2003, क्रमांक 307, पृष्ठ-331, एवं क्रमांक-294, पृष्ठ-343, शेष विवरण पूर्ववत्।

185. ***सूत्रोदय*** (तत्त्वार्थसूत्र अपर नाम मोक्षशास्त्रम् भाषा प्रश्नोत्तरी टीका) – प्रस्तुति - मुनि प्रशान्तसागर, प्रकाशक - सर्वोदय साहित्य प्रकाशन, गुना, म.प्र., प्रथमावृत्ति-सन् 2011, पृष्ठ-2+40+264, द्वि.सं.-सन् 2013, पृष्ठ-316।

186. ***स्वतंत्रता के सूत्र*** – (मोक्षशास्त्र/तत्त्वार्थसूत्र) समीक्षक- उपाध्याय कनकनन्दी, प्रकाशक-धर्म, दर्शन, विज्ञान शोध प्रकाशन, दिगम्बर जैन अतिथि भवन के निकट, बड़ौत, मेरठ, उ.प्र., प्रथमावृत्ति-सन् 1992, पृष्ठ-655+3।

(आ) तत्त्वार्थसूत्र विषयक अंग्रेजी साहित्य

Literature of Tattvārthasūtra in English

1. ***A Study of Tattvārthasūtra with Bhāsya*** - (with special Refference to Authershipand Date) by-Suzuko Ohira, General Editor-Dalasukh mālvaṇyiā, Nagīna J. Śāhah, Pub.-L.D. Institute of Indology, Aahamedābāda-9, First Edition-1982, P-196.
2. ***Biology in Jain treatise on reals*** - Dr. N.L. Jaina, Pārśwanātha Vidyāpītha, Vārāṇasī, U.P., 1999 A.D.
3. ***Cosmology : Old And New*** - (Being A Modern Commentary on the Fifth Chapter of Śhri Tattvārthasūtra) Prof. Dr. G.R. Jaina, Pub.- (1) J.L. Jaina Estate Indors 1942, P.-6+14+255+3; (2) Bhāratīya Jñānapītha, New Delhi-110 003, First Edition-1975.
4. ***Eine Jaina Dogmatik Umāsvātis Tattvārthasūtra*** (German)-Hermann Jacobi, P-287-556.

5. ***Jaina Karmology*** (English Translation with Notes Chapter eight of Tattvārtha Rājavārtika of Akalaṅka) - Dr. N.L. Jaina, Pārśwanātha Vidyāpītha, Vārāṇasī, U.P. & Navadarśana Society of Self Development, Ahamedābāda, Guj, 1988, P.-3+180.
6. ***Karma the Mechanism*** - Hermann Kulsn, Pub.-Crosswind Publishing. USA, 2001, P-238+4.
7. ***Key to Reality*** Dr. Sugana Chandra Jaina, Pub.- Digambara Jaina Triloka Sodha Sansthana, Hastinapura, Meratha, U.P., 2010
8. ***Reality*** (English translation of Āchārya Pūjyapāda's Sarvārthasiddhi - S.A. Jaina, (1) Vīra Śāsana Saṅgha, Calcuttā, 1960; (2) Jwālāmālinī Trusṭ, No. 8, Venkaṭaramaṇa Iyara Sṭrīṭa, Venkaṭapurama, Ambaṭṭu, Madrāsa-53, T.N., 2nd Edition-1992, Pages-334.
9. ***Ślokav ārtika - A study,*** by-K.K. Dīxita, Pub.-L.D. Institute of Indology, Ahamedābāda-9, Guj., F.E.-1988, P.-130.
10. ***Studies In Jain Philosophy*** - Nathamala Tāṭiyā, P.V. Research Institute, Vārāṇasī, U.P., 1951.
11. ***Tattvārtha Sūtra*** - Chandana Lāla Jaina (Ex-IAS), Prākṛta Bhāratī Acadamy, Jaipura, Raj., First Edition-2006, Pages-296.
12. ***Tattvārtha Sūtra*** - Dr. Nathamala Tāṭiyā Editor - Dr. Satya Ranjana Bainarjī, Pub.-Motītāla Banārasīdāsa, Delhi, 2007, P-374.
13. ***Tattvārtha Sūtra*** - Elāchārya Śrutasāgara.
14. ***Tattvārtha Sūtra*** (Commentary on English), Editor-Pt. Sukhlāljīs, Translated by-K.K. Dixita, Pub.-L.D. Institute of Indology, Near Gujrāta University, Ahamedābāda, Guj.; F.E-1974, S.E.-2000, P.-594.
15. ***Tattvārtha Sūtra*** (Aspects of Reality in Jainism, through the Eyes of a scientist), English Translation and Commentary-Dulī Chandra Jaina, Editor-Manīṣa Modī and Chandrakāṅta P. Śāha, Pub.-Hindī Grantha Kāryālaya, 9-Hīrābāgha, C.P. Tenka, Mumbai-400 004, Mah., First Edition-2012.
16. ***Tattvārtha Sūtra*** (Encyclopaedia of Jainism, Vol. 16/30, Madhusūdana A. Dhākī),P.8+4253-4502; Vol. 25/30 K.B. Jindala)

Editor - Nagendra K. Simghā, Anamola Publication, Delhi 2001, P.-8+6525-6776.

17. ***Tattvārtha Sūtra*** (An Esence of Jainism), English Annotation - Subhāṣa Chandra Jaina, Edited by-Dr. Mahendra Kumāra Jaina 'Manuja', Amara Granthālaya, Śri Digambara Jaina Udāsīna Āśrama, 584-M.G. Roda, Indoura-452 001, M.P., First Edition-2012, Pages-18+174.
18. ***Tattvārtha Sūtra*** (With Hindī & English Translation), Editior - Vijaya Kumāra Jaina, Publisher-Motīlāla Banārasīdāsa Publiśers Pvt. Ltd., 41-U.A., Benglo Roda, Jawāhara Nagara, Delhi- 110 007, First Edition-2011, Page-163.
19. ***Tattvārtha Sūtra*** - Vinoda Kapāśī, Pub.-Sudha Kapāśī, Middlesex, 1995, P.-64.
20. ***Tattvārtha Sūtram*** - Adīśwara Prasāda Jaina.
21. ***That Wchich Is*** (English translation of Tattvārtha Sūtra) - Dr. Nathamala Taṭiyā, Harper Collins Publishers, San Francisco, USA, 1994, P.-45+324.
22. ***The Jain Path of Purification*** - Dr. Padmanābha Jaina, University of California, Barkley, 1979.
23. ***The Jain World of Non-Living*** - Dr. N.L. Jaina, Pārśwanātha Vidyāpītha, Vārāṇasī, U.P., 2000 A.D.
24. ***The Notion of Growth*** (First Chapter of Tattvārtha Sūtra) - Hermann Kuhn, Crosswind Publishing, P.O. Box 2210, 31505-Wonstorf, Germany.

(इ) तत्त्वार्थसूत्र एवं उसकी टीकाओं विषयक शोध–प्रबन्ध

These of Tattvārthasūtra and his Tikās

1. *अकलंकदेव कृत राजवार्तिक का समीक्षात्मक अध्ययन* (पीएच.डी.) – डॉ. सतीशचन्द्र जैन, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, अप्रकाशित ।

2. *अभिधर्मकोश और तत्त्वार्थसूत्र का तुलनात्मक अध्ययन* (पीएच.डी.) – डॉ. रामप्रसाद त्रिपाठी, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तरप्रदेश, सन् 1974, अप्रकाशित।

3. *आचार्य अकलंक : ऐतिहासिक व दार्शनिक अध्ययन* (पीएच.डी., दूसरी बार) – डॉ. साध्वी ऋद्धिश्री, निदेशक - डॉ. बी.एल. सेठी, अध्यक्ष-इतिहास विभाग, सेठ मोतीलाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, झुँझनूँ-333 001, राजस्थान, मो. 094147-43340, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान।
4. *आचार्य उमास्वाति और उनका तत्त्वार्थसूत्र : एक अध्ययन* (पीएच.डी.) – डॉ. हेमन्तकुमार, निदेशक - डॉ. देवनारायण शर्मा, बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर, बिहार, सन् 1986, अप्रकाशित।
5. *आचार्य उमास्वाति का भारतीय दर्शन को योगदान* (पीएच.डी.) - डॉ. इन्द्रजीत जैन, 18-राजपूताना (पश्चिम), रुड़की-247 667, उत्तराखण्ड, निदेशक-डॉ. प्रभुदयालु अग्निहोत्री, ई-2/73, महावीर नगर, भोपाल-462 014, मध्यप्रदेश, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मध्यप्रदेश, सन् 1974, अप्रकाशित।
6. *आचार्य उमास्वामी और उनके तत्त्वार्थसूत्र का अनुशीलन* (पीएच.डी.)-डॉ. मनोज जैन, छोटी देवन के पास, हनुमान मन्दिर गली, दीक्षितपुरा, जबलपुर, म.प्र., मो. 098930-95524, निदेशक - डॉ. राजेन्द्रकुमार त्रिवेदी, संस्कृत-पाली-प्राकृत विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, म.प्र., सन् 2003, अप्रकाशित।

7. *आचार्य श्री हरिभद्रसूरि महाराज के दार्शनिक चिन्तन का वैशिष्ट्य* (पीएच.डी.)– डॉ. साध्वी अनेकलताश्री, निदेशक - आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, जैन विश्वभारती वि.वि., लाडनूँ, राजस्थान।
8. *जैन दर्शन में तत्त्व विवेचन : तत्त्वार्थसूत्र के विशेष सन्दर्भ में* (पीएच.डी.)- डॉ. सुश्री मैत्रीकुमारी, द्वारा-डॉ. डी.के. तिवारी आश्रम, महात्मा गाँधीनगर, आरा, बिहार, श्री वीर कुँअर सिंह विश्वविद्यालय, आरा, बिहार।
9. *तत्त्वार्थवार्तिक का दार्शनिक परिशीलन* (पीएच.डी.) - बाल ब्रह्मचारिणी डॉ. सुश्री मीना जैन, सुपुत्री-मुलायमचन्द जैन, मु.पो.-शाहनी पिपरिया,

बांदकपुर, तह. हटा, दमोह, म.प्र., निदेशक-डॉ. रमेशचन्द्र जैन, निदेशक-जैन विद्या अध्ययन एवं अनुसंधान केन्द्र, वर्धमान कॉलेज, बिजनौर, स्व. विद्याभूषण एडवोकेट का मकान, मुहल्ला कुँअर बाल गोविन्द, बिजनौर-246 701, उ.प्र., मो. 094562-10546, फोन : 01342-261935, एम.जे.पी. रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली, उ.प्र. ।

10. ***तत्त्वार्थसूत्र : एक दार्शनिक अध्ययन*** (पीएच.डी.) - डॉ. अरविन्दकुमार जैन, प्रवक्ता संस्कृत - जैन इण्टर कॉलेज, करहल-205 265, मैनपुरी, उत्तरप्रदेश, आगरा विश्वविद्यालय, आगरा, उ.प्र., सन् 1989, अप्रकाशित ।

11. ***तत्त्वार्थसूत्र एवं सांख्यकारिका : एक तुलनात्मक अध्ययन*** (पीएच.डी.) - डॉ. सन्तोषकुमार त्रिपाठी, निदेशक - डॉ. ए.पी. त्रिपाठी, जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय, लाडनूँ-341 306, नागौर, राजस्थान, सन् 2003, अप्रकाशित ।

12. ***तत्त्वार्थसूत्र का समीक्षात्मक अध्ययन*** (पीएच.डी.) - डॉ. रेखा जैन, सुपुत्री - मूलचन्द्र जैन, सेवानिवृत्त शिक्षक, दमोह, म.प्र., निदेशक - डॉ. शिवदर्शन तिवारी, वाराणसी, उत्तरप्रदेश एवं डॉ. भागचन्द जैन 'भागेन्दु', निदेशक-संस्कृत-प्राकृत एवं जैन विद्या अनुसंधान केन्द्र, 28-सरोज सदन, प्रोफेसर कॉलोनी, दमोह-470 661, म.प्र., डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, म.प्र., सन् 2006, अप्रकाशित ।

13. ***तत्त्वार्थसूत्र की आचार्य पूज्यपाद तथा भट्ट अकलंकदेव विरचित संस्कृत टीकाएँ : एक अनुशीलन*** (पीएच.डी.), - डॉ. सरिता जैन सुपुत्री-मांगीलाल जैन, डी. ब्लॉक-120, आर्य समाज रोड, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110 059, मो. 095550-44478, 097540-36839, 093024-97189, निदेशक-डॉ. श्रीमती संगीता मेहता, सहायक प्राध्यापक-संस्कृत विभाग, शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय

इन्दौर, म.प्र., मो. 098265-71464, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर, म.प्र., सन् 2009, अप्रकाशित।

14. ***तत्त्वार्थसूत्र की टीकाओं का समीक्षात्मक अध्ययन*** (पीएच.डी.) - डॉ. विजयकुमार जैन, सुपुत्र-सन्तोष जैन, वर्धमान कॉलोनी, गोल कुआँ के पास, सागर-470 002, मध्यप्रदेश, मो. 098264-25506, 094065-19906, फोन (0768) 268506, निदेशक-डॉ. कुसुम भूरिया, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष-संस्कृत विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर विश्व-विद्यालय, सागर, म.प्र., सन् 2009, अप्रकाशित।

15. ***तत्त्वार्थसूत्रस्य पूज्यपादकृतसर्वार्थसिद्धिः अन्याश्च मुख्याष्टीकाः*** (संस्कृत/विद्यावारिधि) -डॉ. बाँकेबिहारी मिश्र, निदेशक-डॉ. रूपनारायण त्रिपाठी, केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जयपुर, राजस्थान; विश्वविद्यालय-राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, 56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110 058, सन् 1995-96, अप्रकाशित।

16. ***पूज्यपाद कृत सर्वार्थसिद्धि का समालोचनात्मक अध्ययन*** (पीएच.डी.)- डॉ. सनमतकुमार जैन, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, हरियाणा, सन् 1981, अप्रकाशित।

17. ***प्रशमरति और आचार्य उमास्वाति : एक समीक्षात्मक अध्ययन*** (पीएच.डी.)- डॉ. श्रीमती पूर्णिमा कोठारी (श्रीमाल), राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, सन् 1980, अप्रकाशित।

18. ***प्रशमरति प्रकरण का समालोचनात्मक अध्ययन*** (पीएच.डी.)- डॉ. श्रीमती मंजुबाला, निदेशक- डॉ. लालचन्द जैन, बिहार वि.वि., मुजफ्फरपुर, बिहार, सन् 1993, प्रकाशित।

19. ***विद्यानन्दस्य दर्शनम् : एकाध्ययनम्*** (संस्कृत/विद्यावारिधि) - डॉ. शीतलचन्द्र जैन, प्राचार्य-श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, वीरोदय नगर, सांगानेर, जयपुर, राजस्थान, 81/94, पटेल मार्ग,

(नीलगिरि मार्ग), मानसरोवर, जयपुर-302 003, राजस्थान, मो. 094147-83707, फोन-(0141) 2311570 का., 2781649 नि., डॉ. सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, उ.प्र., सन् 1980, अप्रकाशित।

20. ***सर्वार्थसिद्धि का दार्शनिक परिशीलन*** (पीएच.डी.) - बा.ब्र. डॉ. सीमा जैन, सुपुत्री-एडवोकेट अजितकुमार जैन, तालबेहटवाले, सिद्धि फार्मेसी के पास, सिविल लाइन, ललितपुर, उत्तरप्रदेश, मो. 096951-03663, 094500-36725/26, निदेशक-डॉ. जी.एस. गुप्ता, रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली, उ.प्र., सन् 1994, सम्पादक - डॉ. रमेशचन्द्र जैन, बिजनौर; प्रकाशक - आचार्य ज्ञानसागर वागर्थ विमर्श केन्द्र, सेठजी की नसियाँ, ब्यावर, अजमेर, राजस्थान से प्रकाशित, 336 पृष्ठीय शोध प्रबन्ध।

21. ***सर्वार्थसिद्धि का समीक्षात्मक अध्ययन*** (पीएच.डी., अपूर्ण)-आलोक शास्त्री, वाशिम, महाराष्ट्र, मो.093724-53758, 088066-21008, निदेशक - डॉ. कुसुम पटोरिया, प्रोफेसर-संस्कृत, नागपुर विद्यापीठ, नागपुर, महाराष्ट्र, आजाद चौक, सदर, नागपुर-440 001, महाराष्ट्र, मो.-098810-10798, फोन (0712) 2520327।

22. ***A Comparative Study of the Major Commentaries of the Tattvārthasūtra by Umāsvāti, Pūjyapāda, Haribhadra, Siddhasena, Bhaṭṭākalaṅka and Vidyaṇanda (Ph.D.)*** - Dr. Smt. Amara Jaina, Delhi University, Delhi-110 007, 1974, Unpublished.

23. ***A Critical Study of Tattvārthasūtra of Umāswāmī and Ṭīkas on it*** (Ph.D.) - Dr. Rajeśa Kumāra, Panjāba University, Chandīgaḍha-160 014, Unpublished.

24. ***A Study of Tattvārthasūtra with Bhāsya*** (Ph.D.) - Dr. Ohira Suzuko, Sup.-Pt. Becharadāsa Dośī, Gujarāta University,

Ahmedābāda, Gujarāta, 1982, Published - L.D. Institute of Indology, Near Gujarāta University, Ahmedābāda, Gujarāta, Pages-10+182.

25. ***The Philosophical Doctrines as depicted in the Tattāvarthādhigamasūtra of Śrī Umāswāti*** (Ph.D.) - Dr. Sādhvī Amita, Dr. M.V. Jośī, Dept. of Saṁskṛta, Sourāṣṭra University, Rājakota, Gujarāta, 1994, Unpublished.

तत्त्वार्थसूत्र एवं उसकी टीकाओं की विषय–वस्तु से सम्बद्ध अन्य शोध–प्रबन्ध

Tattvārthasūtra and his Ṭikās related other Theses

26. ***'अरिहन्त' विचार का तुलनात्मक अध्ययन*** (पीएच.डी.) – डॉ. साध्वी दिव्यप्रभा, निदेशक - डॉ. बी.बी. रायनाडे, विक्रम वि.वि., उज्जैन, म.प्र., सन् 1983, प्रकाशित।

27. ***जैन एवं हिन्दू तर्कशास्त्र*** (पीएच.डी.) – डॉ. प्रद्युम्नकुमार जैन, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तरप्रदेश, सन् 1975, अप्रकाशित।

28. ***'जैनकर्मसिद्धान्ते बन्धमुक्तिप्रक्रिया*** (पीएच.डी.) – डॉ. श्रीयांसकुमार सिंघई, निदेशक - डॉ. शीतलचन्द्र जैन, राजस्थान वि.वि., जयपुर, राजस्थान, सन् 1991, अप्रकाशित।

29. ***जैन तत्त्वमीमांसा : एक तुलनात्मक अध्ययन*** (पीएच.डी.) – डॉ. उदयचन्द्र जैन, आगरा विश्वविद्यालय, आगरा, उत्तरप्रदेश, अप्रकाशित।

30. ***जैन तर्कभाषा : एक तुलनात्मक अध्ययन*** (पीएच.डी.) – डॉ. मायाराम, कुरुक्षेत्र वि.वि., कुरुक्षेत्र, हरियाणा, सन् 1994, अप्रकाशित।

31. ***जैन तर्कशास्त्र के सात तत्त्वों का विधान और उनकी आधुनिक व्याख्या*** (पीएच.डी.) – डॉ. भिखारी राम यादव, बनारस हिन्दू वि.वि., वाराणसी, उ.प्र., सन् 1983, प्रकाशित।

32. ***जैन तर्कशास्त्र में अनुमान विचार*** (पीएच.डी.) – डॉ. दरबारीलाल कोठिया, निर्देशक-डॉ. नन्दकिशोर देवराज, वाराणसी, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तरप्रदेश, सन् 1968, प्रकाशित।

33. ***जैनदर्शन का नयवाद : एक मीमांसा*** (पीएच.डी.) – डॉ. इन्द्रदेव पाठक, बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर, बिहार, सन् 1981, अप्रकाशित।

34. ***जैनदर्शन में अनेकान्तवाद : एक परिशीलन*** (डी.फिल.) – डॉ. अशोककुमार जैन, हेमवतीनन्द बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर, गढ़वाल, उत्तराखण्ड, सन् 1986, निदेशक-डॉ. श्रीकृष्णकुमार, संस्कृत विभागाध्यक्ष-जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म-दर्शन विभाग, भगवान ऋषभदेव ग्रन्थमाला, सांगानेर, जयपुर, राजस्थान से प्रकाशित।

35. ***जैनदर्शन में अर्हत् का स्वरूप*** (पीएच.डी.) – डॉ. प्रदीपकुमार जैन, निदेशक - डॉ. मोहनचन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, प्रकाशित।

36. ***जैनदर्शन में आत्म–विचार : तुलनात्मक और समीक्षात्मक अध्ययन*** (पीएच.डी.) – डॉ. लालचन्द्र जैन, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उ.प्र., सन् 1979, प्रकाशित।

37. ***जैनदर्शन में कारणवाद के सन्दर्भ में पंच समवाय*** (पीएच.डी.) – डॉ. श्वेता जैन, जयनारायण व्यास वि.वि., जोधपुर, राजस्थान।

38. ***जैनदर्शन में जीव तत्त्व*** (पीएच.डी.) – डॉ. साध्वी ज्ञानप्रभा, पूना विश्वविद्यालय, पूना, महाराष्ट्र, सन् 1991, अप्रकाशित।

39. ***जैनदर्शन में ज्ञान का स्वरूप*** (पीएच.डी.) – डॉ. राजकुमारी जैन, निदेशक - डॉ. नन्दकिशोर शर्मा, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, सन् 1989, अप्रकाशित।

40. ***जैनदर्शन में द्रव्य की अवधारणा और कार्यकारण सम्बन्ध*** (पीएच.डी.) – डॉ. राजकुमार जैन।

41. ***जैनदर्शन में द्रव्य की अवधारणा का समीक्षात्मक अध्ययन*** (पीएच.डी.) – डॉ. साध्वी योगक्षेमप्रभा, निदेशक - डॉ. हरिशंकर पाण्डेय, जैन विश्वभारती वि.वि., लाडनूँ, सन् 2004, अप्रकाशित।

42. ***जैनदर्शन में द्रव्य स्वरूप*** (पीएच.डी.) – डॉ. साध्वी विद्युतप्रभा, निदेशक- डॉ. वाई.एस.शास्त्री, गुजरात वि.वि., अहमदाबाद, सन् 1994, प्रकाशित।

43. ***जैनदर्शन में नयवाद*** (पीएच.डी.) – डॉ. सुखनन्दन जैन, मेरठ विश्वविद्यालय, मेरठ, उ.प्र., सन् 1977, प्रकाशक-भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली - 110 003।

44. ***भारतीय दर्शन में परमाणुवाद : जैनदर्शन के विशेष सन्दर्भ में*** (पीएच.डी.) – डॉ. साध्वी ललिता, निदेशक - डॉ. एस. वर्मा, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर (म.प्र.), सन् 1977, अप्रकाशित।

45. ***जैनदर्शन में पंच परमेष्ठी का स्वरूप*** (पीएच.डी.) – डॉ. जगमोहिन्द्र सिंह, निदेशक - डॉ. धर्मचन्द्र जैन, कुरुक्षेत्र वि.वि., कुरुक्षेत्र, हरियाणा, सन् 1992, प्रकाशित।

46. ***जैनदर्शन में बन्ध–मोक्ष*** (लघु शोध प्रबन्ध) – डॉ. योगेशचन्द्र जैन, निदेशक - डॉ. प्रेमचन्द जैन, जयपुर, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, सन् 1984, प्रकाशित।

47. ***जैनदर्शन में रत्नत्रय : एक समीक्षात्मक अध्ययन*** (पीएच.डी.) – डॉ. साध्वी सुषमा, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, हरियाणा, 2002 अप्रकाशित।

48. ***जैनदर्शन में रत्नत्रय का स्वरूप*** (पीएच.डी.) – डॉ. नरेन्द्रकुमार जैन, सनावद (खरगौन), म.प्र., निदेशक - डॉ. प्रमोदकुमार, बिजनौर, उत्तरप्रदेश, एम.जे.पी. रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली, उत्तरप्रदेश, सन् 1987, प्रकाशित।

49. ***जैनदर्शन में सम्यक्त्व का स्वरूप*** (पीएच.डी.) – डॉ. साध्वी श्रीसुरेखा, राजस्थान वि.वि., जयपुर, राजस्थान, सन् 1985, प्रकाशित।

50. ***जैनदर्शन में सम्यग्दर्शन : एक समालोचनात्मक अध्ययन*** (पीएच.डी.) – डॉ. विनोद चिन्मय शास्त्री, निदेशक - डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी, डॉ. हरिसिंह गौर वि.वि., सागर, म.प्र., सन् 1997, अप्रकाशित।

51. ***जैनदर्शन में सृष्टि की अवधारणा एवं उसकी वैज्ञानिकता*** (शोध परिपत्र) – डॉ. (श्रीमती) कृष्णा जैन, सहायक प्राध्यापक-संस्कृत विभाग, द्वारा - एडवोकेट प्रकाशचन्द्र जैन, 204, साउथ एवेन्यू, पर्ल रेसीडेंसी, सीता मेनोर होटल के पीछे, गांधी रोड, ग्वालियर-474 002, म.प्र.।

52. ***जैनदर्शन में स्याद्वाद : एक समालोचनात्मक अध्ययन*** (पीएच.डी.) – डॉ. कंचन लोढ़ा, जोधपुर विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान, निदेशक- डॉ. प्रेम मिश्रा, दर्शन विभाग, जोधपुर वि.वि., जोधपुर, राजस्थान, सन् 1979, अप्रकाशित।

53. ***जैनदर्शने आत्मद्रव्यविवेचनम्*** (विद्यावारिधि) – डॉ. मुक्ताप्रसाद पटैरिया, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तरप्रदेश, सन् 1966, प्रकाशित।

54. ***जैनदर्शने मुक्तिमार्गः*** (लघु शोध) – सिंघई श्रीयांसकुमार, निदेशक- डॉ. शीतलचन्द जैन, राजस्थान वि.वि., जयपुर, राज., सन् 1982, प्रकाशित।

55. ***जैनदर्शन में अहिंसा*** (पीएच.डी.) – डॉ. बी.एन. सिंहा, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तरप्रदेश, सन् 1968, प्रकाशित।

56. ***जैनदर्शन में ईश्वर का स्वरूप*** (पीएच.डी.) – प्रो. कृष्ण ए. गोसावी, मुम्बई, जैन विश्वभारती वि.वि., लाडनूँ, नागौर, राजस्थान।

57. ***जैनधर्म में ईश्वर की अवधारणा का समालोचनात्मक अध्ययन*** (पीएच.डी.) – डॉ. कामना त्रिपाठी, बनारस हिन्दू वि.वि., वाराणसी, उ.प्र., सन् 2001, अप्रकाशित।

58. ***जैनधर्म में जगत् एवं ईश्वर स्वरूप मीमांसा (2 भाग)*** (पीएच.डी.) – डॉ. मुनि अरुण विजय, पूना विश्वविद्यालय, पूना, महाराष्ट्र, अप्रकाशित।

59. ***जैनधर्म में मार्गणा स्थान*** (पीएच.डी.) – डॉ. सुश्री सुनीता जैन, टीकमगढ़, निदेशक-डॉ. आर.एस. त्रिवेदी, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, म.प्र., सन् 2003, अप्रकाशित।

60. ***जैनधर्म में मोक्ष की अवधारणा*** (लघु शोध) – कु. श्रद्धा जैन, निदेशक - प्रो. पेमाराम, वनस्थली विद्यापीठ, वनस्थली (राज.), सन् 2002, अप्रकाशित।

61. ***जैनधर्म में समाधिमरण की धारणा*** (पीएच.डी.) – डॉ. रज्जनकुमार, निदेशक - डॉ. सागरमल जैन, बनारस हिन्दू वि.वि., वाराणसी, उ.प्र., सन् 1988, अप्रकाशित।

62. ***जैनदर्शन में सम्यक्त्व का स्वरूप*** (पीएच.डी.) – डॉ. साध्वी सुरेखा, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, सन् 1985, अप्रकाशित।

63. ***जैन न्याय तथा आधुनिक बहुपक्षीय तर्कशास्त्र*** (डी. फिल.) – डॉ. आशाकुमारी जैन, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, उत्तरप्रदेश, सन् 1974, अप्रकाशित।

64. ***जैन न्याय सम्मत स्मृति, प्रत्यभिज्ञा तथा तर्क प्रमाणों का अनुशीलन*** (पीएच.डी.) – डॉ. सुषमा जैन, सागर, निदेशक - डॉ. गणेशीलाल, डॉ. हरीसिंह गौर वि.वि., सागर, सन् 1991, अप्रकाशित।

65. ***जैन सम्मत द्रव्यस्वरूप विश्लेषण*** (पीएच.डी.) – डॉ. कमला जोशी, कुमायूं वि.वि., नैनीताल, उ.प्र., सन् 1991, अप्रकाशित।

66. ***दार्शनिक समन्वय की दृष्टि : जैन नयवाद*** (पीएच.डी.) – डॉ. अनेकान्त जैन, निदेशक - डॉ. दयानन्द भार्गव, जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय, लाडनूँ, नागौर, राजस्थान, सन् 2000, अप्रकाशित।

67. ***जैनदर्शन एवं विशिष्टाद्वैत दर्शनों में जीव तत्त्व का तुलनात्मक अध्ययन*** (लघु शोध) – श्रीमती अंजली सराफ, इन्दौर, निदेशक - प्रो. बेंजामिन खान, देवी अहिल्या वि.वि., इन्दौर, म.प्र., सन् 1997, अप्रकाशित।

68. ***भारतीय दर्शनपरम्परायां जैनदर्शनाभिमतदेवतत्त्वम्*** (पीएच.डी.) – डॉ. दामोदर शास्त्री, निदेशक - डॉ. लालबहादुर शास्त्री, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, दिल्ली, सन् 1976, प्रकाशित।

69. ***भारतीय दर्शन में अतीन्द्रिय ज्ञान मीमांसा*** (पीएच.डी.) – डॉ. वच्छराज दूगड़, मोहनलाल सुखाड़िया वि.वि., उदयपुर, राजस्थान, सन् 1991, अप्रकाशित।

70. ***भारतीय दर्शन में नास्तिकता : चार्वाक, बौद्ध तथा मीमांसा दर्शन के विशेष सन्दर्भ में*** (पीएच.डी.) – डॉ. ललिता देवी यादव, पटना विश्वविद्यालय, बिहार, सन् 1979, अप्रकाशित।

71. ***भारतीय दर्शन में सर्वज्ञवाद : जैनदर्शन के परिप्रेक्ष्य में*** (पीएच.डी.) – डॉ. प्रदीपकुमार जैन, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, निदेशक - डॉ. वाचस्पति उपाध्याय, सन् 1981, प्रकाशित।

72. ***भारतीय दर्शन का प्राणतत्त्व : स्याद्वाद*** (पीएच.डी.) – डॉ. मुनि पदमजी, राजस्थान वि.वि., जयपुर, राज., सन् 1992, प्रकाशित।

73. ***लेश्या : एक विवेचनात्मक अध्ययन*** (पीएच.डी.) – डॉ. शान्ता जैन मुमुक्षु, निदेशक - डॉ. नथमल टाटिया, जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय, लाडनूँ, नागौर, राज., सन् 1993, प्रकाशित।

74. ***वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जैनदर्शन की प्रासंगिकता*** (पीएच.डी.) – डॉ. भागचन्द्र जैन, निदेशक - डॉ. बीना अग्रवाल, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, सन् 2003, अप्रकाशित।

75. ***संस्कृत जैन साहित्य में उल्लिखित जैन नव तत्त्व*** (पीएच.डी.) – डॉ. साध्वी दर्शनशीला, निदेशक - डॉ. जी. जोशी, पूना विश्वविद्यालय, पूना, महाराष्ट्र, सन् 1978, अप्रकाशित।

76. ***सांख्य तथा जैन तत्त्व ज्ञान एवं आचार का तुलनात्मक अध्ययन*** (पीएच.डी.) – डॉ. रामकिशोर शर्मा, आगरा विश्वविद्यालय, आगरा, उत्तरप्रदेश, सन् 1974, अप्रकाशित।

77. *ए कम्परेटिव एण्ड क्रिटिकल स्टडी ऑव दि एथेक्सि ऑव बुद्धिज्म, जैनिज्म एण्ड भगवद् गीता* (पीएच.डी.) – डॉ. सेवाकुमारी शर्मा, बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर, बिहार, सन् 1967, अप्रकाशित।

78. *डॉक्ट्रीन ऑव मेटर इन जैनिज्म* (डी. लिट्.) – डॉ. जे.पी. सिकदर, विहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर, बिहार, सन् 1960, अप्रकाशित।

79. *दि कन्सेप्सन ऑव अहिंसा इन इण्डियन थाट टू संस्कृत सोर्सेज वैदिक, जैन एण्ड बुद्धिस्ट* (पीएच.डी.) – डॉ. कौशल्या बालि, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, उत्तरप्रदेश, सन् 1960, अप्रकाशित।

80. *दि कन्सेप्ट ऑव सब्सटेन्स इन जैना थॉट* (पीएच.डी.) – डॉ. विजय लक्ष्मी, निदेशक - डॉ. एम.एल. शर्मा, जोधपुर विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान, सन् 1979, अप्रकाशित।

81. *दि जैना कन्सेप्ट ऑव औमनिसाइन्स* (पीएच.डी.) – डॉ. रामजीसिंह, भागलपुर विश्वविद्यालय, बिहार, सन् 1966, प्रकाशित।

82. *दि नेचर ऑव सेल्फ इन जैना फिलासफी : ए कम्परेटिव स्टडी* (पीएच.डी.) – डॉ. एन. वसुपाल, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़, कर्नाटक, सन् 1981, अप्रकाशित।

83. *दी सांख्य योग एण्ड जैना थ्योरीज ऑव प्रमाण* (पीएच.डी.) – डॉ. इन्दुकला एच. झावेरी, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात, सन् 1953, अप्रकाशित।

84. *दि स्ट्रक्टर एण्ड फंक्शन ऑव सोल इन जैनिज्म* (पीएच.डी.) – डॉ. एस.सी. जैन, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तरप्रदेश, सन् 1974, अप्रकाशित।

85. *धर्मकीर्ति एण्ड अकलंक : ए स्टडी ऑव फारमर वाई दि लेटर* (पीएच.डी.) – डॉ. नागिनदास जे. शाह, निदेशक-पं. सुखलाल संघवी, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात, सन् 1965, अप्रकाशित।

86. ***सम फण्डामेण्टल प्राब्लम्स ऑव जैना फिलोसफी*** (पीएच.डी.) – डॉ. नथमल टाटिया, कलकत्ता वि.वि., कलकत्ता, सन् 1950, अप्रकाशित।

87. ***सल्लेखना : ए फिलोसॉफिकल स्टडी*** (पीएच.डी.) – डॉ. पी.बी. चौगुले, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, महाराष्ट्र, निदेशक - डॉ. ए.बी. दिगे, सन् 2002, अप्रकाशित।

88. ***सिद्धसेन दिवाकर : ए स्टडी विद स्पेशियल रेफरेन्स टू हिज सन्मति तर्क एण्ड अदर पब्लिस्ड द्वात्रिंशिकाज*** (पीएच.डी.) – डॉ. पिनाकी-प्रसाद नटवरलाल दवे, बम्बई विश्वविद्यालय, बम्बई, महाराष्ट्र, सन् 1963, अप्रकाशित।

89. ***A Critical and Comparative Study of the Jaina Conception of Mokśa*** (Ph.D.) - Dr. B.B. Rāyanāde, Banarasa Hindu University, Vārāṇasī, 1959, Unpublished.

90. ***Influence of Jainism on Sarvodaya Philosophy*** (Ph.D.) - Dr. Jāgadīśa Nārāyana Malika, Bihāra Uni., Muzaffarapura, Bihāra, 1966, Unpublished.

91. ***Jaina Darshana Vicharana*** (Ph.D.) - Dr. (Smt.) N. Jagṛti Sāha Gujarāta Uni., Ahmedābāda, 1990, Published.

92. ***The Jaina Conception of Atom/Ataman*** (Ph.D.) - Dr. Rekhā K. Śāha, Sup. - Dr. N.J. Śāha, Gujarāta Uni., Ahmedābāda; 1985, Unpublished.

93. ***The Jaina Theory of Perception*** (Ph.D.) - Dr. Puspa Bothara, Kolkātā Uni., Kolakātā, 1970, Published.

94. ***The Nature of Self in Jaina Philosophy : A Comparative Study*** (Ph.D.) - Dr. N. Vasupāla, Karnātaka University, Dharawada, 1981, Unpublished.

(ई) तत्त्वार्थसूत्र विषयक संदर्भ ग्रन्थ एवं शोध पत्रिकाएँ
Reference Books & Research Magazines of Tattvārthasūtra

1. ***अनेकान्त –*** (वर्ष 1, किरण 6-7), संपादक - पं. जुगलकिशोर मुख्तार, समन्तभद्राश्रम, करौलबाग, दिल्ली, सन् 1930।
2. ***अनेकान्त –*** (वीर शासनांक, वर्ष 3, किरण 1), संपादक-पं. जुगलकिशोर मुख्तार, समन्तभद्राश्रम, वीर सेवा मन्दिर, सरसावा, सहारनपुर, उत्तरप्रदेश, सन् 1940।
3. ***अनेकान्त –*** (महावीर निर्वाण विशेषांक, वर्ष 28, किरण 1), संपादक - पं. जुगलकिशोर मुख्तार, समन्तभद्राश्रम, वीर सेवा मन्दिर, सरसावा, सहारनपुर, उ.प्र., सन् 1975।
4. ***अष्टशती –*** आचार्य अकलंकदेव (7वीं सदी), प्रकाशक-गांधी नाथारंग जैन ग्रन्थमाला, सोलापुर।
5. ***अष्टसहस्री –*** आचार्य विद्यानन्दी (8वीं सदी), प्रकाशक-निर्णयसागर प्रेस, बम्बई, सन् 1915।
6. ***आध्यात्मिक मंगलाचरण*** (सभी शास्त्रों के मंगलाचरणों का विशेष संकलन/'तत्त्वार्थसूत्र की महिमा' आलेख), संकलनकर्त्ता-श्रीमती सुदर्शनदेवी अग्रवाल, प्रकाशक-अग्रवाल परिवार, 17/2, साउथ तुकोगंज, हुकमचन्द घण्टाघर के पीछे, इन्दौर, म.प्र., प्र.सं.-सन् 2008, पृष्ठ-191।
7. ***आप्तमीमांसा –*** आचार्य समन्तभद्र (2री सदी), प्रकाशक-भारतवर्षीय अनेकान्त विद्वत् परिषद्, सोनागिरि, दतिया, म.प्र., सन् 1989-90।
8. ***कानजीस्वामी हीरक जयंती अभिनन्दन ग्रन्थ,*** संपादक-पं. फूलचन्द्र सिद्धान्तशास्त्री, प्रकाशक-दिगम्बर जैन मुमुक्षु मण्डल, मुम्बई, महाराष्ट्र, सन् 1964, कुल पृष्ठ-656, पं. अमृतलाल शास्त्री का आलेख।
9. ***चन्दननी सुवास*** (गुजराती/भाग-2), शुभंकर विजय, संपादक-आचार्य सूर्योदय सूरि, प्रकाशक-छोटालाल रवजी जादवजी पारेख, मद्रास, पृष्ठ-96।

10. ***जिन सरस्वती*** – मुनि प्रशान्तसागर, प्रकाशक-धर्मोदय साहित्य प्रकाशन, सागर, म.प्र., नवम् संस्करण-सन् 2012, पृष्ठ-278।
11. ***जैन तत्त्वबोध*** – मुनि समतासागर, प्रकाशक-गुरुवर साहित्य प्रकाशन, कटनी, म.प्र., प्र.सं.-सन् 2008, पृष्ठ-402।
12. ***जैन तत्त्वविद्या*** – मुनि प्रमाणसागर, प्रकाशक-भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण-सन् 2000, पृष्ठ-446।
13. ***जैनदर्शन और प्रमाणशास्त्र परिशीलन*** – लेखक - डॉ. दरबारीलाल कोठिया, सम्पादक-डॉ. गोकुलचन्द्र जैन, प्रकाशक-वीर सेवा मन्दिर ट्रस्ट, वाराणसी, उत्तरप्रदेश, प्रथम संस्करण-सन् 1980, पृष्ठ-28+544।
14. ***जैनधर्म और दर्शन*** – मुनि प्रमाणसागर, प्रकाशक-ज्ञानचन्द संतोषकुमार इमलिया, ललितपुर, उ.प्र., पंचम संस्करण-सन् 1999, पृष्ठ-338।
15. ***जैनधर्म का प्राचीन इतिहास*** (भगवान महावीर और उनकी संघ-परम्परा, द्वितीय भाग) सम्पादक-पं. परमानन्द जैन शास्त्री, प्रकाशक-गजेन्द्र पब्लिकेशन, 2578-गली पीपलवाली, धर्मपुरी, दिल्ली-6, पृष्ठ-578।
16. ***जैनधर्म, दर्शन एवं संस्कृति (भाग-7),*** 'क्या तत्त्वार्थसूत्र स्त्रीमुक्ति का..', आलेखक एवं सम्पादक-डॉ. सागरमल जैन, पार्श्वनाथ विद्यापीठ, वाराणसी, उ.प्र., सन् 2008, पृष्ठ-224।
17. ***जैन परम्परा और यापनीय संघ*** (तीन खण्ड) – लेखक - प्रो. (डॉ.) रतनचन्द्र जैन, ए-2, मानसरोवर, शाहपुरा, भोपाल-462 039, म.प्र., मो. 094250-18066, फोन-0755-2424666, प्रकाशक-सर्वोदय जैन विद्यापीठ, 1/205, प्रोफेसर्स कॉलोनी, आगरा-282 002, उत्तरप्रदेश, प्रथम संस्करण-सन् 2009।
18. ***जैन भारती (हिन्दी)*** – गणिनी आर्यिका ज्ञानमती, प्रकाशक-दिगम्बर जैन त्रिलोक शोध संस्थान, हस्तिनापुर उ.प्र., नवम् संस्करण-सन् 2012, पृष्ठ-272।
19. ***जैन धर्म का यापनीय सम्प्रदाय*** – लेखक - डॉ. सागरमल जैन, प्रकाशक - पार्श्वनाथ विद्यापीठ, आई.टी.आई. रोड, करौंदी, वाराणसी, उत्तरप्रदेश, सन् 1996।

20. ***जैन शिलालेख संग्रह*** (भाग-1/श्रवणबेलगोल और उसके आसपास के शिलालेख) – संग्रहकर्त्ता - प्रो. डॉ. हीरालाल जैन, प्रकाशक-(1) माणिकचन्द्र दिगम्बर जैन ग्रन्थमाला समिति, प्रथम संस्करण - सन् 1927, पृष्ठ-28+544, (2) भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, द्वितीय संस्करण-2006, पृष्ठ-108+464।
21. ***जैन साहित्य और इतिहास*** – पं. नाथूराम प्रेमी, संशोधित साहित्यमाला, ठाकुर द्वार, मुम्बई-2, महाराष्ट्र, द्वितीय संस्करण, सन् 1956।
22. ***जैन साहित्य और इतिहास पर विशद प्रकाश*** – पं. जुगलकिशोर मुख्तार, वीर शासन संघ, कलकत्ता, सन् 1956, पृष्ठ-740।
23. ***जैन साहित्य का इतिहास*** (भाग 1 एवं 2) – सिद्धान्ताचार्य पं. कैलाशचन्द्र शास्त्री, श्री गणेशप्रसाद वर्णी जैन ग्रन्थमाला, वाराणसी, उ.प्र., वीर निर्वाण संवत् 2502।
24. ***जैनेन्द्र सिद्धान्त कोश*** (5 भाग), क्षुल्लक जिनेन्द्र वर्णी, प्रकाशक-भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, आठवाँ संस्करण-सन् 2003, पृष्ठ-भाग I-504, भाग II-644, भाग III-634, भाग IV-548, भाग V-304।
25. ***तत्त्वमीमांसा*** (गुजराती), संपादक-सुनन्दा बहेन वोरा, प्रकाशक-लीलाबहेन, अहमदाबाद, वि.सं. 2051, पृष्ठ-412।
26. ***तत्त्वार्थकर्तृ–तन्मतनिर्णय याने श्री तत्त्वार्थसूत्र के कर्त्ता श्वेताम्बर हैं या दिगम्बर?*** सागरानन्द सूरि, प्रकाशक - श्री ऋषभदेव केशरीमल श्वेताम्बर संस्था, रतलाम, वि.सं. 1993, सन् 1936, पृष्ठ-180।
27. ***तत्त्वार्थराजवार्तिक परिशीलन*** (आचार्य अकलंकदेव विरचित 'तत्त्वार्थराजवार्तिक' ग्रन्थ पर मुनि सुधासागर महाराज के सान्निध्य में सन् 2010, टोंक, राजस्थान में आयोजित राष्ट्रीय विद्वत् संगोष्ठी में पठित आलेख संग्रह), संपादक - डॉ. जयकुमार जैन, मुजफ्फरनगर, प्रा. अरुणकुमार जैन, ब्यावर, राजस्थान, प्रकाशक - आचार्य ज्ञानसागर वागर्थ विमर्श केन्द्र, 94-भजन नगर, अजमेर रोड, ब्यावर, अजमेर,

राजस्थान एवं भगवान् ऋषभदेव ग्रन्थमाला, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर संघीजी, सांगानेर-302 029, जयपुर, राजस्थान, प्रथम संस्करण-सन् 2014, पृष्ठ-446।

28. ***तत्त्वार्थवृत्ति : एक अध्ययन*** (हिन्दी आलेख) – प्रो. उदयचन्द्र जैन सर्वदर्शनाचार्य, वाराणसी, उ.प्र., डॉ. महेन्द्रकुमार जैन, न्यायाचार्य स्मृति ग्रन्थ/3- कृतियों की समीक्षा खण्ड, पृष्ठ-9।

29. ***'तत्त्वार्थश्रद्धानम्–सम्यग्दर्शनम्' अेटले शुं?*** (गुजराती आलेख) - श्री सन्तबाल, पृष्ठ-2।

30. ***तत्त्वार्थश्लोकवार्तिक अनुशीलन*** (आचार्य श्री विद्यानन्द स्वामी विरचित 'तत्त्वार्थश्लोकवार्तिक' ग्रन्थ पर मुनि श्री सुधासागर महाराज के सान्निध्य में सन् 2011, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, लार्डगंज, जबलपुर, म.प्र. में सम्पन्न हुई राष्ट्रीय विद्वत् संगोष्ठी में पठित आलेखों का संग्रह), सम्पादक - डॉ. अशोककुमार जैन, वाराणसी, प्रकाशक - भगवान् ऋषभदेव ग्रन्थमाला, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर संघीजी, सांगानेर-302 029, जयपुर, राजस्थान एवं आचार्य ज्ञानसागर वागर्थ विमर्श केन्द्र, 94-भजन नगर, अजमेर रोड, ब्यावर, अजमेर, राजस्थान, प्रथमावृत्ति-2013, पृष्ठ-576।

31. ***तत्त्वार्थसार*** (हिन्दी आलेख) – पं. बालचन्द्र सिद्धान्तशास्त्री, आचार्य श्री शान्तिसागर जन्म शताब्दी महोत्सव स्मृति ग्रन्थ, पृष्ठ-215 से 222 तक।

32. ***तत्त्वार्थसूत्र और उनकी टीकाएँ*** (हिन्दी आलेख) - पं. फूलचन्द्र सिद्धान्त-शास्त्री, वाराणसी, उ.प्र., आचार्य श्री शान्तिसागरजी जन्म शताब्दी महोत्सव स्मृति ग्रन्थ, शान्तिसागर दिगम्बर जैन जिनवाणी जीर्णोद्धारक संस्था, फलटण, महाराष्ट्र, सन् 1973, पृष्ठ-37 से 56 तक।

33. ***तत्त्वार्थसूत्रना कर्त्ता कोण ? श्वेताम्बर के दिगम्बर*** (गुजराती) - बी.टी. परमार, संपादक-मुनि अक्षयचन्द्रसागर, प्रकाशक-आगमोद्धारक प्रतिष्ठान, छाणी, वी.नि.सं. 2463, पृष्ठ-108।

34. ***तत्त्वार्थसूत्र निकष*** (मुनि प्रमाणसागर महाराज के सान्निध्य में सम्पन्न तत्त्वार्थसूत्र-संगोष्ठीगत आलेख संकलन) - सम्पादन-डी. राकेश जैन, सर्वोदय जैन विद्यापीठ, सागर एवं पं. निहालचन्द जैन, पूर्व प्राचार्य, बीना, सागर, म.प्र., प्रकाशक-महावीर दिगम्बर जैन पारमार्थिक संस्था सतना, श्री दिगम्बर जैन समाज, सतना, म.प्र., प्रथम संस्करण-सन् 2005, पृष्ठ-30+274।

35. ***तत्त्वार्थसूत्र में गुणव्रत*** (शोध आलेख) – डॉ. जयकुमार जैन, मुजफ्फरनगर, उ.प्र., अनेकान्त, अक्टूबर-दिसम्बर-2007, वीर सेवा मन्दिर, 21-दरियागंज, नई दिल्ली-110 002, पृष्ठ-31 से 41 तक।

36. ***तत्त्वार्थसूत्र में प्रमाण–नय मीमांसा –*** डॉ. जयकुमार जैन, मुजफ्फरनगर, उत्तरप्रदेश, अनेकान्त (त्रैमासिक, जनवरी-जून 2003), वीर सेवा मन्दिर ट्रस्ट, 21-दरियागंज, नई दिल्ली-2, पृष्ठ-69 से 84 तक।

37. ***तत्त्वार्थाधिगम सूत्र*** (सम्प्रदाय, अर्थ, विवेचन, भाषा, सन्दर्भ, परम्परा आदि आश्रित विविध प्रकाशनों की डीवीडी/कुल72किताबें+12 आलेख/ 'तत्त्वार्थसूत्र' की माहिती का आधारस्रोत)-प्रवीणभाई शाह www.jainelibrary.org; www.jain_e_library.org, डीवीडी प्रकाशन- सन् 2014। **नोट–**इस डीवीडी में संग्रहीत जानकारियों के आधार पर श्वेताम्बर परम्परा में 'तत्त्वार्थसूत्र' पर निम्न टीकाओं की सूचना प्राप्त होती है -(1) आचार्य उमास्वाति कृत स्वोपज्ञ भाष्य (2200 श्लोक प्रमाण), (2) सिद्धसेन गणी कृत भाष्यानुसारिणी टीका (18202 श्लोक प्रमाण), (3) हरिभद्र सूरि कृत टीका (11000 श्लोक प्रमाण), (4) चिरन्तन मुनि (14वींशती) - तत्त्वार्थ टिप्पण, (5) प्रथम अध्याय पर महोपाध्याय यशोविजय कृत भाष्यतर्कानुसारिणी टीका, (6) दर्शन सूरि कृत भाष्यतर्कानुसारिणी टीका के ऊपर अति विस्तृत टीका, (7) यशोविजय गणी (17-18वीं शती) कृत गुजराती टबा, (8) सम्बन्ध कारिका के ऊपर देवगुप्त सूरि कृत टीका, (9) सम्बन्ध कारिका एवं अन्तिम कारिका के ऊपर सिद्धसेन गणी कृत

टीका, (10) वृद्धवादि के शिष्य सिद्धसेन दिवाकर (सन्मति रचनाकार), उपाध्याय यशोविजय, वाचक यशोविजय, दिन्न गणी के शिष्य - सिंहसूरि के शिष्य - भास्वामी के शिष्य सिद्धसेन कृत 'तत्त्वार्थ भाष्यवृत्ति', मलयगिरि कृत टीकाओं आदि का उल्लेख भी मिलता है।

38. ***तीर्थंकर महावीर और उनकी आचार्य परम्परा*** (4 खण्ड) – डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री ज्योतिषाचार्य, प्रकाशक-आचार्य शान्तिसागर छाणी ग्रन्थमाला, बुढ़ाना, मुजफ्फरनगर, उत्तरप्रदेश, सन् 1992, पृष्ठ- खण्ड I-662, खण्ड II-480, खण्ड III-472, खण्ड IV-516।

39. ***प्रभुदास बेचरदास पारेख अभिनन्दन ग्रन्थ*** (गुजराती), हर्ष पुष्पामृत जैन ग्रन्थमाला, शान्तिपुरी, पृष्ठ-196।

40. ***प्रशमरति प्रकरण*** (संस्कृत), उमास्वाति, सम्पादक - प्रो. राजकुमार साहित्याचार्य, जैन कॉलेज, बड़ौत (मेरठ), प्रकाशक-श्री परमश्रुत प्रभावक मण्डल, श्रीमद् राजचन्द्र आश्रम, अगास, वाया-आणन्द, पोस्ट-बोरिया-388 130, गुजरात, द्वितीयावृत्ति-वि.सं. 2044, पृष्ठ-20+238।

41. ***बार भावना शब्दश विवेचन*** (गुजराती), प्रवीणचन्द्र खीमजी मोता, प्रकाशक-गीतार्थ गंगा, अहमदाबाद, वि.सं. 2069, पृष्ठ-140।

42. ***भारतीय विद्या*** (हिन्दी, भाग-3), आलेखक-नाथूराम प्रेमी, संपादक-मुनि जिनविजय, प्रकाशक-भारतीय विद्या भवन, मुम्बई, वि.सं.-2001, पृष्ठ-273।

43. ***यशोविजय स्मृति ग्रन्थ*** (गुजराती, मा.) 'तत्त्वार्थ गीत - बालाव-बोध)-भंवरलाल नाहटा, संपा.-मुनि यशोविजय, प्रका.-यशोभारती प्रकाशन समिति, बडोदरा, सन् 1957, पृष्ठ-489।

44. ***यापनीय और उनका साहित्य*** – श्रीमती डॉ. कुसुम पटोरिया, प्रकाशक-वीर सेवा मन्दिर ट्रस्ट, बी-32/13बी, नरिया, बनारस हिन्दू विश्व-

विद्यालय, वाराणसी-5, उ.प्र., प्रथम संस्करण-1988, पृष्ठ-14+258

45. ***विश्वविज्ञान प्राचीन अने नवीन*** (गुजराती), दिव्यकीर्तिविजय, सन्मार्ग प्रकाशन, अहमदाबाद, गुजरात, वि.सं. 2050, पृष्ठ-226।

46. ***शाश्वती ओलीनां तात्त्विक व्याख्यानो*** (गुजराती, भाग 2), आनन्दसागर सूरि, कैलास कंचन भावसागर श्रमण संघ सेवा ट्रस्ट, बंबई, महाराष्ट्र, सन् 1974, पृष्ठ-142।

47. ***सत्य–गवेषणा*** (तत्त्वार्थसूत्र विषयक स्मारिका/द्वितीय राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी, सलूम्बर, राजस्थान/स्वतंत्रता के सूत्र (मोक्षशास्त्र) के परिप्रेक्ष्य में विज्ञान) सम्पादक-प्रभातकुमार जैन, मुजफ्फरनगर, राजमल पाटौदी, कोटा एवं रघुवीर सिंह जैन, मुजफ्फरनगर, प्रकाशक-सकल दिगम्बर जैन समाज सलूम्बर, राजस्थान एवं धर्म, दर्शन, विज्ञान शोध प्रकाशन, दिगम्बर जैन अतिथि भवन के निकट, बड़ौत, मेरठ, उ.प्र., प्रथमावृत्ति-सन् 1999, पृष्ठ-12+102।

48. ***सर्वार्थसिद्धि : समालोचनात्मक अनुशीलन*** (हिन्दी आलेख) - डॉ. देवेन्द्रकुमार शास्त्री, नीमच, सिद्धान्ताचार्य पं. फूलचन्द्र शास्त्री अभिनन्दन ग्रन्थ, सन् 1985, पंचम खण्ड, पृष्ठ-622 से 625 तक।

49. ***सल्लेखना : एक अनुचिंतन एवं तत्त्वार्थ सूत्र अर्थ सहित*** (हिन्दी), रमेशचन्द्र जैन, प्रकाशक-झमकलाल टाया, उदयपुर, सन् 1989, पृष्ठ-138।

50. ***सिद्धान्ताचार्य पण्डित कैलाशचन्द्र शास्त्री अभिनन्दन ग्रन्थ***–सम्पादक -वागीश शास्त्री, सिद्धान्ताचार्य पं. कैलाशचन्द्र शास्त्री अभिनन्दन समिति, रीवा, म.प्र., प्रथम संस्करण-सन् 1980, पृष्ठ-580।

51. ***Pratisthā Mahotsav Souvenir*** - Pro. S. A. Jaina, Pub.-Jaina Society Metropolitan, Chicago, USA, 1995, P-348.

(उ) तत्त्वार्थसूत्र सम्बन्धी साहित्य–इन्टरनेट पर

Literature of Tattvārthasūtra in Internet

[संदर्भ- (1) www.atmadharma.com (2) www.jainlibrary.com. (3) www.sanskritdocuments.org/TFIC]

1. ***तत्त्वार्थसूत्र*** – हिन्दी टीकाकार-पं. कैलाशचन्द्र शास्त्री, संयोजक - डॉ. शेखरचन्द जैन, अहमदाबाद, प्रकाशक-प्रकाशचन्द्र सुलोचना जैन, सैनहॉजे, कैलिफोर्निया, यू.एस.ए., प्राप्तिस्थान-हीराचन्द जैन, कंचन भवन, वैशाली नगर, अजमेर, राजस्थान, सन् 2006, पृष्ठ-20+222।
2. ***तत्त्वार्थसूत्र*** – पं. बिमलकुमार शास्त्री, जैन पुस्तक भवन, कलकत्ता, पृष्ठ-63।
3. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (गुजराती व्याख्या सहित) – विवेचक-पं. सुखलाल, प्रकाशक-श्री जैन साहित्य प्रकाशन समिति, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद-380 094, गुजरात, सन् 1977, पृष्ठ-666।
4. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (संक्षिप्त हिन्दी अनुवाद) – सम्पादक - मुनि अमोलकचन्द अखिलेश, प्रकाशक-श्री सन्मति ज्ञानपीठ, लोहामण्डी, आगरा, उ.प्र., पंचम संस्करण-सन् 2001, पृष्ठ-102।
5. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (प्रबोध टीका/अध्याय 1) – प्रबोध टीकाकर्त्ता - मुनि दीपरत्नसागर, प्रकाशक-अभिनव श्रुत प्रकाशन, द्वारा-प्र.जे. महेता, प्रधान डाकघर के पीछे, जामनगर-361 001, गुजरात, वि.सं. 2047, पृष्ठ-258।
6. ***तत्त्वार्थसूत्रम्*** – (फोल्डर नं. 1074)
7. ***तत्त्वार्थ की दिगम्बर टीकाओं में आगम और निर्ग्रन्थता की चर्चा*** – दलसुखभाई मालवणिया, लालभाई दलपतभाई प्राच्य भारतीय विद्या मंदिर, अहमदाबाद, गुजरात, पृष्ठ-135-139।
8. ***तत्त्वार्थवृत्ति और श्रुतसागर सूरि*** – डॉ. महेन्द्रकुमार जैन न्यायाचार्य स्मृति ग्रन्थ, खण्ड 4/विशिष्ट निबन्ध, महेन्द्रकुमार जैन स्मृति ग्रन्थ प्रकाशन समिति, दमोह, सन् 1996, पृष्ठ-185 से 254।
9. ***तत्त्वार्थसूत्र और उसकी परम्परा*** – डॉ. सागरमल जैन, सोहनलाल स्मारक पार्श्वनाथ शोधपीठ वाराणसी, उ.प्र., सन् 1994, पृष्ठ-162।

10. ***तत्त्वार्थसूत्र का महत्त्व*** - पं. बंशीधर व्याकरणाचार्य, सरस्वतीवरदपुत्र पं. बंशीधर व्याकरणाचार्य अभिनन्दन ग्रन्थ, खण्ड-5, साहित्य और इतिहास, सन् 1989, पृष्ठ-कुल 600, पृष्ठ-7 से 11, एवं 'अनेकान्त' (वर्ष 12, अंक 4, सितम्बर 1953)।

11. ***तत्त्वार्थसूत्र जैनागम समन्वय*** – उपाध्याय मुनि आत्माराम (पंजाबी), प्रकाशक-(1) लाला शादीराम गोकुलचन्द जौहरी, चाँदनी चौक, देहली, प्रथम संस्करण-सन् 1934, वी.नि.सं. 2461, पृष्ठ-2+16+288; (2) श्रीमती रत्नदेवी जैन, ज्ञान मन्दिर, लुधियाना, द्वितीयावृत्ति-सन् 1941, पृष्ठ-51+288; (3) शालीमार बाग, नई दिल्ली, सन् 2004।

12. ***तत्त्वार्थसूत्र टीका : एक समीक्षा*** – डॉ. पन्नालाल साहित्याचार्य, सागर, सिद्धान्ताचार्य पं. फूलचन्द शास्त्री अभिनन्दन ग्रन्थ, सन् 1985, पृष्ठ-616-618।

13. ***तत्त्वार्थसूत्रना आगम आधार स्थानो*** (गुजराती) - आगम पाठ संशोधक मुनि दीपरत्नसागर, प्रकाशन-अभिनव प्रकाशन, द्वारा- प्र. जे. महेता, प्रधान डाकघर के पीछे, जामनगर-361 001, गुजरात, सन् 1991, पृष्ठ-118।

14. ***तत्त्वार्थसूत्र में निहित ज्ञानचर्चा : कुछ निरीक्षण*** (अखिल भारतीय दर्शन परिषद, 57वाँ अधिवेशन, पारनेर, महाराष्ट्र में 12 से 14 जनवरी, 2013 को प्रस्तुत) – डॉ. कौमुदी बलदोटा, 203-बी-बिल्डिंग, गीत गोविन्द हाउसिंग सोसायटी, महर्षि नगर, पुणे-37, महाराष्ट्र, पृष्ठ-14।

15. ***तत्त्वार्थाधिगमसूत्राणि – Tattvārthasūtrāṇī (Aphorism for the comprehensions of Jaina Fundamentals)*** - Cal. D.S. Bayā 'sreyas', Editior - Dr. Sāgaramala Jaina, Pub. Āgama, Ahiṁsā, Samatā Evam Prākṛta Saṁsthāna, Udaipura, Rāj., 2004, P. 242.

16. ***मोक्षशास्त्र अर्थात् तत्त्वार्थसूत्र*** (गुजराती) - रामजी मानेकचन्द्र दोशी, श्री कानजी स्वामी स्मारक ट्रस्ट, लाम रोड, देवलाली, महाराष्ट्र।

17. ***श्रीतत्त्वार्थसूत्रम्*** (हिन्दी-गुजराती भाषानुवाद सहित/प्रथम भाग/दीपिका एवं निर्युक्तिद्वय व्याख्या सहित) - व्याख्याकार-जैनाचार्य घासीलाल, नियोजक-मुनि कन्हैयालाल, प्रकाशक-शांतिलाल मंगलदास भाई, अ.भा.

श्वे. स्था. जैन शास्त्रोद्धारक समिति, गरेडिया कुआँ रोड, राजकोट, गुजरात, प्रथमावृत्ति-1973।

18. ***श्रीतत्त्वार्थसूत्रम्*** (हिन्दी-गुजरती भाषानुवाद सहित/द्वितीय भाग/दीपिका एवं निर्युक्तिद्वय व्याख्या सहित) – व्याख्याकार-जैनाचार्य घासीलाल, नियोजक-मुनि कन्हैयालाल, प्रकाशक- लाभु बहेन धर्मपत्नी प्रभुलाल दोशी, अ.भा. श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन शास्त्रोद्धारक समिति, राजकोट, सन् 1973, पृष्ठ-895।

19. ***सभाष्य तत्त्वार्थाधिगम सूत्र में प्रत्यक्ष प्रमाण*** – डॉ. श्रीप्रकाश पाण्डेय, निर्ग्रन्थ, Vol. III, सन्-1997-2002, पृष्ठ-251-266।

20. ***सभाष्य तत्त्वार्थाधिगम सूत्र में प्रत्यक्ष प्रमाण*** – डॉ. श्रीप्रकाश पाण्डेय, यतीन्द्रसागर सूरि स्मारक ग्रन्थ/जैन दर्शन, पृष्ठ-27 से 38।

21. ***Some Amphibious Expressions in Umāsvāti*** - Dr. M.P. Mordhe, Dept. at Philosophy, University of Pune, Mah., श्री पुष्कर मुनि अभिनन्दन ग्रन्थ, षष्ट खण्ड, पृष्ठ-659-665।

22. ***Studies on Biology in Tattvāratha Sūtra (Fomulae on Reals)*** - N.L. Jaina, Jaina Kendra, Rewā, M.P., Pub. - Glory of Jaina Culture, P. 17-34.

23. ***Tattvārthasūtra*** - A Treatise on the A Essentials of Jainism) Originally Edited by - (Late) J.L. Jainī, Pub. - Bairister Champata Rai Jaina Trust, Delhi, 1956, P. 187.

24. ***Tattvārthasūtra*** (Translation with Commentry) - Manu Dośī (Manasukhalala Amṛtalāla Dośī), Pub.-Federation of Jaina Association in North America, Jaina Book Depot, 505-African Road, Vestal NY-13580, USA & Śruta Ratnākara, 104, Sarap, Near Gujarāta Vidyāpītha, Āśhrams Road, Ahmedabāda, Gujarāta, 2007, Pages-276.

23. ***Tattvārthasūtra तत्त्वार्थसूत्र*** (with Hindī & English Translation) - Edited by-Vijaya K. Jaina, Vikalpa Printers, Anekānta Palace, 29, Rājapura Road, Deharādūna-248 001, Uttarākhanda, 2011, P. 177.

(ऊ) तत्त्वार्थसूत्र सम्बन्धी प्रमुख हस्तलिखित पाण्डुलिपियाँ
Main Manuscripts of Tattvārthasūtra

1. ***अर्थ प्रकाशिका*** (हिन्दी वचनिका) – 'जैन सिद्धान्त भवन ग्रन्थावली' (भाग-2), सम्पादक-ऋषभचन्द्र जैन फौजदार, क्र. 1075, ग्रन्थ क्र.-ज/1, पृष्ठ-14-15, परिशिष्ट पृष्ठ-23, आकार-33.4 x18.9 से.मी., प्रकाशक एवं उपलब्धि स्थान-श्री देवकुमार जैन प्राच्य ग्रन्थागार, श्री जैन सिद्धान्त भवन, आरा-802 301, बिहार, प्रथम संस्करण-सन् 1987, पृष्ठ-16+310।
2. ***अर्थ प्रकाशिका*** (हिन्दी वचनिका) – पं. सदासुखदास कासलीवाल, 'अनेकान्त भवन ग्रन्थ रत्नावली' (भाग 1-2-3), सम्पादक-ब्र. सन्दीप जैन, 'सरल', प्रकाशक एवं ग्रन्थ भण्डार-अनेकान्त ज्ञान मन्दिर शोध संस्थान, श्रुतधाम, खुरई रोड, बीना-470 113, सागर मध्यप्रदेश, (भाग 1) क्र.-257, ग्रन्थ भण्डार सं. 4047, पत्र संख्या-395; आकार-22x19 से.मी., पृष्ठ-17-18, प्राचीन प्रतिलिपिकाल-विक्रम संवत् 1961; (भाग 2) क्र. 284, 1195; (भाग 3) क्र. 686-687, 5357, 5416; भाग 1-2, प्र.सं.-सन् 2000, कुल पृष्ठ-206; भाग-3, प्र.सं.-सन् 2001, कुल पृष्ठ-240। ***विशेष :–*** श्री दिगम्बर जैन सिद्धकूट चैत्यालय, अजमेर (राज.), श्री दिगम्बर जैन मन्दिर बमराना (म.प्र.), जौला (उ.प्र.) तथा कवाल (उ.प्र.) के शास्त्र भण्डारों से क्रमश ये प्रतियाँ संकलित हुई हैं।
3. ***अर्हत् प्रवचन*** (संस्कृत/5 अध्याय) – x अनेकान्त ज्ञान मन्दिर शोध संस्थान, बीना (सागर) म.प्र. के भण्डार में क्र. 7726 पर पत्र सं.-370-371, आकार - 16 x 24 से.मी. वाली प्रति पं. कुन्दनलाल, दिल्ली के संग्रह से संकलित हुई हैं।
4. ***अर्हत् प्रवचन व्याख्या*** (संस्कृत) – आचार्य प्रभाचन्द्र, पत्र सं. 2, आकार-18 x 18 से.मी., श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, टोडारायसिंह (टोंक) राजस्थान से प्रति अनेकान्त ज्ञान मन्दिर शोध संस्थान, बीना (सागर) म.प्र. में

संग्रहीत है। इसी भण्डार में 'लघु तत्त्वार्थसूत्र' के नाम से प्रभाचन्द्र कृत संस्कृत टीका वाली 7 हस्तलिखित प्रतियाँ क्र. 7234, 7358, 7442, 7620, 8107, 8199 एवं 8701 पर विभिन्न स्थानों से लाकर संरक्षित हुई हैं। इन्हें ही संभवतः 'अर्हत् प्रवचन' भी कहा जाता होगा।

5. ***गन्धहस्तिभाष्य वृत्ति*** (84,000 श्लोक प्रमाण) – वादिगजगन्धहस्ती सिद्धसेन दिवाकर, सन्दर्भ - 'जिनरत्नकोश' (अंग्रेजी/एन अल्फावेटिकल रजिस्टर ऑफ जैन वर्क्स एण्ड आथर्स, वॉल्यूम-I, सम्पादक-हरि दामोदर वेलणकर, प्रकाशक-भाण्डारकर ओरियण्टल रिसर्च इंस्टीट्यूट, पूना, प्रथम संस्करण-सन् 1944, कुल पृष्ठ संख्या-475 के पृष्ठ-155, 'जैन ग्रन्थावली', 'ए लिस्ट ऑफ जैन वर्क्स', प्रकाशक-जैन श्वेताम्बर कॉन्फ्रेन्स, पायधुनी, बम्बई, सन् 1909, पृष्ठ-88; ए लिस्ट ऑफ दि थर्ड कलेक्शन ऑफ डॉ. कैलहॉर्न', 'कलेक्शन ऑफ 1881-82', नं. 7, 'अनेकान्त'-I, पृष्ठ-216-219।
6. ***गन्धहस्तिमहाभाष्य*** (84,000 श्लोक प्रमाण) – समन्तभद्र, सन्दर्भ- 'जिनरत्न-कोश' पृष्ठ-155, शेष विवरण पूर्ववत्, 'जैन ग्रन्थावली', पृष्ठ-88।
7. ***तत्त्व कौस्तुभ*** (केवल 7वाँ अध्याय/राजवार्तिक का अंश) – अकलंक, संदर्भ - 'जिनरत्नकोश' पृष्ठ 152, शेष विवरण पूर्ववत्, 'Kath. ए लिस्ट ऑफ मेन्यु.' (कलेक्शन ऑफ 1895-1902) प्रो. ए.बी. कथावटे, नम्बर-1070।
8. ***तत्त्व कौस्तुभ*** (तत्त्वार्थ राजवार्तिक की हिन्दी गद्य टीका) – पं. पन्नालाल पाण्ड्या, 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (पंचम भाग), सम्पादक-डॉ. कस्तूरचन्द कासलीवाल व पं. अनूपचन्द न्यायतीर्थ, प्रकाशक-मंत्री - प्रबन्धकारिणी कमेटी, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीरजी, महावीर भवन, सवाई मानसिंह हाइवे, जयपुर-3, राज., प्र. सं.-सन् 1972, पृष्ठ क्र.-41, ग्रन्थ क्र.-412, पत्र सं.-874, आकार- 12x7½ इंच, रचनाकाल-वि.सं. 1934, वेष्टन सं. 136-137, श्री दिगम्बर जैन पंचायती मन्दिर, अलवर, राजस्थान में उपलब्ध प्रति।

9. ***तत्त्व कौस्तुभ*** (तत्त्वार्थ राजवार्तिक की हिन्दी गद्य टीका) – पं. पन्नालाल संघी, 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (चतुर्थ भाग), सम्पादन-डॉ. कस्तूरचन्द कासलीवाल एवं पं. अनूपचन्द न्यायतीर्थ, प्रकाशक-मंत्री - प्रबन्धकारिणी कमेटी, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीरजी, महावीर भवन, सवाई मानसिंह हाइवे, जयपुर, राजस्थान, प्रथम संस्करण-सन् 1962, पृष्ठ क्र.-20, ग्रन्थ क्र.-207, पत्र सं.-727, आकार-12x7½ इंच, लेखन काल-वि.सं. 1944, वेष्टन सं.-271, बाबा दुलीचन्द का शास्त्र भण्डार, श्री दिगम्बर जैन बड़ा तेरहपंथी मन्दिर, जयपुर, राजस्थान में उपलब्ध प्रति में प्रथम से चतुर्थ अध्याय तक। इसी पृष्ठ पर प्रति सं. 2, क्रमांक-208, पत्र सं.-546, लेखन काल-वि.सं. 1945, वेष्टन सं.-272 में अध्याय पंचम से दशम तक हिन्दी टीका है। विशेष - अनेकान्त ज्ञान मन्दिर शोध संस्थान, बीना (सागर) म.प्र. के हस्तलिखित ग्रन्थ पंजीयन रजिस्टर (3) में क्र. 10174, पत्र सं.-194, आकार - 21x33 से.मी. वाली अपूर्ण प्रति, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर बड़वाह (खरगौन) म.प्र. एवं क्र. 12848 पर पत्र सं.-81-134, आकार-19x30 से.मी. वाली पूर्ण प्रति, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, बण्डा-बेलई (सागर) म.प्र. से लाकर संग्रहीत है।

10. ***तत्त्व कौस्तुभ वचनिका*** (हिन्दी/पद्य/अध्याय I से X तक) – पन्नालाल संघी दूनीवाले, 'दिल्ली जिन ग्रन्थ रत्नाकर' (भाग-1), (श्री दिगम्बर जैन सरस्वती भण्डार, नया मंदिर, धर्मपुरा, दिल्ली स्थित हस्तलिखित ग्रन्थों की सूची), सम्पादक-कुन्दनलाल जैन एवं ब्र. संदीप जैन 'सरल', प्रकाशक-जैन विद्या संस्थान, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीरजी-322 220, करौली, राजस्थान, प्र.सं.-सन् 2004, (ग्रन्थ के कुल पृष्ठ-263), पृष्ठ-27-28 एवं परिशिष्ट-1, पृष्ठ-84-85, क्रमांक-532 से 542 तक, ग्रन्थ क्र.-अ 9 क से लेकर अ 9 ञ तक, विक्रम संवत् 1931 से 1934 तक लिपिकाल, पत्र सं.-101, 292, 142,

144-226, 81, 74, 106, 43, 42, 39, 86, आकार-31x17.7 से.मी.। **विशेष –** (1) ढूँढाहर देश में जयपुर के राजा रामसिंह के 8 मंत्रियों में से एक मंत्री जीवनसिंह के गृहपति श्रावक रतनचंद संघी के पुत्र पन्नालाल संघी ने फाल्गुन बुदी 4, वि. संवत् 1934 में राजवार्तिक की वचनिका रूप रचना पूर्ण की एवं तभी प्रतिलिपि भी की गईं; (2) अनेकान्त ज्ञान मन्दिर शोध संस्थान, बीना (सागर) म.प्र. में श्री दिग. जैन मन्दिर, बरायठा (सागर) म.प्र. से संग्रहीत प्रति, क्र. 6607, 'तत्त्वार्थालंकार' (हिन्दी) संघी पन्नालाल कृत, वि.सं. 1938 की प्रति, पत्र सं.-108, आकार-11x26 से.मी., पूर्ण प्रति उपलब्ध है।

11. ***तत्त्वदीपक–ब्रह्मदेव*** (संभवतः तत्त्वार्थसूत्र टीका), सन्दर्भ - 'जिनरत्नकोश' (प्रथम भाग), शेष विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-155, 'जैन ग्रन्थावली', पृष्ठ-89, प्रकाशक-जैन श्वेताम्बर कान्फ्रेन्स, पायधुनी, बम्बई, सन् 1909, पृष्ठ-क्र. 152।
12. ***तत्त्वरत्नप्रदीपिका*** (कन्नड़ टीका सहित) - कुमुदचन्द्र-बालचन्द्र, 'कन्नड़ और प्राकृत हस्तप्रतियों की वर्णनात्मक सूची' (भाग चार), मूल सम्पादक-बी.एस. सण्णय्या, सहायक सम्पादक - के. आर. शेषगिरी, हिन्दी अनुवादक - पी.डी. श्रीधर, राष्ट्रीय प्राकृत अध्ययन एवं संशोधन संस्थान श्रुतकेवली एजूकेशन ट्रस्ट, श्रीधवलतीर्थ, श्रवणबेलगोला-573 135, हासन, कर्नाटक, प्रथम संस्करण-2003, कुल पृष्ठ-194, क्र.-केए-38/3, 116, पत्र संख्या-222, आकार 12.2x5.6 इंच, अ. 1150, सम्पूर्ण, शुद्ध। इसी की एक अन्य प्रति क्र. 117/के. 2 एवं 2 अन्य ताड़पत्रीय प्रतियाँ भी हैं।
13. ***तत्त्वार्थ दर्पण*** (संस्कृत) - राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची (चतुर्थ भाग), सम्पादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-21, क्र.-219, पत्र सं.-39, वेस्टन सं. 126, आकार-13½x5½ इंच, श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन सरस्वती भवन, श्री दिगम्बर जैन छोटे दीवानजी का मन्दिर, जयपुर, राज. में स्थित केवल प्रथम अध्याय तक ही, अपूर्ण प्रति।

14. ***तत्त्वार्थदीपिका*** - श्रुतसागर, सन्दर्भ - 'जिनरत्नकोश', शेष विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-153, भाण्ड-IV (कलेक्शन ऑफ 1883-84/नं. 15) डॉ. आर.जी. भाण्डारकर (ए, पृ. 117), ए फोर्थ रिपोर्ट - ए. (कलेक्शन ऑफ 1886-1892), डॉ. पिटर्सन (इंडेक्स, पृ.-सी. 23, हिस्ट्री-II-विन्टरनिट्ज, पृ. 592। यह स्वतंत्र ग्रन्थ नहीं, अपितु तत्त्वार्थसूत्र की टीका है।

15. ***तत्त्वार्थ बोध*** (हिन्दी) - रचनाकार - बुधजन कवि, 'अनेकान्त भवन ग्रन्थ रत्नावली' (भाग 1-2), प्रकाशक एवं ग्रन्थ भण्डार-अनेकान्त ज्ञान मन्दिर शोध संस्थान, बीना, सागर, म.प्र., क्र.-418, पृष्ठ-109-110, क्र.-1147, लिपिकाल-वि.सं. 1862, पत्र सं.-112, आकार-13x21 से.मी., श्री दिगम्बर जैन बड़ा मन्दिर, भुसावल (महाराष्ट्र) से प्राप्त। **विशेष –** इस भण्डार में श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, पिड़ावा (राजस्थान) तथा श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, आनन्दपुर (म.प्र.) से प्राप्त अन्य दो प्रतियाँ भी संकलित हैं। इसी भण्डार में श्री दिगम्बर जैन मन्दिर बुढ़वार (प्रति क्र. 8204), परसोन (प्रति क्र. 9243), मुहारी (प्रति क्र. 11998) एवं बण्डा (प्रति क्र. 12104) से भी हस्तलिखित प्रतियाँ संग्रहीत हुई हैं।

16. ***तत्त्वार्थबोधिनी टीका*** (संस्कृत) - राजस्थान के जैन ग्रन्थ भण्डारों की ग्रन्थ सूची (चतुर्थ भाग), संपादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-21, क्र.-224, पत्र सं.-42, आकार-13x5½ इंच, वेस्टन सं.-36, रचनाकाल-x, लिपिकाल-वि. सं. 1952, प्रथम वैशाख सुदी 3, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर चौधरियों का, बोंली के कुआँ, चौकड़ी मोदीखाना, जयपुर, राज. में उपलब्ध, यह ग्रन्थ गोमतीलाल भौंसा का है, श्लोक सं. 225।

17. ***तत्त्वार्थबोधिनी टीका*** (संस्कृत) - टीकाकार - अज्ञात, 'अनेकान्त भवन ग्रन्थ रत्नावली' (भाग 1), प्रकाशक एवं ग्रन्थ भण्डार पूर्ववत्, पृष्ठ- 23-24, क्र.-359 एवं 360, लिपिकाल-वि.सं. 1955, पत्र सं.-31 एवं 32, आकार-22x13 से.मी. एवं 22x14 से.मी.।

18. ***तत्त्वार्थसूत्र भाषा टीका*** (हिन्दी) – कनककीर्ति, 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (तृतीय भाग), सम्पादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-13, ग्रन्थ क्र.-82, पत्र संख्या-271, आकार-9x5½ इंच, लिपिकाल-वि. संवत् 1836, वेष्टन सं. 834, नेण सागर का चीमनराय दोसी, सवाई जैपुर में लिखी, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर दीवान बधीचन्दजी, घीवालों का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर, राज. में उपलब्ध प्रति।

19. ***तत्त्वार्थरत्न प्रभाकर*** (संस्कृत) – प्रभाचन्द्र (आप मुनि धर्मचन्द्र के शिष्य थे तथा यह कृति ब्रह्मजैत साधु हावादेव भावना के निमित्त से रची गयी), 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (चतुर्थ भाग), सम्पादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-21-22, श्री दिगम्बर जैन पार्श्वनाथ मन्दिर, खवासजी का रास्ता, चौ. रामचन्द्रजी, जयपुर राजस्थान में अनेक प्रतियाँ वि.सं. 1633 आदि में लिपि की गईं तथा इसकी एक अन्य प्रति आमेर शास्त्र भण्डार, जयपुर, राज. में भी उपलब्ध है।

20. ***तत्त्वार्थ रत्नप्रभाकर*** (संस्कृत टीका) – प्रभाचन्द्र (शिष्य मुनि श्री धर्मचन्द्र), 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (तृतीय भाग), संपादक-कस्तूरचन्द कासलीवाल व अनूपचन्द न्यायतीर्थ, प्रकाशक- मंत्री-प्रबन्धकारिणी कमेटी श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीरजी, महावीर पार्क रोड, जयपुर, राज., प्र. सं.-सन् 1957, पृष्ठ-15, ग्रन्थ क्र.-96, पत्र सं.-120, आकार- 8x5½ इंच, लेखनकाल-वि.सं. 1777, वेष्टन सं. 303, मक्सूदाबाद में भट्टारक दीपकीर्ति के प्रशिष्य एवं लालसागर के शिष्य रामजी ने प्रतिलिपि की थी, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर दीवान बधीचन्दजी, घीवालों का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर में उपलब्ध प्रति।

21. ***तत्त्वार्थ रत्नप्रभाकर*** (संस्कृत) – प्रभाचन्द्र, 'जैन ग्रन्थ भण्डार्स इन जयपुर एण्ड नागौर' (अंग्रेजी), सम्पादक - प्रेमचन्द जैन, प्रकाशक- डायरेक्टर, जैन स्टडीज सेंटर, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर-302 004, राज., प्रथम संस्करण - सन् 1978, कुल पृष्ठ संख्या - 162, पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर ग्रन्थ भण्डार, खवासजी का रास्ता, चौकड़ी

रामचन्द्रजी, जयपुर, राज. में गुटका के अन्तर्गत क्र. 9, पृष्ठ क्रमांक-72, क्रम संख्या-9, विक्रम संवत् 1933।

22. ***तत्त्वार्थ रत्नप्रभाकर*** (संस्कृत) – प्रभाचन्द्र (शिष्य धर्मचन्द्र), 'केटलॉग ऑफ संस्कृत एण्ड प्राकृत मेन्युस्क्रिप्ट्स इन दि सेन्ट्रल प्रोविन्सेज एण्ड बरार' - रायबहादुर हीरालाल, रिटायर्ड डिप्टी कमिश्नर-सेन्ट्रल प्रोविन्सेज, प्रकाशक-सेन्ट्रल प्रोविन्सेज एण्ड बरार गवर्मेण्ट, नागपुर, सन् 1926, कुल पृष्ठ संख्या-56+816, ग्रन्थ क्र.-7287 से 7290, प्राप्तिस्थान-सेनगण जैन मन्दिर, कारंजा (अकोला) एवं बलात्कारगण जैन मन्दिर, कारंजा (अकोला), पृष्ठ-648। इन्हें 'तत्त्वार्थ टिप्पण' भी कहा जाता है। **विशेष** – इन भण्डारों में तत्त्वार्थसूत्र (मूल), तत्त्वार्थसूत्र पर श्रुतसागर कृत टीका (संस्कृत) तथा अज्ञात कर्तृक अनेक टीकाओं वाली हस्तलिखित प्रतियाँ भी संग्रहीत हैं।

23. ***तत्त्वार्थ रत्नप्रभाकर*** (संस्कृत) – गणी प्रभाचन्द्र, 'अनेकान्त भवन ग्रन्थ रत्नावली' (भाग 3), प्रकाशक एवं ग्रन्थ भण्डार-अनेकान्त ज्ञान मन्दिर शोध संस्थान, श्रुतधाम, बीना, सागर, म.प्र., प्र.सं.-सन् 2001, पृष्ठ-67-68, ग्रन्थ भण्डार क्र. 2160, भानपुरा, म.प्र. से प्राप्त, लिपिकाल-वि.सं. 1692, पत्र सं.-116, आकार-8x22 से.मी.। **विशेष** – इसकी अन्य प्रतियाँ क्रमांक 1096, 1098, 1099 एवं 1100 पर भी उल्लिखित हैं, जो श्री दिगम्बर जैन छोटा मन्दिर सिरोंज (विदिशा) म.प्र. एवं शेष भानपुरा (म.प्र.) से संकलित हैं। इसी भण्डार में क्र.-6465 पर वि.सं. 1720 की पत्र सं.-95, आकार - 23x12.5 से.मी., संस्कृत/गद्य टीका 'तत्त्वार्थ रत्नप्रभाकर' - गणी प्रभाचन्द्र कृत, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर बरायठा (सागर) म.प्र. से भी संग्रहीत है।

24. ***तत्त्वार्थ रत्नप्रभाकर*** (संस्कृत) – भट्टारक प्रभाचन्द्र, 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (पंचम भाग), संपादक आदि विवरण पूर्ववत्, क्र.-423, पत्र सं.-129, आकार-11½x4½ इंच, रचनाकाल-भादवा सुदी 5, वि. संवत् 1489, वेष्टन सं. 33, श्री अभिनन्दन स्वामी दिगम्बर जैन मन्दिर, बूँदी, राजस्थान में उपलब्ध प्रति। इसके अतिरिक्त पंचायती

मंदिर, भरतपुर; करौली; दीवानजी का मन्दिर, कामाँ एवं लश्कर-जयपुर के मन्दिर में भी वि.सं. 1680-83 की प्रतियाँ उपलब्ध हैं।

25. ***तत्त्वार्थ रत्नमाला*** (हिन्दी गद्य) – पन्नालाल न्यायदिवाकर, 'दिल्ली जिनग्रन्थ रत्नाकर' (भाग 1), संपादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-27 से 30 तक एवं परिशिष्ट-1, पृष्ठ-86-87 तक, क्रमांक-544 से 553 तक 10 प्रतियाँ, ग्रन्थ क्र.-अ 8 क से आ 8 ञ तक, लिपिकाल-वि.सं. 1979, पत्र सं.- 489, 490-752, 753-903, 904-1053, 150, 73, 54, 50, 101, 22, आकार-36.1x20.3 से.मी.। **विशेष** – अगहन सुदी 5, वि. संवत् 1973 में वज्र मण्डल में मथुरापुरी के पास जारखी निवासी एवं पद्मावती पुरवाल जातीय शुद्ध तेरहपंथ दिगम्बर आम्नाय के वैश्य शिरोमणि झरगद के छोटे पुत्र पन्नालाल थे। काशी में न्याय शास्त्र का अध्ययन करके शिमला में शास्त्रार्थ कर 'न्याय दिवाकर' उपाधि प्राप्त पन्नालालजी ने पंचम जार्ज के राज्य में सहारनपुर निवासी लाला मित्रसेन के पुत्र जंबूप्रसाद की प्रेरणा एवं मेरठ निवासी धूमसिंह के आग्रह पर यह राजवार्तिक की टीका निर्मित की।

26. ***तत्त्वार्थराजवार्तिक वचनिका*** (हिन्दी) – वचनिकाकार - अज्ञात, अनेकान्त भवन ग्रन्थ रत्नावली' (भाग II), प्रकाशक आदि विवरण पूर्ववत्, क्र.-685, ग्रन्थ भण्डार क्रमांक-865, लिपिकाल-वि.सं. 1947, पत्र सं.-460, पृष्ठ-129-130, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर पिड़ावा, राज. से प्राप्त प्रति।

27. ***तत्त्वार्थवार्तिक*** (तत्त्वार्थवार्तिक व्याख्यानालंकार/संस्कृत) – अकलंक देव, 'जैन सिद्धान्त भवन ग्रन्थावली' (भाग 1), सम्पादक-ऋषभचन्द जैन फौजदार, प्रकाशक-देवकुमार जैन प्राच्य ग्रन्थागार, श्री जैन सिद्धान्त भवन, भगवान महावीर मार्ग, आरा-802 301, बिहार, प्रथम संस्करण-सन् 1987, शक संवत् 1968, क्रमांक-418, आकार-38.5x20.4 से.मी., ग्रन्थ भण्डार क्र.-ख/51, पृष्ठ क्र.-72-73, परिशिष्ट पृष्ठ-149-150।

28. ***तत्त्वार्थवार्तिक/राजवार्तिक वृत्ति*** (संस्कृत) – टीकाकार-अकलंक देव, उपलब्धिस्थान-आचार्य श्री कैलाससागर सूरि ज्ञान मन्दिर, श्री महावीर जैन आराधना केन्द्र, कोबा- 382 007, गांधीनगर, गुजरात, हस्तलिखित प्रति क्र.-0010135, पृष्ठ संख्या-38 एवं ह.प्र.क्र.-0103424, पृष्ठ सं.-15, अपूर्ण।

29. ***तत्त्वार्थवृत्ति,*** रचनाकार-x, राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर राजस्थान में उदयपुर-शाखा (देराश्री-संग्रह) विषयक 'राजस्थानी हिन्दी हस्तलिखित ग्रन्थ सूची', भाग-10, सम्पादक-डॉ. बी.एम. जावलिया, डॉ. डी.बी. क्षीरसागर, प्रकाशक-राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर, राज., प्रथमावृत्ति-1986, जैन साहित्य, क्रमांक एवं विषय-22(1) जै.सा.- 1215, ग्रन्थांक-4123 (2), आकार-22x12 से.मी., पत्र संख्या-68, अपूर्ण लिपिकाल-वि.सं. 1898, लिपिकर्ता-धर्मदास संगही, जयपुर, पृष्ठ क्र.-194-195।

30. ***तत्त्वार्थवृत्ति*** (संस्कृत) – पं. योगदेव ('सुखबोध वृत्ति', रचनाकार कुम्भनगर, जिला-कनारा निवासी हैं।) 'राजस्थान के जैन ग्रन्थ भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (चतुर्थ भाग), संपादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-22, पत्र सं.-97, आकार-11½x7½ इंच, रचनाकाल-x, लिपिकाल-वि. सं. 1958, वेष्टन सं.-252, बाबा दुलीचन्द का शास्त्र भण्डार, श्री दिगम्बर जैन बड़ा तेरहपंथी मन्दिर, जयपुर एवं श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, खवासजी का रास्ता, चौकड़ी रामचन्द्रजी, जयपुर, राजस्थान में हस्तलिखित प्रतियाँ उपलब्ध हैं।

31. ***तत्त्वार्थवृत्ति*** (सुखबोधा संस्कृत वृत्ति) – पं. भास्करनन्दी, (शिष्य-महासैद्धान्ति भट्टारक जिनचन्द्र), 'जैन सिद्धान्त भवन ग्रन्थावली' (भाग 1), सम्पादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-70-71, परिशिष्ट पृ.-147, क्र.-412, ग्रन्थ क्र.-झ/62, आकार-33.8x21.8 से.मी., कार्तिक सुदी 14, गुरुवार, शक संवत् 1750।

32. ***तत्त्वार्थवृत्ति*** (श्रुतसागरी संस्कृत टीका) – श्रुतसागर सूरि (भट्टारक देवेन्द्र कीर्ति के प्रशिष्य एवं विद्यानन्दिदेव के शिष्य), 'जैन सिद्धान्त भवन

ग्रन्थावली' (भाग 1), सम्पादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-66 से 69 एवं परिशिष्ट पृष्ठ-138, 143-144, क्र.-385 एवं 400, ग्रन्थ क्र.-ख/41 तथा ख/149, आकार-35.2x20 एवं 28.3x13.6 से.मी. वि.सं. 1770, माघ शुक्ल सप्तमी, रविवार, पाटलिपुर में अमीसागर ने प्रति लिखी।

33. ***तत्त्वार्थवृत्तिपद*** – प्रभाचन्द्र (पद्मनन्दी सैद्धान्तिक के शिष्य/आचार्य पूज्यपाद कृत 'सर्वार्थसिद्धि' की संक्षिप्त टीका), सन्दर्भ - 'जिनरत्नकोश', पृष्ठ-153, शेष विवरण पूर्ववत्।

34. ***तत्त्वार्थ श्लोकवार्तिक*** (संस्कृत) – विद्यानन्दी, 'जैन सिद्धान्त भवन ग्रन्थावली' (भाग 1), सम्पादक आदि विवरण पूर्ववत्, क्र.-378, ग्रन्थ क्र.-ख/170/1, पृष्ठ क्र.-64-65, परिशिष्ट पृष्ठ-135-136, आकार-28.3x18.7 से.मी. ।

35. ***तत्त्वार्थसार दीपक*** (संस्कृत टीका)- उमास्वामी, टीकाकार- सकलकीर्ति, 'श्री मूलसंघ चन्द्रनाथ स्वामी बलात्कारगण दिगम्बर जैन मन्दिर अतिशय क्षेत्र कारंजा-लाड (वाशिम) महाराष्ट्र के हस्तलिखित ग्रन्थों की सूची', पृष्ठ संख्या (क्रमशः) - 101 एवं 417, बस्ता क्र.-42।

36. ***तत्त्वार्थसूत्र*** – उमास्वाति, लालभाई दलपतभाई भारतीय संस्कृति विद्या मन्दिर, आश्रम रोड, नवरंगपुरा, अहमदाबाद, गुजरात के हस्तप्रत विभाग में 'तत्त्वार्थसूत्र' नाम से 6 प्रतियाँ हैं तथा प्रति क्र. 26733 एवं 35917 तत्त्वार्थसूत्र, गुजराती में है, तो प्रति क्र. 28370 'तत्त्वार्थसूत्र उमास्वाति वृत्ति' संज्ञक 251 पत्रवाली प्रति भी उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त प्रति क्र. 39940 में जिनचन्द्र कृत 'तत्त्वार्थसूत्राष्टक'; प्रति क्र. 15106 में उमास्वाति कृत 'तत्त्वार्थाधिगम भाष्य'; प्रति क्र. 9195, पत्र सं.-39 में 'तत्त्वार्थाधिगमशास्त्र अवचूरि' (सं.) तथा 16 अन्य प्रतियाँ भी 'तत्त्वार्थाधिगमशास्त्र' के नाम से समुपलब्ध हैं।

37. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (मूल संस्कृत सूत्रपाठ) – आचार्य उमास्वाति, 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (भाग 2), संपादक - कस्तूरचन्द कासलीवाल, प्रकाशक-मंत्री, प्रबन्धकारिणी कमेटी, श्री दिगम्बर जैन

अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीरजी, महावीर पार्क रोड, जयपुर, राजस्थान, प्र.सं.-सन् 1954, पृष्ठ क्र.-2-3, ग्रन्थ क्र.-16 से 20, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर पं. लूणकरण पाण्ड्या, जयपुर, राजस्थान के शास्त्र भण्डार में उपलब्ध 5 हस्तलिखित प्रतियाँ।

38. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (मूल संस्कृत पाठ/10 अध्याय, 357 सूत्र) - उमास्वामी, 'जैन सिद्धान्त भवन ग्रन्थावली' (भाग 1), संपादक-ऋषभचन्द्र जैन फौजदार, प्रकाशक आदि विवरण पूर्ववत्, ग्रन्थ क्र.-401 से 410 तक, पृष्ठ क्र.-68 से 71 तक एवं परिशिष्ट पृष्ठ क्र.-144 से 147 तक।

39. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (मूल संस्कृत सूत्रपाठ) - उमास्वामी, 'जैन सिद्धान्त भवन ग्रन्थावली' (भाग 2), सम्पादक-ऋषभचन्द्र जैन फौजदार, प्रकाशक आदि विवरण पूर्ववत्, क्रमांक-1197 से 1216 तक, क्र.-1205 एवं 1210 हिन्दी, पृष्ठ-34 से 39 तक तथा परिशिष्ट पृष्ठ-63 से 68 तक।

40. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (मूल संस्कृत सूत्रपाठ) - उमास्वामी, अनेकान्त ज्ञान मन्दिर शोध संस्थान, श्रुतधाम, बीना, सागर, म.प्र. में संकलित लगभग 50 से भी अधिक हस्तलिखित प्रतियाँ, 'अनेकान्त भवन ग्रन्थ रत्नावली' (भाग I), क्र. 329 से 354, पृष्ठ-21 से 24 (भाग II), क्र. 375 से 399 तक, पृष्ठ-107 से 110। इनके अतिरिक्त सूची रूप में अप्रकाशित लगभग 130 प्रतियाँ भी विभिन्न स्थानों से लाकर इसी भण्डार में संग्रहीत हैं।

41. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (मूल संस्कृत सूत्रपाठ) - उमास्वामी 'दिल्ली जिन ग्रन्थ रत्नावली' (श्री दिगम्बर जैन सरस्वती भण्डार, नया मन्दिर, धर्मपुरा, दिल्ली के हस्तलिखित ग्रन्थों की सूची), सम्पादन एवं संकलन-कुन्दनलाल जैन, प्रिंसिपल - शिक्षा निदेशालय, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली, प्रकाशक-भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण- सन् 1981, कुल पृष्ठ संख्या -16+190+208+20, क्रमांक 276 से 301 तक विविध पाण्डुलिपियाँ, ग्रन्थ पृष्ठ क्र. 38 से 43 तक एवं परिशिष्ट पृष्ठ क्र.-81 से 85 तक, पृष्ठ क्र.-40-41, क्रमांक-290, ग्रन्थ क्र. - गुटका 7, आकार-24.7x11.3 से.मी. पत्र संख्या-63 (प्रारंभिक 5 पत्र नहीं हैं), प्रति वि.सं. 1587, आश्विन शुक्ल 11, सोमवार की है।

42. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (तत्त्वार्थसूत्र देशभाषामय टिप्पण गुणस्थान, वि.सं. 1910, फाल्गुण बुदी दशमी तिथि एवं अन्य सामग्रियाँ), पत्र संख्या-89, पृष्ठ-177, कुल पृष्ठ संख्या-824, शेष विवरण इसी पुस्तक के खण्ड-'ई'-'तत्त्वार्थसूत्र विषयक सन्दर्भ ग्रन्थ एवं शोध पत्रिकाएँ' शीर्षक के अन्तर्गत क्र.-37, पृष्ठ 678-679 पर 'तत्त्वार्थाधिगम सूत्र' सम्बन्धी डीवीडी में संग्रहीत विवरण।

43. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (संस्कृत/प्रथम दो अध्याय टीका सहित) – आचार्य उमास्वाति, 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (भाग 2), सम्पादक आदि विवरण पूर्ववत्, ग्रन्थ क्र.-21, पृष्ठ-3, प्रति सं.-6, वेष्टन सं.-267, पत्र संख्या-19, आकार-10x5 इंच, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, पं. लूणकरण पाण्ड्या, जयपुर, राजस्थान के शास्त्र भण्डार में उपलब्ध प्रति।

44. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (संस्कृत टीका तथा कहीं-कहीं हिन्दी टीका भी) – भट्टारक प्रभाचन्द देव विरचित टीका, 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (भाग-3), सम्पादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ सं.-12, ग्रन्थ क्र.-78, प्रति क्र.-21, पत्र सं.-89, आकार-11x5 इंच, वेष्टन सं.-66, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर दीवान बधीचन्दजी, घीवालों का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर, राजस्थान में उपलब्ध। **विशेष** – मालपुरा में कुँअर माधोसिंह के राज्य में मूल संघ, नन्दी आम्नाय, बलात्कार गण, सरस्वती गच्छ, कुन्दकुन्दाचार्य के अन्वय में वि.सं.-1649, शक संवत् 1514, कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा, गुरुवार को लिखित प्रति।

45. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (जिनकल्पी सूत्र/दश अध्याय, 107 सूत्र) – बृहत्प्रभाचन्द्र, सन्दर्भ - 'जिनरत्नकोश', पृष्ठ-154, शेष विवरण पूर्ववत्।

46. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (तत्त्वार्थ रत्नमालाकर/संस्कृत/पद्य) - रचनाकार-x, 'भट्टारक यशकीर्ति दिगम्बर जैन सरस्वती भवन, ऋषभदेव, उदयपुर, राजस्थान की हस्तलिखित ग्रन्थ सूची', संपादक-डॉ. अनुपम जैन व डॉ. महेन्द्रकुमार 'मनुज', प्रकाशक-श्री सत्श्रुत प्रभावना ट्रस्ट, भावनगर, गुजरात एवं कुन्दकुन्द ज्ञानपीठ, इन्दौर, मध्यप्रदेश, पृष्ठ-18, क्र.-267,ग्रन्थ संख्या-आरएचवी/266, पत्र सं.-109, वि.सं.-1489 में पांचाल देश के

काष्ठानगर में काष्ठासंघी सुरेन्द्रकीर्ति, हेमकीर्ति, धर्मचन्द्र के शिष्य प्रभाचन्द्र ने अपने शिष्य ब्राजलि के लिए यह कृति रची थी।

47. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (संस्कृत व हिन्दी टब्बा टीका सहित) – उमास्वामी, 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (भाग-3), संपादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ नं.-11-12, क्र.-68, 69, 70, 77, प्रति नं.-11, 12, 13, 20, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर दीवान बधीचन्दजी का, घीवालों का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर, राज. में उपलब्ध प्रतियाँ।

48. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (हिन्दी गद्य बालबोध टीका/अर्थप्रकाशिका टीका) – किसनलाल बाबा, 'दिल्ली जिन ग्रन्थ रत्नाकर' (प्रथम भाग), सम्पादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ क्र.-29-30 एवं परिशिष्ट-1, पृष्ठ-88, क्र.-557, ग्रन्थ क्र.-आ 24 भाषा, पत्र सं.-122, आकार-18.9x13.9 से.मी.। **विशेष** – इस प्रति में लिखित उल्लेखानुसार पाक्षिक श्रावक किसनलाल, सुपुत्र श्रावक मोहनलाल, पल्लीवाल मूलसंघी शुद्धाम्नायी दिगम्बरी, अतरौली (अलीगढ़) में जन्म, फिलहाल मुकाम-सरोला (कोटा) राज्य के स्थान पर मन्तालाल गोपीलाल के कमरे में टिप्पणी सदासुख कवि तथा चेतनदास रामपुर (सहारनपुरवाले) आदि के अनेक ग्रन्थों को देखकर यह प्रति गुटका में परिश्रमपूर्वक लिखी श्रावण सुदी 8, गुरुवार, वि. सं. 1975 को पूर्वाह्न काल में पाक्षिक श्रावक किसनलाल बाबा द्वारा लिपिकाल है।

49. ***तत्त्वार्थसूत्र कवित्त*** (हिन्दी) - रचनाकार-अज्ञात, अनेकान्त भवन ग्रन्थ रत्नावली (भाग I-II), सम्पादक आदि विवरण पूर्ववत्, क्र.-1149, पृष्ठ-75-76, ग्रन्थ भण्डार क्र.-4705, पत्र सं.-28, आकार-16x12 से.मी., अनेकान्त ज्ञान मन्दिर शोध संस्थान, श्रुतधाम, बीना, सागर, म.प्र., में उपलब्ध तथा श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, सिद्धकूट चैत्यालय, अजमेर, राज. से संग्रहीत प्रति। विशेष - इसी भण्डार में क्र. 4705 पर पत्र सं.-28, आकार-16x12 वाली एक अन्य प्रति अजमेर से ही संग्रहीत है।

50. ***तत्त्वार्थसूत्र कवित्त*** (हिन्दी पद्य) – छोटेलाल, 'दिल्ली जिन ग्रन्थ रत्नाकर' (प्रथम भाग), संपादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-29-30

एवं परिशिष्ट-1, पृष्ठ 87, क्र.-555, ग्रन्थ क्र.-सं.ग्र.नं. 64, पत्र सं.-22, आकार-33x20.3 से.मी., क्वांर वदी 8, वि. सं. 1832, ग्राम-मैडू, जिला-अलीगढ़ के जैसवाल बीसा, इक्ष्वाकुवंशी ला. मोतीलाल के पुत्र छोटेलाल ने यह पद्यानुवाद काशी से आकर तथा उदयराज व शिखरचन्द की कृपा से पूर्ण किया। इसकी प्रतिलिपि वैसाख वदी 3, वि. सं. 1990 की है।

51. ***तत्त्वार्थसूत्र छन्द बंध*** (हिन्दी)-रचनाकार-पं. छोटेलाल, 'अनेकान्त भवन ग्रन्थ रत्नावली' (भाग I-II), प्रकाशक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-75-76, क्र.-1150, ग्रन्थ भण्डार क्र.-4555, लिपिकाल-वि.सं. 1968 पत्र सं.-14, आकार-24x14 से.मी., श्री दिगम्बर जैन सिद्धकूट चैत्यालय, अजमेर, राजस्थान से प्राप्त प्रति। **विशेष –** इसी संस्थान के हस्तलिखित ग्रन्थ पंजीयन रजिस्टर (3), क्रमांक 12472 पर पं. छोटेलाल कृत 'तत्त्वार्थसूत्र भाषा छन्द' (1932), लिपिकार - पं. देवीप्रसाद शर्मा (1963), पत्र सं.-28, आकार - 17x21 से.मी. की पद्यबद्ध प्रति श्री दिगम्बर जैन मन्दिर करहल (उ.प्र.) से संग्रहीत है।

52. ***तत्त्वार्थसूत्र टब्बा टीका*** (संस्कृत एवं हिन्दी)-टीकाकार-पं. दौलतरामजी (कासलीवाल), 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की सूची' (भाग 2), संपादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ सं.-3, प्रति क्र.-22, पत्र सं.- 45, आकार-11x5½ इंच, वेष्टन सं. 65, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर पं. लूणकरण पाण्ड्या, जयपुर, राजस्थान के शास्त्र भण्डार में उपलब्ध प्रति।

53. ***तत्त्वार्थसूत्र टिप्पण*** (हिन्दी) 'जैन सिद्धान्त भवन ग्रन्थावली' (भाग-I)- प्रकाशक आदि विवरण पूर्ववत्, क्र. 411, आकार-28.8x13.4 से.मी., पृष्ठ-70-71, परिशिष्ट पृष्ठ-147, देशभाषामय टिप्पण, वि.सं. 1910, फाल्गुन कृष्ण 14, दीतवार। **विशेष –** अनेकान्त ज्ञान मन्दिर शोध संस्थान, बीना (सागर) म.प्र. में 'तत्त्वार्थ सटिप्पण' (संस्कृत) के नाम से पं. कुन्दनलाल जैन, दिल्ली से प्राप्त प्रति क्रमांक 7673 पर पत्र सं.-146-156 (11), आकार-16x24 से.मी. वाली प्रति सुरक्षित है।

54. ***तत्त्वार्थसूत्र टीका*** (हिन्दी/गद्य) - आचार्य कनककीर्ति (तत्त्वार्थसूत्र की श्रुतसागरी टीका के आधार पर हिन्दी टीका, इसके पत्र सं.145 से आगे के पत्र उपलब्ध नहीं), 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (चतुर्थ भाग), संपादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-30, क्र.-369 से 373 तक पाँच प्रतियाँ, क्र.-369, पत्र सं.-145, आकार-12½x5½ इंच, वेष्टन सं.-269, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर संघीजी, चौकड़ी मोदीखाना, महावीर पार्क के पास, जयपुर, राजस्थान में समुपलब्ध प्रति। **विशेष –** श्री दिगम्बर जैन मन्दिर विजयराम पाण्ड्या, जयपुर; श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, खवासजी का रास्ता, चौकड़ी रामचन्द्रजी, जयपुर एवं आमेर शास्त्र भण्डार, जयपुर, राजस्थान में भी इसकी प्रतियाँ उपलब्ध हैं।

55. ***तत्त्वार्थसूत्र टीका*** (संस्कृत/गद्य) – आचार्य प्रभाचन्द्र, 'आचार्य कुन्दकुन्द हस्तलिखित श्रुत भण्डार, खजुराहो (छतरपुर, म.प्र.) की हस्तलिखित ग्रन्थ सूची', सम्पादक - डॉ. अनुपम जैन एवं डॉ. महेन्द्रकुमार जैन 'मनुज', प्रकाशक - श्री सत्श्रुत प्रभावना ट्रस्ट, 580-जूनी माणेकवाणी, भावनगर-364 001, गुजरात एवं कुन्दकुन्द ज्ञानपीठ, 584-एम.जी. रोड, तुकोगंज, इन्दौर, म.प्र., प्रथम संस्करण- सन् 2000, कुल पृष्ठ- 91, क्रम संख्या-833, ग्रन्थ संख्या-केकेएस/930, आकार-12½x6 इंच, पत्र संख्या-91, पूर्ण, पृष्ठ क्र.-60। **विशेष –** इसी सूचीपत्र की क्रम संख्या-797, पृष्ठ क्र.-57, ग्रन्थ संख्या-केकेएस/894 पर प्रभाचन्द्र के नाम पर 'तत्त्वार्थसूत्र वचनिका टीका' (संस्कृत/पद्य), आकार- 11x5½ इंच, पत्र सं.-83 का भी उल्लेख प्राप्त होता है। इसी भण्डार में तत्त्वार्थसूत्र (मूल), उस पर हिन्दी भाषा वचनिका, टीका, वृत्ति आदि संबंधी कुल 62 हस्तलिखित प्रतियाँ उपलब्ध हैं।

56. ***तत्त्वार्थसूत्र टीका*** (हिन्दी) – गिरिवर सिंह (कुंभेरवासी दीवान बाल - मुकुन्द के पुत्र गिरिवर सिंह ने सर्वार्थसिद्धि (संस्कृत टीका) की भाषा वचनिका से संक्षेप अर्थरूप वचनिका वि. सं. 1935, ज्येष्ठ सुदी 2, रविवार को पूर्ण की, जो बही में लिखी है), 'राजस्थान के जैन शास्त्र

भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (पंचम भाग), संपादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-52-53, क्र.-529, पत्र सं.-77, वेष्टन सं.-63, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर दीवानजी, भरतपुर, राज. में उपलब्ध प्रति।

57. ***तत्त्वार्थसूत्र टीका*** ('तत्त्वार्थसार' नाम भाषा टीका) – चेतन, 'जैन सिद्धान्त भवन ग्रन्थावली' (भाग 1), प्रकाशक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-72-73, परिशिष्ट पृष्ठ-149, क्र.-416, ग्रन्थ क्र.-ग/139, आकार-32.6x17.5 से.मी., चैत्र शुक्ला 5, भृगुवार, वि.सं. 1970 को लिपिकार पं. सीताराम शास्त्री द्वारा संशोधित टीका।

58. ***तत्त्वार्थसूत्र टीका*** ('तत्त्वार्थ बोध' संज्ञक हिन्दी पद्य टीका) – चेतनदास, 'दिल्ली जिन ग्रन्थ रत्नाकर' (भाग 1), सम्पादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-27-28 एवं परिशिष्ट-1, पृ.-83, क्र.-528-529, ग्रन्थ क्र.-उ-16 गुटका, लिपिकाल-वि.सं. 1972, पत्र सं.-142 एवं 290 तक, आकार- 18.9x15.2 से.मी. एवं 18.9x15.2 से.मी.। **विशेष** – चेतनदास, सुपुत्र- न्यादरमलजी, रामपुर मनिहारन, जिला-सहारनपुर ने 'तत्त्वार्थ बोध' नामक यह टीका फाल्गुन सुदी 13, शुक्रवार, वि.सं. 1972 में पूर्ण की, जिसे फाल्गुन सुदी 3, शुक्रवार, वि.सं. 1974 में ला. शिखरचन्द बजाज, ला. जुगलसिंह जैनी देवबंद, सहारनपुर के चौबारे में पाक्षिक श्रावक पं. किशनलालजी बाबा ने बारीक अक्षरों में सुत्रों के साथ इसी गुटके में समाप्त की।

59. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (टीका सहित/व्याख्यान - कन्नड़ टीका) – दीवाकरनन्दी, 'कन्नड़ और प्राकृत हस्तप्रतियों की वर्णनात्मक सूची' (भाग चार), शेष विवरण पूर्ववत्, क्र-118, केए 36, आकार-13½x8.7 इंच, पत्र संख्या-208। **विशेष** – भण्डार में इसकी अन्य प्रतियाँ तथा 2 ताड़पत्रीय प्रतियाँ भी संग्रहीत हैं। इनके अतिरिक्त तत्त्वार्थसूत्र/तत्त्वार्थाधिगम सूत्र के नाम से भण्डार में लगभग 11 अन्य ताड़पत्रीय हस्तप्रतियाँ भी उपलब्ध हैं।

60. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (टीका) – विबुधसेन टीका (3250 श्लोक प्रमाण); लक्ष्मीदेव कृत टीका; शुभचन्द्र कृत टीका; योगीन्द्रदेव कृत 'तत्त्वप्रकाशिका टीका';

देवीदास कृत टीका; रविनन्दी कृत 'सुखबोधिनी टीका' (5000 श्लोक प्रमाण); अज्ञात कृत वृत्ति भी उपलब्ध हैं - देखें - 'जैन ग्रन्थावली', पृष्ठ-88 एवं 90, प्रकाशक एवं संपादक आदि विवरण पूर्ववत्। पद्मकीर्ति कृत टीका; कनककीर्ति कृत टीका; राजेन्द्र मौलिन कृत टीका; रत्नसिंह कृत 'टिप्पण' का भी उल्लेख 'अनेकान्त'-I; पृष्ठ-585 के फुटनोट पर मिलता है। दिवाकर भट्ट (दिवाकर नन्दी/चन्द्रकीर्ति के शिष्य) कृत 'लघुवृत्ति'; भास्करनन्दी कृत 'सुखबोधा'; माघनन्दी कृत 'वृत्ति'; अज्ञात कर्तृक 'निधिरत्नाकर'; 'श्लोकवार्तिक टिप्पणी'; अज्ञात कृत 'संग्रहभाष्य' एवं 'भाष्य'; शिवकोटि (शिष्य समन्तभद्र) कृत 'वृत्ति'; प्रभाचन्द्र (शिष्य पद्मनन्दी) कृत 'वृत्तिपद'; चूड़ामणि (96,000 श्लोक प्रमाण/कन्नड़) आदि का भी उल्लेख प्राप्त है, देखें - 'जिनरत्नकोश', पृष्ठ-156-157, शेष विवरण पूर्ववत्।

61. ***तत्त्वार्थसूत्र टीका*** (हिन्दी गद्य) – पं. राजमल्ल, 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की सूची' (चतुर्थ भाग), संपादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-30, क्र.-374, पत्र सं.-5 से 48, आकार-12x5 इंच, अपूर्ण, वेष्टन सं.-2061, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर पाटोदी, चौकड़ी मोदीखाना, जयपुर, राजस्थान में उपलब्ध प्रति।

62. ***तत्त्वार्थसूत्र टीका*** (हिन्दी गद्य/बालाबोधि टीका) – पाण्डे जयवन्त, 'राजस्थान के जैन ग्रन्थ भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (चतुर्थ भाग), संपादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-29, क्र.-368, पत्र सं.-66, आकार-13x6 इंच, रचनाकाल-x, लेखनकाल-वि.सं. 1846, वेष्टन सं.-241, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर गोधों का, घीवालों का रास्ता, नागोरियों का चौक, जौहरी बाजार, जयपुर, राजस्थान में उपलब्ध प्रति। श्रीसवाई के कहने से वैष्णव रामप्रसाद ने प्रतिलिपि की थी।

63. ***तत्त्वार्थसूत्र टीका*** (हिन्दी बालाबोध टीका) – पाण्डे जैवंत, 'जैन सिद्धान्त भवन ग्रन्थावली' (भाग 1), प्रकाशक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-70-71, परिशिष्ट पृ.-148, क्र.-414, ग्रंथ क्र.-ग/10, आकार-27.1x14.1 से.मी., वि.सं. 1904, वैशाख शुक्ल 12 में लिपि की गई।

64. ***तत्त्वार्थसूत्र टीका*** (हिन्दी गद्य/अर्थप्रकाशिका टीका) – पं. सदासुखदास, 'दिल्ली जिन ग्रन्थ रत्नाकर' (प्रथम भाग), संपादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-29-30 एवं परिशिष्ट पृष्ठ-87-88, क्र.-556, ग्रन्थ क्र.-आ. 23 क, पत्र क्र.-396, आकार-25.4x18.9 से.मी.। **विशेष** – तत्त्वार्थसूत्र की यह अर्थप्रकाशिका टीका आरा निवासी श्रावक रतिचन्द अग्रवाल के पुत्र परमेष्ठीसहाय ने 5 हजार श्लोक प्रमाण लिखकर जयपुर भेजी। वहाँ के पं. सदासुखदास ने 11 हजार श्लोक प्रमाण करके वापिस भेजी। पं. सदासुखदाश राजवंश के दुलीचंद कासलीवाल के पुत्र थे। इसका लिपिकाल वैशाख सुदी 10, रविवार, वि. सं. 1914 है।

65. ***तत्त्वार्थसूत्र टीका*** (संस्कृत) – श्रुतसागर सूरि, 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (भाग 2), संपादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-3, ग्रन्थ क्र.-28, पत्र सं.-470, आकार-12x5 इंच, वेष्टन सं. 63, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर पं. लूणकरण पाण्ड्या, जयपुर, राजस्थान के शास्त्र भण्डार में उपलब्ध प्रति।

66. ***'तत्त्वार्थसूत्र टीका' एवं 'तत्त्वार्थसूत्र पोथी'*** (संस्कृत) - उमास्वामी, टीकाकार-ब्रह्म अमृतसागर, 'श्री मूलसंघ चन्द्रनाथ स्वामी बलात्कारगण दिगम्बर जैन मन्दिर अतिशय क्षेत्र कारंजा-लाड (वाशिम), महाराष्ट्र के हस्तलिखित ग्रन्थों की सूची', ग्रन्थ क्र.-213 एवं 212, पृष्ठ सं. (क्रमशः) -122 एवं 48, प्रथम प्रति अपूर्ण, लेखनकाल-वि.सं. 1500, बस्ता क्र.-42।

67. ***तत्त्वार्थसूत्र टीका भाषा,*** 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (तृतीय भाग) - संपादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-14, क्र.-92, पत्र सं.-1 से 100 तक उपलब्ध, आकार-15x7 इंच, वेष्टन सं. 780, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर दीवान बधीचन्दजी, घीवालों का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर, राज. में उपलब्ध अपूर्ण प्रति।

68. ***तत्त्वार्थसूत्र : तत्त्वार्थदीपिका टीका*** (8000 श्लोक प्रमाण) - श्रुतसागर (विद्यानन्दी के शिष्य), सन्दर्भ - 'जिनरत्नकोश', पृष्ठ-156, शेष

विवरण पूर्ववत्, जैन सिद्धान्त भवन, आरा, बिहार के हस्तलिखित ग्रन्थों की सूची, संपादक - एस.डी. गुप्ता, सन् 1919, क्रमांक-41, 149; इसके अतिरिक्त 10 अन्य सूचियों के भी सन्दर्भ उपलब्ध हैं।

69. ***तत्त्वार्थसूत्र : बालबोध टीका*** – जयन्त पण्डित, सन्दर्भ-'जिनरत्नकोश', पृष्ठ-156, शेष विवरण पूर्ववत्, एशियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल के हस्तलिखित ग्रन्थों की सूची (JASB) (खण्ड IV), सन् 1908, क्रमांक-1505, पृष्ठ-408-440 के भीतर।

70. ***तत्त्वार्थसूत्र भाषा*** (हिन्दी), भाषाकार – कनककीर्ति, 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (भाग-2), सम्पादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-3, ग्रन्थ क्र.-23 से 27, पत्र संख्या क्रमशः-274, 143, 94, 64, 100। कुल 5 हस्तलिखित प्रतियाँ, वेष्टन क्र. 64 से 66, इनमें से दो प्रतियों का लेखन काल वि. सं. 1814 एवं 1895 है, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर लूणकरण पाण्ड्या, जयपुर, राजस्थान के शास्त्र भण्डार में उपलब्ध प्रतियाँ।

71. ***तत्त्वार्थसूत्र भाषा*** (हिन्दी) – कनककीर्ति, 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (पंचम भाग), संपादक आदि विवरण पूर्ववत, पृष्ठ-52, ग्रन्थ-क्र.-527, प्रति नं.-14, पत्र सं.-90, प्रतिलिपिकाल-वि.सं. 1755, माघ सुदी 13, वेष्टन सं. 31, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर चेतनदास दीवान, पुरानी डीग, राज. में उपलब्ध प्रति। **विशेष** – इसके अतिरिक्त क्र. 514 से 528 तक के अनुसार भट्टारकीय दिगम्बर जैन मन्दिर अजमेर; भादवा; राजमहल (टोंक); बैर; कोटडियों का मन्दिर डूंगरपुर; बड़ा बीसपंथी मन्दिर दौसा; तेरहपंथी मन्दिर दौसा; आदिनाथ मन्दिर बूंदी; दवलाना (बूंदी) आदि के मन्दिरों में भी इसकी अनेक प्रतियाँ उपलब्ध हैं।

72. ***तत्त्वार्थसूत्र भाषा*** (तत्त्वार्थसार वचनिका/हिन्दी) – चेतनदास, 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची (भाग 2), संपादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-136, ग्रन्थ क्र.-123, पत्र सं.-780, आकार-16x10 इंच, रचनाकाल-वि.सं.-1954, लिपिकाल-वि.सं.-1975, वेष्टन सं.-611, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर बड़ा तेरहपंथियों का, जयपुर, राजस्थान में उल्लिखित प्रति। इसे लिखवाने में उस समय 452॥)॥ रुपए खर्च हुए थे।

73. ***तत्त्वार्थसूत्र भाषा*** (हिन्दी/पद्य) – छोटीलाल जैसवाल (पिता - मोतीलाल जैसवाल, निवासी-ग्राम मेढू, जिला-अलीगढ़, प्रतिलिपिकार-मथुराप्रसाद), 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (चतुर्थ भाग), संपादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-30, क्रमांक-375 से 377 तक 3 प्रतियाँ, क्रमांक 375 की पत्र सं.-21, आकार-13x5$^{3}/_{4}$ इंच, रचनाकाल- वि.सं. 1932, आसोज बुदी 8, लेखनकाल-वि.सं.1952, आसोज सुदी 3, वेष्टन सं.-244, बाबा दुलीचन्द का शास्त्र भण्डार, श्री दिगम्बर जैन बड़ा तेरहपंथी मन्दिर, जयपुर, राजस्थान में उपलब्ध प्रति। **विशेष** – इसकी अन्य दो प्रतियाँ श्री दिगम्बर जैन मन्दिर संघीजी, चौकड़ी मोदीखाना, महावीर पार्क के पास, जयपुर, राजस्थान में भी उपलब्ध हैं।

74. ***तत्त्वार्थसूत्र भाषा*** (हिन्दी/पद्य) – छोटेलाल अलीगढ़वाले, 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (पंचम भाग), संपादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-53, क्र.-531, पत्र सं.-75, रचनाकाल-वि. संवत् 1958, लिपिकाल-वि. संवत् 1959, वेष्टन सं.-109, गुटका साइज, श्री दिगम्बर जैन पंचायती मन्दिर, भरतपुर, राजस्थान में उपलब्ध प्रति।

75. ***तत्त्वार्थसूत्र भाषा*** (हिन्दी) – जयचन्द छाबड़ा, 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (तृतीय भाग), संपादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-14, ग्रन्थ क्र.-88, पत्र सं.-440, आकार-10x7 इंच, रचनाकाल-वि.सं.-1865, चैत्र सुदी 5, लिपिकाल-वि. सं. 1865, वेष्टन सं. 732, महात्मा लालचन्द द्वारा की गई प्रतिलिपि, श्री दिगम्बर जैन दीवान बधीचन्दजी का मन्दिर, घीवालों का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर, राजस्थान में उपलब्ध प्रति। **विशेष** – अनेकान्त ज्ञान मन्दिर शोध संस्थान, बीना (सागर) म.प्र. में श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, अशोकनगर (म.प्र.) के शास्त्र भण्डार से संग्रह करके 'तत्त्वार्थसूत्र वचनिका' नाम से

पं. जयचन्द छाबड़ा कृत, क्र. 6503 पर, वि.सं. 1921, पत्र सं.-370, आकार - 31x16 से.मी. वाली प्रति सुरक्षित है।

76. ***तत्त्वार्थसूत्र भाषा*** (वचनिका, राजस्थानी, ढूँढारी, गद्य) – जयचन्द छाबड़ा, 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (पंचम भाग), संपादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-54, क्रमांक-549, पत्र सं.-393, आकार-11½x6 इंच, रचनाकाल-चैत्र सुदी 5, वि. संवत् 1865, लिपिकाल-माघ सुदी 5, वि. संवत् 1880, वेष्टन सं. 31, श्री दिगम्बर जैन पंचायती मन्दिर करौली, राजस्थान में उपलब्ध प्रति। **विशेष** – इसकी अन्य प्रतियाँ क्र. 550 से 559 तक पार्श्वनाथ मन्दिर इन्दरगढ़ (कोटा); महावीर मन्दिर बूंदी; खण्डेलवाल पंचायती मन्दिर अलवर; तेरहपंथी मन्दिर मालपुरा (टोंक); कोट्यों का मन्दिर नैणवाँ; फतेहपुर शेखावाटी (सीकर) राजस्थान के शास्त्र भण्डारों में भी उपलब्ध हैं।

77. ***तत्त्वार्थसूत्र भाषा*** (बालाबोध वचनिका) - दीपमालिका, 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (चतुर्थ भाग), संपादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-31, ग्रन्थ क्र.-390, पत्र सं.-60 से 108, आकार 11x4½ इंच, रचनाकाल-x, लेखनकाल-पातिसाह औरंगसाहि के राज्य में वि. संवत् 1719, श्रावण सुदी 13 को बालाबोध वचनिका साह जगत के पढ़ने हेतु साह बिहारीदास खजांची सावडावासी आमेर ने साह भोला गोधा की सहायता से राजश्री जैसिंहापुरा के मध्य जिहानाबाद में यह प्रति लिखाई गई। यह श्री दिगम्बर जैन मन्दिर पाटौदी, चौकड़ी मोदीखाना, जयपुर, राजस्थान में अपूर्ण प्रति के रूप में उपलब्ध है। ***विशेष*** – इस सूची के ग्रन्थ क्र.-391, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर जोबनेर, खेजड़े का रास्ता, चांदपोल बाजार, जयपुर, राजस्थान के शास्त्र भण्डार, वि.सं. 1860 की प्रति में टिप्पण रूप हिन्दी अर्थ दिया है, तो श्री दिगम्बर जैन मन्दिर विजयराम पाण्ड्या, जयपुर, राजस्थान में आसोज बुदी 10, वि.सं. 1902 को हीरालाल कासलीवाल फागीवालों की प्रति ग्रन्थ क्र.-392 में टब्बा टीका भी है।

78. ***तत्त्वार्थसूत्र भाषा*** (वचनिका, राजस्थानी/ढूँढारी, गद्य) – पन्नालाल संघी, 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (पंचम भाग), संपादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-54, क्रमांक-547, पत्र सं.-55, आकार-11½x8 इंच, रचनाकाल-वि. सं. 1938, लिपिकाल-वि.सं.-1946, वेष्टन सं. 161, बीजलपुर में प्रतिलिपि हुई, श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर बूँदी, राज. में उपलब्ध प्रति। यहीं पर दूसरी प्रति भी है।

79. ***तत्त्वार्थसूत्र भाषा*** (संस्कृत एवं हिन्दी) – टीकाकार - मुनि प्रभाचन्द्र, भाषाकार-अज्ञात, 'आमेर शास्त्र भण्डार, जयपुर की ग्रन्थ सूची', सम्पादक-कस्तूरचन्द्र कासलीवाल, प्रकाशक-मंत्री, श्री दिगम्बर जैन महावीरजी अतिशय क्षेत्र कमेटी, महावीर पार्क रोड, जयपुर, राजस्थान, कुल पृष्ठ संख्या-226, पृष्ठ संख्या-68, पत्र संख्या-142, आकार-8½x4½ इंच, लिपिकाल-वि.सं. 1803, खुशालराम ने पाण्डे कुम्भकरण के लिए टोंक में प्रतिलिपि की।

80. ***तत्त्वार्थसूत्र भाषा*** (लघुभाषावृत्ति/हिन्दी) – पं. सदासुख कासलीवाल, राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची (तृतीय भाग), सम्पादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-14, क्रमांक-90, पत्र सं.-123, आकार-8x5 इंच, रचनाकाल-वि. संवत्-1910, फाल्गुन वदी 10, लेखनकाल-वि. सं. 1916, आषाढ़ सुदी 9, वेष्टन सं. 752। **विशेष** – श्री दिगम्बर जैन मन्दिर दीवान बधीचन्दजी, घीवालों का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर, राजस्थान के शास्त्र भण्डार में यह प्रति उपलब्ध है। यह पं. सदासुखदास द्वारा रचित तत्त्वार्थसूत्र की लघुभाषावृत्ति है। इसकी एक अन्य प्रति भी इसी भण्डार में उपलब्ध है।

81. ***तत्त्वार्थसूत्र भाषा*** (हिन्दी/गद्य) – पं. सदासुख कासलीवाल, 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (पंचम भाग), संपादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ क्रं.-53, ग्रन्थ क्र.-532, पत्र संख्या-80, आकार-12x5½ इंच, रचनाकाल-फाल्गुन बुदी 10, वि. संवत् 1910, लिपिकाल-वि.सं. 1910, वेष्टन संख्या-42, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर पार्श्वनाथजी, टोडारायसिंह (टोंक), राजस्थान में उपलब्ध हस्तलिखित प्रति। **विशेष** – इसके अतिरिक्त ग्रन्थ क्र. 533 से 546 तक अनेक

प्रतियाँ श्री दिगम्बर जैन अग्रवाल मन्दिर उदयपुर; दबलाना (बूंदी); पार्श्वनाथ मन्दिर इन्दरगढ़ (कोटा); पंचायती मन्दिर अलवर; छोटा मन्दिर एवं पंचायती मन्दिर बयाना; पंचायती मन्दिर हण्डावालों का डींग; फतेहपुर शेखावाटी (सीकर) तथा पार्श्वनाथ चौगान मन्दिर बूंदी, राजस्थान में भी इसकी अन्य प्रतियाँ उपलब्ध हैं।

82. ***तत्त्वार्थसूत्र भाषा*** (हिन्दी) – पं. सदासुख कासलीवाल, 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची (तृतीय भाग), संपादक आदि विवरण पूर्ववत्, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर दीवान बधीचन्दजी, घीवालों का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर, राजस्थान के शास्त्र भण्डार में उपलब्ध, पृष्ठ क्र.-14, ग्रन्थ क्र.-89, पत्र संख्या-336, आकार-11x7 इंच, रचनाकाल-वि.सं. 1914, वैशाख सुदी 10, लेखनकाल-वि.सं. 1936, कार्तिक सुदी 2, वेष्टन सं. 721। यह तत्त्वार्थसूत्र की 'अर्थ प्रकाशिका' नामक वृहत् टीका है, जो संवत् 1912 में लिखना प्रारंभ हुई थी। **विशेष** – अनेकान्त ज्ञान मन्दिर शोध संस्थान, बीना (सागर) म.प्र. के हस्तलिखित ग्रन्थ पंजीयन रजिस्टर (2) में क्र. 6586 पर 'तत्त्वार्थसूत्र वचनिका' (हिन्दी/गद्य) - पं. सदासुखदास, वि.सं. 1950, पत्र सं.-613, आकार- 10x27 से.मी., श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, वार्शी, महाराष्ट्र से संग्रहीत प्रति दर्ज है।

83. ***तत्त्वार्थसूत्र भाषा*** (हिन्दी/गद्य टीका) – महाचन्द्र सोलापुर, 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची (पंचम भाग), संपादक आदि विवरण पूर्ववत्, क्रमांक-512-513, प्रति नं. 2, पत्र सं.-37, रचनाकाल-x, लिपिकाल-वि.सं. 1955, कार्तिक बुदी 9, वेष्टन संख्या-233-583, भट्टारक कनककीर्ति के उपदेश से हुंबडजातीय मेहता फतेलाल के पुत्र ने भीण्डर में गोकुलप्रसाद से प्रतिलिपि कराकर श्री दिगम्बर जैन संभवनाथ मन्दिर, उदयपुर, राजस्थान में हस्तलिखित प्रति उपलब्ध कराई। क्र. 512 पर एक अन्य प्रति का भी उल्लेख है, जो श्री दिगम्बर जैन मन्दिर कोटडियों का डूंगरपुर, राजस्थान में उपलब्ध है। **विशेष** – अनेकान्त ज्ञान मन्दिर शोध संस्थान, बीना (सागर) म.प्र. के हस्तलिखित ग्रन्थ पंजीयन रजिस्टर

(2) में क्र. 6676 'तत्त्वार्थसूत्र वचनिका' के नाम पर पं. महाचन्द्र कृत वि.सं. 1934 की हिन्दी भाषावाली प्रति के पत्र सं.-53, आकार-9x26 से.मी., गद्य, पूर्ण, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, वार्शी, महाराष्ट्र से संग्रहीत है।

84. ***तत्त्वार्थसूत्र भाषा*** (संस्कृत) – योगदेव, 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (तृतीय भाग), पृ.-13, ग्रन्थ क्र.-80, पत्र सं.-111, आकार-10x4½ इंच, लेखनकाल-वि. संवत् 1638, ज्येष्ठ वदी 13, वेष्टन सं.-68, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर दीवान बधीचन्दजी, घीवालों का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर, राजस्थान में उपलब्ध प्रति। भट्टारक प्रभाचन्द्र की आम्नाय के अजमेरा गोत्रीय साह सांतू व उनकी भार्या सुहागदे ने वि. सं. 1638 में लिखवाकर, षोडशकारण व्रतोद्यापन में मंडलाचार्य चन्द्रकीर्ति को यह प्रति भेंट की थी।

85. ***तत्त्वार्थसूत्र भाषा*** (हिन्दी/पद्य) – शिखरचन्द, 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (चतुर्थ भाग), संपादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ क्र.-30, ग्रन्थ क्र.-378, पत्र सं.-27, आकार-10½x7 इंच, रचनाकाल-वि. संवत् 1868, लिपिकाल-वि.सं. 1953, वेष्टन सं. 248, बाबा दुलीचन्द का शास्त्र भण्डार, श्री दिगम्बर जैन बड़ा तेरहपंथी मन्दिर, जयपुर, राजस्थान में उपलब्ध हस्तलिखित प्रति।

86. ***तत्त्वार्थसूत्र भाषा*** (हिन्दी/पद्य) – साहिबराम पाटनी (बूँदी निवासी, वि. संवत् 1818 के माघ मास में रचित), 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची (पंचम भाग), संपादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ सं.-53, ग्रन्थ क्र.-530, पत्र सं.-40, आकार-11½x6 इंच, गुटका साइज, वेष्टन सं. 69, श्री दिगम्बर जैन छोटा मन्दिर बयाना, राजस्थान के शास्त्र भण्डार में उपलब्ध प्रति, जो ऋषि खुशालचन्द ने वि. सं. 1818 में बयाना में प्रतिलिपि की थी।

87. ***तत्त्वार्थसूत्र भाष्य सह*** (संस्कृत) – उमास्वातिवाचक स्वोपज्ञ, 'न्यू केटलॉग ऑफ संस्कृत एण्ड प्राकृत मेन्युस्क्रिप्ट्स' - जैसलमेर कलेक्शन, एल.डी. इन्स्टीट्यूट ऑफ इण्डोलॉजी, अहमदाबाद-9, गुजरात, संकलक-मुनि पुण्यविजय, प्रथम संस्करण - सन् 1972, कुल पृष्ठ-510, पोथी

क्र.-39, क्र. 547, पृष्ठ क्र.-232, पत्र-45, ग्र.-2250, ले.सं.-वि.सं. 1642, आकार - 10½x4½ इंच। इस पोथी में एक अन्य प्रति तत्त्वार्थसूत्र की क्र. 548 पर वि.सं. 1642 की भी है।

88. ***तत्त्वार्थसूत्र भाष्य सह –*** श्री उमास्वातिवाचक कृत, 'केटलॉग ऑफ दि जैन मेन्युस्क्रिप्ट्स ऑफ दि ब्रिटिश लाइब्रेरी' (इन्क्लूडिंग दि होल्डिंग ऑफ दि ब्रिटिश म्यूजियम एण्ड दि विक्टोरिया एण्ड एल्बर्ट म्यूजियम-3 वॉल्यूम), संकलन-सम्पादन-नलिनी बलबीर, कन्हैयालाल वी. सेठ, कल्पना के. सेठ एवं चन्द्रभाल भाई त्रिपाठी, प्रकाशक-दि ब्रिटिश लाइब्रेरी (96, Euston Road, London, NWI 2DB, UK) एवं दि इन्स्टीट्यूट ऑफ जैनालॉजी (Unit 18, Silicon Business Centre, 26/28, Wadsworth Road, Perivale, Greenford, Middlesex UB6, 7JZ, U.K.), प्रथम संस्करण-2006, वॉल्यूम-I, कुल पृष्ठ संख्या-16+20+254; वॉल्यूम-II, कुल पृष्ठ संख्या-492; वॉल्यूम-III, कुल पृष्ठ संख्या-532। **विशेष –** 'वॉल्यूम-I, पृष्ठ-84 पर 'क्लासीफाइड लिस्ट ऑफ एन्ट्रीज' के अन्तर्गत 'I-श्वेताम्बर लिट्रेचर' शीर्षकगत क्र. 515 पर इस प्रति का 'ओरिएण्टल कलेक्शन' Or. 5174 (एच. जैकोबी) पर उल्लेख प्राप्त होता है। 'वॉल्यूम-II', पृष्ठ-365-366 पर पत्र सं.-1-52, आकार-25½x10 से.मी., 17 लाइनें, 'तत्त्वार्थाधिगमे जिनप्रवचनसंग्रहे भाष्यतो दशमोऽध्यायः समाप्तम्', इति तत्त्वार्थभाष्यं समाप्तम्' रूप ग्रन्थान्त में प्राप्त होता है।

89. ***तत्त्वार्थसूत्र मंगल*** (हिन्दी/तत्त्वार्थसूत्र का सार) **–**'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (पंचम भाग), संपादक आदि विवरण पूर्ववत्,पृष्ठ-44, क्र.-439,पत्र सं.-4, आकार-11½x5½ इंच, वेष्टन सं.-595, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर लश्कर, जयपुर, राजस्थान में उपलब्ध प्रति।

90. ***तत्त्वार्थसूत्र : रत्नप्रदीपिका –*** बालचन्द्र, सन्दर्भ-'जिनरत्नकोश', पृष्ठ-156, शेष विवरण पूर्ववत; जैन सिद्धान्त भवन, आरा के हस्तलिखित ग्रन्थों की सूची, सम्पादक - एस.डी. गुप्ता, सन् 1919, क्रमांक-52, 288; भट्टारक चारुकीर्ति मूडबिद्री, दक्षिण कनारा के भण्डार की सूची क्र.-25, 205।

91. ***तत्त्वार्थसूत्र : रत्नप्रभाकर*** (2400 श्लोक प्रमाण) – प्रभाचन्द्र (धर्मचन्द्र के शिष्य), सन्दर्भ - 'जिनरत्नकोश', पृष्ठ-156, शेष विवरण पूर्ववत्, डॉ. आर.जी. भाण्डारकर की पाँचवीं रिपोर्ट (Bhand.-V), - कलेक्शन ऑफ 1884-87, क्र.-1064; इसके अतिरिक्त 8 अन्य प्रतियों की भी सूचनाएँ इसी ग्रन्थ में संग्रहीत हैं।

92. ***तत्त्वार्थसूत्र लघुवृत्ति*** – हरिभद्र के द्वारा प्रारम्भ, किन्तु उन्हीं के शिष्य यशोभद्र के द्वारा पूर्ण की गई (11000 श्लोक प्रमाण), सन्दर्भ - 'जिनरत्नकोश', पृष्ठ-155, शेष विवरण पूर्ववत्।

93. ***तत्त्वार्थसूत्र वचनिका*** (हिन्दी) - वचनिकाकार - अज्ञात, 'जैन सिद्धान्त भवन ग्रन्थावली' (भाग-1), प्रकाशक आदि विवरण पूर्ववत्, क्र.-405, ग्रन्थ क्र.-ङ/7/6, पृष्ठ-70-71, परिशिष्ट पृ.-145, अपूर्ण।

94. ***तत्त्वार्थसूत्र वचनिका*** (हिन्दी) - जयचन्द, 'जैन सिद्धान्त भवन ग्रन्थावली' (भाग 2), सम्पादन- ऋषभचन्द्र जैन फौजदार, प्रकाशक एवं उपलब्धि-स्थान आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-38, परिशिष्ट पृष्ठ-68-69, क्रमांक-1217, ग्रन्थ क्र.-ज/2, आकार-32.2x15.3 से.मी., अपूर्ण।

95. ***तत्त्वार्थसूत्र वचनिका*** (हिन्दी, देशभाषामय टिप्पण) – दौलतराम, 'जैन सिद्धान्त भवन ग्रन्थावली' (भाग 1), सम्पादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृष्ठ-72-73, परिशिष्ट पृ.-148-149, क्र.- 415, ग्रन्थ क्र.-ग 27, वि. सं. 1925 में लिखी, आकार-31½x3.2 से.मी., गुरुबकस के बेटा दौलतराम ने ब्रह्मरावसासनी में यह 'देशभाषामय टिप्पण' लिखा।

96. ***तत्त्वार्थसूत्र वृत्ति*** (रत्नप्रभा/संस्कृत) - प्रभाचन्द्र (धर्मचन्द्र शिष्य), 'जैन मन्दिरों के ज्ञान भण्डार जोधपुर हस्तलिखित ग्रन्थों का सूची-पत्र' (प्रथम खण्ड), प्रकाशक - संचालक - सेवा मन्दिर रावटी, जोधपुर-342 024, राजस्थान, प्रथम संस्करण - सन् 1988, क्र.-476, स्रोत परिचय - कोलड़ी 836, पन्ने-94, आकार - 25x11 से.मी., प्रति लेखन-वि.सं. 1770, उदयपुर पिताम्बर, संग्रामसिंह के राज्य में श्रीचन्द द्वारा। इसी भण्डार में क्र.-477 से 480 तक तत्त्वार्थसूत्र मूल उमास्वाति

कृत, टब्बार्थ, कंडिका, व्याख्या एवं क्र.-481-482 पर सिद्धसेन कृत तत्त्वार्थसूत्र वृत्ति भी उपलब्ध है।

97. ***तत्त्वार्थसूत्र वृत्ति*** (संस्कृत/तत्त्वार्थदीपिका वृत्ति) - रचनाकार-x, 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (पंचम भाग), संपादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृ. क्र.-60, ग्रन्थ क्र.-608, पत्र सं.-40, आकार-8x4½ इंच, वेष्टन सं.-19, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर राजमहल, टोंक, राजस्थान में उपलब्ध प्रति।

98. ***तत्त्वार्थसूत्र वृत्ति*** (संस्कृत/संक्षिप्त टीका) रचनाकार-x, 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (तृतीय भाग), सम्पादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृ.-12, ग्रन्थ क्र.-79, पत्र सं.-28, आकार-10½x4½ इंच, लेखनकाल-वि. संवत् 1547, वैशाख सुदी 7, वेष्टन सं.-69, श्री दिगम्बर जैन दीवान बधीचन्दजी का मन्दिर, घीवालों का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर, राजस्थान में उपलब्ध प्रति।

99. ***तत्त्वार्थसूत्र वृत्ति*** (संस्कृत) – सिद्धसेन गणी, 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (चतुर्थ भाग), सम्पादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृ. क्र.-28, ग्रन्थ क्र.-347, पत्र सं.-248, आकार-10½x4½ इंच, वेष्टन सं. 253, तीन अध्याय की ही टीका उपलब्ध, श्री दिगम्बर जैन तेरहपंथी बड़ा मन्दिर, जयपुर, राजस्थान स्थित बाबा दुलीचन्द के शास्त्र भण्डार में उपलब्ध प्रति।

100. ***तत्त्वार्थसूत्र सटीक*** (संस्कृत) – उमास्वामी, टीकाकार - अमृतचन्द्र सूरि, 'ए डिस्क्रिप्टिव केटलॉग ऑफ मेन्युस्क्रिप्ट्स इन दि भट्टारकीय ग्रन्थ भण्डार, नागौर' (वॉल्यूम-III), सम्पादक - डॉ. पी.सी. जैन, प्रकाशक - जैन स्टडीज सेण्टर, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, प्रथम संस्करण - सन् 1985, कुल पृष्ठ-730, आकार - 10½x3½ इंच, पत्र सं.-1,4, 10-14, 17-41, जीर्ण, अपूर्ण, ग्रन्थ संख्या-3686, रचनाकाल-x, लिपिकाल - वि.सं. 1522, पृष्ठ क्र.-20। **विशेष** – इसके अतिरिक्त इसी भण्डार में तत्त्वार्थसूत्र पर संस्कृत भाषा में टीका, टिप्पण तथा हिन्दी वचनिका संबंधी 9 अन्य प्रतियाँ भी समुपलब्ध हैं।

101. ***तत्त्वार्थसूत्र सटीक*** (हिन्दी/गद्य) – मकरन्द, 'अनेकान्त भवन ग्रन्थ रत्नावली' (भाग 3), सम्पादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृ.-65-66, क्र.-1082, ग्रन्थ क्र.-5356, लिपिकाल-वि.सं. 1915, पत्र सं.-38, आकार-14.5x28.5 से.मी., श्री दिगम्बर जैन मन्दिर कवाल (उ.प्र.) से संग्रहीत प्रति।

102. ***तत्त्वार्थसूत्र सटीक*** (संस्कृत एवं हिन्दी) – 'राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की ग्रन्थ सूची' (भाग-2), संपादक आदि विवरण पूर्ववत्, पृ. क्र.-3, ग्रन्थ क्र. 29, पत्र सं.-22, आकार-12x4½ इंच, वेष्टन सं. 65, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर पं. लूणकरण पाण्ड्या, जयपुर, राजस्थान के शास्त्र भण्डार में उपलब्ध प्रति।

103. ***तत्त्वार्थसूत्र सटीक टीका रत्नप्रभा*** (संस्कृत) – उमास्वामी, टीकाकार-प्रभाचन्द्र, 'ए डिस्क्रिप्टिव केटलॉग ऑफ मेन्युस्क्रिप्ट्स इन दि भट्टारकीय ग्रन्थ भण्डार नागौर' (वॉल्यूम IV), सम्पादक - डॉ. पी.सी. जैन, प्रकाशक - डायरेक्टर, जैन स्टडीज सेण्टर, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, प्रथम संस्करण-सन् 2009, कुल पृष्ठ-670, ग्रन्थ क्र.-176, पृष्ठ क्र.-23 एवं ग्रन्थ क्र.-3166, पृष्ठ सं.-445, आकार-10½x5½ एवं 11x5 इंच, पत्र सं.-100, ग्रन्थ सं.-256, लिपिकाल-वि.सं. -1667, चैत्र सुदी 9, मंगलवार, जीर्ण, पूर्ण। **विशेष** – इसके अतिरिक्त तत्त्वार्थसूत्र/मोक्षशास्त्र मूल, संस्कृत एवं हिन्दी टीका, वचनिका आदि सम्बन्धी अन्य 25 प्रतियाँ इस भण्डार में और भी हैं।

104. ***तत्त्वार्थसूत्र सटीक*** (हिन्दी/गद्य) – अज्ञात, 'आमेर शास्त्र भण्डार, जयपुर की ग्रन्थ सूची', सम्पादक - कस्तूरचन्द कासलीवाल, प्रकाशक-मंत्री, श्री दिगम्बर जैन महावीरजी अतिशय क्षेत्र कमेटी, महावीर पार्क रोड, जयपुर, राजस्थान, प्रथमावृत्ति-सन् 1949, कुल पृष्ठ-224, पृष्ठ क्र.-67, पत्र संख्या-156, आकार - 11½x4½ इंच, लिपिकाल - वि.सं. 1782। इस ग्रन्थ की 2 प्रतियाँ और भी हैं।

105. ***तत्त्वार्थसूत्र – सम्यग्दर्शन चन्द्रिका टीका सहित स्वर्णचित्रांकित*** (संस्कृत-हिन्दी) – 'इन्दौर ग्रन्थावली' (भाग-1), कुन्दकुन्द ज्ञानपीठ,

इन्दौर में संग्रहीत पाण्डुलिपियों की सूची), सम्पादक - डॉ. अनुपम जैन एवं ब्र. अनिल जैन शास्त्री, प्रकाशक-कुन्दकुन्द ज्ञानपीठ, 584-महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर-452 001, म.प्र., रचनाकार-x, पृष्ठ-54-55 एवं 227-228 पर उल्लिखित, कार्तिक शुक्ल 12, वि.सं. 1977 को इन्दौर में पंचों ने मौतीलाल चौबे चन्देरीवालों के माध्यम से उदासीन आश्रम में प्रतिलिपि कराकर शक्कर बाजार, मारवाड़ी में समर्पित की। ग्रन्थ क्रं.-542, पत्र संख्या-618, आकार-34x21 से.मी.। इसमें अध्याय तीन एवं चार संबंधी 86 स्वर्णांकित चित्र हैं। **विशेष –** इसी पुस्तक में क्र. 729 पर 773 पत्र संख्यावाले एवं 22x35 से.मी. आकारवाले ग्रन्थ को सवाईसिंघई लक्ष्मणप्रसाद छापछौल निवासी, हाल-इन्दौर ने वि.सं. 1985 से 1986 तक प्रतिलिपि की, जो श्री दिगम्बर जैन मन्दिर कल्याण भवन, इन्दौर की पाण्डुलिपि की छाया प्रति के रूप में उल्लेखित किया है।

106. ***तत्त्वार्थसूत्र सटीक*** (संस्कृत) – अनेकान्त ज्ञान मन्दिर शोध संस्थान, बीना (सागर) म.प्र. में क्र. 6952, 6966, 8010 हिन्दी एवं क्र. 6520, 6583, 6709, 8037 पर हिन्दी भाषावाली प्रतियाँ अनेक स्थानों से लाकर संग्रहीत हुई हैं।

107. ***तत्त्वार्थसूत्र*** (संस्कृत/गद्य) - आचार्य उमास्वामी, 'अनेकान्त भवन ग्रन्थ रत्नावली' (भाग II) पृष्ठ-109-110, क्रमांक 402-403, ग्रन्थ क्रमांक-119 एवं 912, पत्र संख्या-36 एवं 42, आकार-12x8, 15x11 से.मी.। ये प्रतियाँ क्रमशः श्री दिगम्बर जैन मन्दिर बसारी (म.प्र.), तथा श्री दिगम्बर जैन मन्दिर मड़ावरा (ललितपुर) उ.प्र. से संग्रहीत हैं, संपादक आदि विवरण पूर्ववत्। **विशेष –** इसी भण्डार में क्र. 661 पर 'तत्त्वार्थसूत्र अर्थ' (संस्कृत) तथा क्र. 6828 एवं 8244 पर भी 'तत्त्वार्थसूत्रादि' के नाम से हस्तलिखित प्रतियाँ संकलित हैं।

108. ***तत्त्वार्थसूत्र सस्तवक*** (संस्कृत, गू.) - मूलकर्त्ता-उमास्वाति वाचक, आकार- $10^{1}/_{4}$x$4^{3}/_{4}$ इंच, अपूर्ण, पत्र-14, 'केटलॉग ऑफ संस्कृत